@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
मंगलवार, 23 सितंबर 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 314 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

पीएम मोदी ने अरुणाचल को दी 5100 करोड़ की सौगात
बोले- पूर्वोत्तर के राज्य हमारे लिए अष्टलक्ष्मी

एजेंसी
नई दिल्ली। अरुणाचल प्रदेश के इटानगर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को 5,100 करोड़ से ज्यादा रुपये के महत्वपूर्ण इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन किया। समारोह इंदिरा गांधी पार्क में आयोजित किया गया। पीएम ने शि योमी जिले में दो बड़े जलविद्युत प्रोजेक्ट्स और तवांग में एक कन्वेंशन सेंटर की आधारशिला रखी। पीएम ने पूर्वोत्तर राज्यों के लिए कहा कि ये हमारे लिए अष्टलक्ष्मी हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की नीतियां इन राज्यों के सर्वांगीण विकास और सशक्तिकरण के लिए हैं। उन्होंने पिछले कई वर्षों में पिछली सरकारों द्वारा अरुणाचल प्रदेश के विकास की अनदेखी की तुलना में केंद्र की उपलब्धियों को रेखांकित किया और कहा कि नेक नियत के सही नतीजे अब दिख रहे हैं। उन्होंने आगे

संबोधित करते हुए कहा कि 2014 में जब देशवासियों ने उन्हें सेवा का अवसर दिया तो उन्होंने कांग्रेसी सोच से देश को मुक्त करने का संकल्प लिया। मोदी ने स्पष्ट किया कि उनकी प्रेरणा किसी राज्य में वोट और सीटों की संख्या से नहीं, बल्कि राष्ट्र को सर्वोपरि रखने की भावना से आती है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रहित ही उनके हर फैसले की नींव है। मोदी ने अपने अरुणाचल दौरे को तीन कारणों से विशेष बताया।

पहला, नवरात्र के शुभ अवसर पर हिमालय की गोद में स्थित इस भूमि पर आकर मां शैलपुत्री का आशीर्वाद प्राप्त हुआ। दूसरा, देश में नेक्सट जेन जीएसटी सुधार लागू हुए और GST बचत उत्सव की शुरुआत हुई, जिससे त्योहारों के मौसम में जनता को डबल बोनस मिला। तीसरा, अरुणाचल प्रदेश में कई बड़े परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया, जो राज्य के विकास को नई गति देंगे। मोदी ने कहा कि तवांग मठ से नमसाई तक अरुणाचल शांति और संस्कृति का अद्भुत संगम है और मां भारती का गौरव है।

पूर्वोत्तर की राजनीति पर बोले सिक्किम के प्रधानमंत्री

कार्यक्रम में सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने कभी भी पूर्वोत्तर को राजनीति के तराजू में नहीं तोला। उन्होंने हमेशा यही कहा कि भारत तभी आगे बढ़ेगा जब नॉर्थ ईस्ट आगे बढ़ेगा। 2014 से पहले पूर्वोत्तर नकारात्मक कारणों से जाना जाता था, लेकिन अब यह विकास का इंजन बनकर देश की प्रगति में योगदान दे रहा है। मोदी ने अरुणाचल को 'उगते सूरज की धरती' बताते हुए कहा कि यहां का हर नागरिक शौर्य और शांति का प्रतीक है, जैसे तिरंगे का पहला रंग केसरिया है, वैसे ही अरुणाचल का रंग भी शौर्य का प्रतीक है।

स्थानीय लोगों से स्वदेशी को बढ़ाने पर की चर्चा

इसके साथ ही अरुणाचल प्रदेश के इटानगर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्थानीय व्यापारियों, उद्योगपतियों और करदाताओं के साथ जीएसटी दरों में हालिया सुधारों के प्रभाव पर चर्चा की। पीएम ने व्यापारियों से सीधे बातचीत की और उनकी चिंताओं को सुना। यह बैठक एक सक्रिय संवाद के रूप में आयोजित की गई, जिसमें व्यापारियों ने अपने अनुभव और सुझाव साझा किए।

झारखंड में दो सड़क हादसों में पांच की मौत, 40 से अधिक घायल

एजेंसी
रांची । झारखंड के गोड्डा और रामगढ़ जिलों में सोमवार को दो अलग-अलग सड़क हादसों में पांच लोगों की जान चली गई, जबकि 40 से अधिक लोग घायल हो गए।

बताया गया कि ये लोग नवरात्रि के पहले दिन कलश स्थापना के लिए कहलगांव के गंगा घाट से जल लेकर लौट रहे थे, तभी यह दुर्घटना हो गई। हादसे के बाद स्थानीय ग्रामीणों की मदद से शवों को खाई से बाहर निकाला गया। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए गोड्डा भेज दिया है। महागामा एसडीपीओ चंद्रशेखर आजाद ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस व प्रशासनिक टीम मौके पर पहुंचकर राहत कार्य में जुट गई।

इधर, रामगढ़ जिले के छत्तर मांडू के पास रामगढ़-बोकारो मार्ग पर सोमवार दोपहर बस और ट्रक की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में बस चालक और एक महिला की मौत हो गई, जबकि बस में सवार 40 से अधिक यात्री घायल हो गए। ट्रक चालक वाहन के केबिन में बुरी तरह फंस गया था। स्थानीय पुलिस और बचाव दल की मदद से करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद चालक को बाहर निकाला गया और

गंभीर हालत में अस्पताल भेजा गया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल एक अन्य महिला यात्री ने भी इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस और ट्रक दोनों बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। सड़क पर दुर्घटनाग्रस्त वाहनों के कारण दोनों ओर गाड़ियों की लंबी कतार लग गई।

सुप्रीम कोर्ट से जैकलीन को झटका
200 करोड़ के मनी लॉन्ड्रिंग केस से जुड़ी याचिका खारिज

एजेंसी
नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस की मुश्किलें बढ़ गई हैं। दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने उस याचिका पर विचार करने से साफ इनकार कर दिया जिसमें उन्होंने 200 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग केस में दर्ज प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट यानी ईसीआईआर को रद्द करने की मांग की थी।

यह मामला कथित ठग सुकैश चंद्रशेखर से जुड़ा है, जो पहले ही कई धोखाधड़ी के मामलों में जेल में बंद है।

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

जस्टिस दिपांकर दत्ता और जस्टिस ऑगस्टिन जॉर्ज मसीह की बेंच ने जैकलीन फर्नांडिस की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी की दलीलें सुनने के बाद

कहा कि 'हम इस स्तर पर हस्तक्षेप नहीं करेंगे।' इसके साथ ही अदालत ने साफ कर दिया कि 3 जुलाई को दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा दिए गए आदेश को ही बरकरार रखा जाएगा। इसमें जैकलीन की ईसीआईआर रद्द करने की याचिका को खारिज कर दिया गया था।

पंजाब बना दुनिया का पहला राज्य जो देगा 10 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज - अरविंद केजरीवाल

एजेंसी
चंडीगढ़। आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पंजाब सरकार ने ऐसा कदम उठाया है जो न केवल देश में, बल्कि पूरी दुनिया में किसी राज्य ने पहले नहीं उठाया। केजरीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पंजाब के सीएम भगवंत मान की एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का वीडियो रिपोस्ट करते हुए कहा कि पंजाब सरकार अब अपने नागरिकों को 10 लाख रुपए तक का हेल्थ कवर मुफ्त में देगी।

उन्होंने इसे एक 'ऐतिहासिक ऐलान' बताया और कहा कि इस फैसले ने पंजाब को दुनिया का पहला राज्य बना दिया है जो अपने लोगों को इतने बड़े पैमाने पर स्वास्थ्य सुरक्षा दे रहा है।उन्होंने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, 'सिर्फ देश ही नहीं, दुनिया में पंजाब पहला ऐसा राज्य है जो अपने नागरिकों को 10 लाख रुपए का हेल्थ कवर मुफ्त में उपलब्ध करवा रहा है।'

केजरीवाल ने लिखा, 'ईमानदार सरकार हो तभी लोगों को ऐसी सुविधाएं दी जा सकती हैं। पुरानी सरकारों में नेता जनता का पैसा जनता पर खर्च न कर खुद हड़प जाया करते थे। अब पंजाब में जनता की सरकार है जो जनता का पैसा जनता पर ही खर्च करती है।'उन्होंने लोगों से अपील की है कि पंजाब के सीएम ने सोमवार को ऐतिहासिक ऐलान किया है। इनका ये ऐलान जरूर सुनें। बता दें कि पंजाब में मंगलवार से 'मुख्यमंत्री सेहत बीमा योजना' रजिस्ट्रेशन की शुरुआत होने वाली है।

फ्लाइट में यात्री ने की कॉकपिट का दरवाजा खोलने की कोशिश
बंगलूरू से वाराणसी जा रहा था विमान

एजेंसी
बंगलूरू। बंगलूरू से वाराणसी जा रहे एअर इंडिया एक्सप्रेस विमान में सोमवार को एक बड़ी घटना हुई। फ्लाइट में एक यात्री ने विमान के कॉकपिट का दरवाजा खोलने की कोशिश की। यह पूरी घटना तब हुई, जब विमान उड़ान भर चुका था। बताया गया है कि एआई एक्सप्रेस की फ्लाइट आईएक्स-1086 सोमवार को बंगलूरू एयरपोर्ट से सुबह 8 बजे उड़ी थी। इस दौरान एक यात्री अपनी सीट से उठकर कॉकपिट के दरवाजे के पास पहुंचा और उसे खोलने की कोशिश करने लगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह शख्स आठ अन्य लोगों के साथ सफ कर रहा था। इस घटना के बाद उस शख्स और उसके साथियों को केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) को सौंप दिया

गया। फ्लाइट की सुरक्षित वाराणसी में लैंडिंग हुई। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने बाद में इस घटना पर बयान भी जारी किया। विमानन कंपनी ने कहा कि फ्लाइट में किसी भी सुरक्षा प्रोटोकॉल का उल्लंघन नहीं हुआ था। बयान में कहा गया, - हमें इस घटना को लेकर आई मीडिया रिपोर्ट्स की जानकारी है। एक यात्री टॉयलेट (लैवेटरी) की खोज करता हुआ कॉकपिट के एंट्री एरिया में घुस गया। हम स्पष्ट करना चाहते हैं कि सुरक्षा मानक लगातार अपनी जगह पर हैं और इनका उल्लंघन नहीं हुआ। इस मसले को संबंधित अधिकारियों को बता दिया गया है।'

विदेशी धरती से राजनाथ सिंह की पाकिस्तान को दो टूक, 'हमने धर्म देखकर नहीं, कर्म देखकर मारा है'

एजेंसी
नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर स्थित पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारतीय सेनाओं को पूरी छूट दी गई थीं। सेनाएं हर स्थिति के लिए तैयार थी। यह जानकारी रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मोरक्को की राजधानी रबात में दी। उन्होंने रामचरितमानस का हवाला देते हुए कहा कि हमने धर्म देखकर नहीं, कर्म देखकर मारा है। रक्षा मंत्री ने कहा कि पहलगाम में निर्दोष भारतीयों पर कायराना हमले के बाद सेनाओं को पूरी छूट दी गई थी और भारतीय सेनाएं हर स्थिति के लिए पूरी तरह तैयार थीं। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत की कार्रवाई सोच-समझकर और गैर-उकसाने वाली थी। उन्होंने पिछले एक दशक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हुई बहुआयामी प्रगति को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत आज दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है, जो 11वें स्थान से चौथे स्थान पर पहुंच गया है और जल्द ही शीर्ष तीन में शामिल होने की ओर अग्रसर है। उन्होंने भारत के डिजिटल परिवर्तन, ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था में प्रगति और स्टार्टअप क्षेत्र में

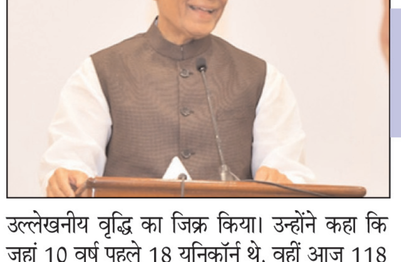

उल्लेखनीय वृद्धि का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि जहां 10 वर्ष पहले 18 यूनिकॉर्न थे, वहीं आज 118 हो चुके हैं। रक्षा उद्योग में भी ऐतिहासिक प्रगति हुई है, जो 1.5 लाख करोड़ रुपए का उत्पादन कर रहा है और 100 से अधिक देशों को 23,000 करोड़ रुपए से अधिक के रक्षा उत्पाद निर्यात कर चुका है। उन्होंने प्रवासी भारतीयों की मेहनत, ईमानदारी और समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि यह भारतीय चरित्र की शक्ति को पूरी दुनिया में दर्शाता है। उन्होंने स्वामी विवेकानंद के शिकागो धर्म संसद के ऐतिहासिक संबोधन को याद किया और कहा कि भारतीय संस्कृति में व्यक्ति का असली मूल्य उसके चरित्र से

रक्षा मंत्री अपने प्रवास के दौरान द्विपक्षीय वार्ता करेंगे और रक्षा एवं सामरिक सहयोग से जुड़े कई मुद्दों पर चर्चा करेंगे।

तय होता है। प्रवासी भारतीयों ने भी भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा पर गर्व व्यक्त किया, जो मजबूत आर्थिक आधार और सशक्त सैन्य क्षमता पर आधारित है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर रविवार को मोरक्को के कासाब्लांका पहुंचे हैं। यह मोरक्को का दौरा करने वाले किसी भी भारतीय रक्षा मंत्री की पहली ऐतिहासिक यात्रा है। इस यात्रा को भारत और मोरक्को के बीच रक्षा सहयोग को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

रेखा गुप्ता ने हरिनगर में अत्याधुनिक मल्टी-लेवल इलेक्ट्रिक बस डिपो का शिलान्यास किया

कौमी पत्रिका
नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली 22 सितंबर। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कल हरिनगर में दिल्ली ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन (छ्ज्ञ्ष्ट) के अत्याधुनिक मल्टी-लेवल इलेक्ट्रिक बस डिपो का शिलान्यास किया। जो भविष्य में दिल्ली परिवहन निगम के बुनियादी ढांचे को अत्याधुनिक और विश्व स्तरीय बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम साबित होगा। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में दिल्ली में चल रहे 'सेवा पखवाड़ा-2025' के तहत इस समारोह का आयोजन किया गया। बस डिपो के शिलान्यास के अवसर पर दिल्ली के परिवहन मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह के साथ कैबिनेट मंत्री श्री आशीष सूद भी मौजूद रहे। अत्याधुनिक मल्टी-लेवल इलेक्ट्रिक बस डिपो के शिलान्यास के अवसर पर रेखा गुप्ता ने इस परियोजना को छ्ज्ञ्ष्ट के इतिहास में मील का पत्थर बताते हुए कहा कि हरिनगर डिपो छ्ज्ञ्ष्ट कर्मचारियों के लिए

काम करने के तरीके और ज्यादा बेहतर बनाएगा। साथ ही बस यात्रियों के लिए भी विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराएगा। रेखा गुप्ता ने कहा कि राजधानी दिल्ली सार्वजनिक परिवहन की दिशा में एक नए युग की गवाह बन रही है। हरिनगर बस डिपो लगभग 400 इलेक्ट्रिक बसों को एक साथ खड़ी करने में सक्षम है और अत्याधुनिक चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर से लैस है। हमारी सरकार साफ-सुथरी, सस्ती, सुलभ और सतत मोबिलिटी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह परियोजना सिर्फ एक बस डिपो नहीं है, बल्कि यह ग्रीन और क्लीन दिल्ली की नींव है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सेल्फ-सस्टेनेबल बिल्डिंग की मेंटेनेंस के साथ ही परियोजना की पर्यावरणीय विशेषताओं को भी रेखांकित किया। हरिनगर बस डिपो में 500 चक्क् रूफटॉप सोलर पावर प्लांट, 170 चक्ष्ठ सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट और रेन वाटर हार्वेस्टिंग प्रणाली भी लगेगी।

शेष पृष्ठ 3 पर

सीएम योगी ने व्यापारियों और ग्राहकों से किया संवाद
कहा- जीएसटी सुधार से समृद्ध होगा बाजार

एजेंसी
गोरखपुर । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को जीएसटी सुधारों के पहले चरण की शुरुआत की। इसके तहत उन्होंने गोरखपुर में झूलेलाल मंदिर से गोरखनाथ मंदिर तक पदयात्रा की और व्यापारियों व ग्राहकों से मिलकर जीएसटी सुधारों पर उनकी राय जानी। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में जीएसटी परिषद ने तीन सितंबर की बैठक में कर सुधारों का निर्णय लिया था। ये निर्णय सोमवार से प्रभावी हो गए। इसे लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गत दिनों एक समीक्षा बैठक में 22 सितंबर से 29 सितंबर तक 'जीएसटी रिफॉर्म जागरूकता अभियान' का पहला चरण शुरू करने का निर्णय लिया था। इसका शुभारंभ सोमवार को उन्होंने खुद पदयात्रा, जनसंपर्क और संवाद से किया। 'जीएसटी रिफॉर्म जागरूकता अभियान' के तहत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने झूलेलाल मंदिर से गोरखनाथ मंदिर मार्ग तक पदयात्रा की और मार्ग पर स्थित कई दुकानों में

जाकर व्यापारियों और ग्राहकों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने जीएसटी की घटी दरों को लेकर उनसे संवाद किया। उन्हें जीएसटी की घटी दरों से संबंधित एक स्टीकर और गुलाब का फूल दिया और साथ ही कहा कि जीएसटी की घटी दरों का लाभ ग्राहकों को जरूर दीजिए। इससे आपका कारोबार और समृद्ध होगा। अभियान के दौरान सीएम योगी सबसे पहले स्टाइल बाजार गए। यहां प्रतिष्ठान के उच्च प्रबंधन ने उनका स्वागत किया। यहां मुख्यमंत्री ने खुद प्रतिष्ठान के मुख्य द्वार पर जीएसटी की घटी दरों का स्टीकर चस्पा किया। उन्होंने स्नेहिल भाव से प्रतिष्ठान के मेंटर राजेंद्र खुराना, एमडी श्रेयांश खुराना और निदेशक प्रदीप अग्रवाल से पूछा कि कपड़ों पर जीएसटी में कितनी कमी आई है। यह बताए जाने पर कि 12 प्रतिशत घटकर 5 प्रतिशत हो गया है, सीएम ने कहा कि इससे आपका बाजार और मजबूत होगा। इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद देते हुए ग्राहकों को कम

अभियान के दौरान सीएम योगी सबसे पहले स्टाइल बाजार गए। यहां प्रतिष्ठान के उच्च प्रबंधन ने उनका स्वागत किया।

हुई जीएसटी का फायदा जरूर दीजिए। प्रतिष्ठान प्रबंधन ने बताया कि जीएसटी कमी का लाभ दिया जाना शुरू कर दिया गया है। मुख्यमंत्री जब यहां से जाने लगे तो उन्होंने प्रतिष्ठान संचालक को गुलाब का फूल भेंट किया। इसके बाद मुख्यमंत्री पैदल चलकर न्यू स्वीट्स पैलेस पर आए। यहां उन्होंने दुकानदार बिहारी लाल व जतिन लाल से जीएसटी की कम हुई दरों पर संवाद किया। दुकानदार ने बताया कि कम हुई कीमतों का लाभ उन्होंने ग्राहकों को देना शुरू कर दिया है। मुख्यमंत्री ने उन्हें जीएसटी रिफॉर्म का स्टीकर देकर कहा कि सभी लोगों को जीएसटी सुधार के लिए पीएम मोदी के प्रति आभार व्यक्त करना चाहिए। व्यापारियों और ग्राहकों से संपर्क और संवाद के क्रम में मुख्यमंत्री ने गीता होलसेल मार्ट में प्रतिष्ठान संचालक शम्भू शाह से कहा कि जीएसटी दरों में कमी को लेकर ग्राहकों को आप लोग खुद भी जागरूक करिए। इससे ग्राहक को फायदा होगा और आपका भी बाजार समृद्ध होगा। प्रेम मेडिकल्स में जाकर उन्होंने दवाओं की कीमतों में आई कमी पर चर्चा की। दुकानदार विनय प्रजापति और आकाश प्रजापति ने बताया कि जीवनरक्षक दवाओं पर टैक्स जीरो हो गया है। कई दवाओं में टैक्स अब सिर्फ 5 प्रतिशत रह गया है। आज से इसका लाभ वे ग्राहकों को देने लगे हैं।

चारधाम यात्रा की सभी तैयारियां पूरी, सीएम धामी ने की श्रद्धालुओं से अपील

एजेंसी
देहरादून। देवभूमि उत्तराखंड में चारधाम यात्रा का दूसरा पड़ाव शुरू होने वाला है। केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री जैसे पवित्र तीर्थस्थलों पर हर दिन हजारों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बताया कि चारधाम यात्रा की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। सीएम धामी ने बताया कि यात्रा मार्गों पर यातायात नियंत्रण, स्वास्थ्य सुविधाएं, सुरक्षा व्यवस्था और आपातकालीन सेवाओं का विशेष ध्यान रखा गया है। प्रशासन ने सड़कों की मरम्मत, यात्री विश्राम स्थलों की व्यवस्था और चिकित्सा सुविधाओं को मजबूत किया है, ताकि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

प्रशासन के अनुसार इस बार यात्रा के लिए ऑनलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया को और सरल किया गया है, जिससे श्रद्धालुओं को यात्रा शुरू करने में आसानी हो रही है। स्थानीय व्यापारियों और पर्यटन से जुड़े लोगों के लिए यह यात्रा आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। होटल, ढाबे, परिवहन सेवाएं और स्थानीय हस्तशिल्प के व्यवसाय में तेजी आई है। प्रशासन ने मौसम की चुनौतियों को देखते हुए भी विशेष प्रबंध किए हैं। सड़कों पर नियमित निगरानी, हेलीकॉप्टर सेवाएं और आपदा प्रबंधन टीमें तैनात की गई हैं। साथ ही, यात्रियों को मौसम और मार्ग की स्थिति से अवगत कराने के लिए सूचना केंद्र स्थापित किए गए हैं। सीएम धामी ने अपील की कि श्रद्धालु यात्रा के नियमों का पालन करें और पर्यावरण संरक्षण में सहयोग करें। उन्होंने कहा, 'हमें यह सुनिश्चित करना है कि हमारी पवित्र भूमि की सुंदरता और पवित्रता बनी रहे।'

प्रशासन के अनुसार इस बार यात्रा के लिए ऑनलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया को और सरल किया गया है, जिससे श्रद्धालुओं को यात्रा शुरू करने में आसानी हो रही है।

बक्सर-टाटा सुपरफास्ट ट्रेन की बोगी में अचानक आग... यात्री बोगियों से बाहर कूदे

जामताड़ा (एजेंसी)। झारखंड में बक्सर-टाटा सुपरफास्ट ट्रेन की एक बोगी में अचानक आग लग गई। घटना से यात्रियों में हड़कंप मच गया। ये घटना विद्यासागर और जामताड़ा स्टेशन के बीच कालाझरिया गांव के पास हुई। रेलवे के अनुसार, इंजन के बाद तीसरी बोगी से धुआं और आग की लपटें उठने लगीं। लोको पायलट ने तत्परता दिखाकर ट्रेन रोक दी। घटना से डरे यात्री बोगियों से बाहर कूदने लगे। हालांकि, किसी यात्री को गंभीर चोट नहीं आई और कोई जानमाल का नुकसान नहीं हुआ। रेलवे स्टाफ ने फायर एक्सटिंग्विशर की मदद से आग पर नियंत्रण पाया गया। शुरुआती जांच में यह पता चला कि आग बोगी के नीचे के अंडर गियर से उठी चिंगारी के कारण लगी। इसके बाद ट्रेन करीब 45 मिनट तक रुकी रही। उसके बाद स्थिति सामान्य होने पर फिर से रवाना कर दिया गया। रेलवे अधिकारियों ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर में सीमा से सटे इलाकों में नजर आया संदिग्ध ड्रोन, सर्च अभियान तेज

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में सीमा से सटे इलाकों में फिर ड्रोन घुसपैठ की घटनाएं बढ़ी हैं। इस इलाके में इस महीने चौथी बार ड्रोन देखा गया है। इस घटना के बाद सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने इलाके में सर्च अभियान तेज कर दिया है। बीएसएफ को शक है कि पाक ड्रोन ने या तो ड्रग्स या हथियारों की खेप सप्लाई की है। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि जम्मू जिले के आरएस पुरा स्थित एक गाँव के पास अंतरराष्ट्रीय सीमा के करीब एक ड्रोन की गतिविधि देखने के बाद बीएसएफ ने तलाशी अभियान शुरू किया है। इस महीने में यह चौथी बार देखा गया ड्रोन, एक दिन पहले शाम करीब 7 बजे भारतीय सीमा में मंडराता हुआ देखा गया था। अधिकारियों को शक है कि संदिग्ध ड्रोन ने इस इलाके में या तो हथियार या फिर ड्रग्स की संभावित सप्लाई की है। हथियारों या नशीले पदार्थों की किसी भी संभावित हवाई गिरावट की संभावना को खारिज करने के लिए इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। पांच दिन पहले भी सीमा सुरक्षा बलों ने संदिग्ध गतिविधि देखने के बाद तलाशी अभियान चलाया था। इस दौरान बीएसएफ के जवानों ने सीमा चौकी क्षेत्र में बाड़ के आगे एक एके-सीरीज़ की असॉल्ट राइफल और एक मैगज़ीन बरामद की थी। इससे पहले 13 सितंबर को भी राज्य पुलिस को शहर के बाहरी इलाके अखनूर में थर्मल पेलोड वाला एक ड्रोन मिला था। 6 सितंबर को भी सांबा जिले में एक सैन्य छावनी के ऊपर एक संदिग्ध ड्रोन देखे जाने के बाद सुरक्षा बलों ने तलाशी अभियान शुरू किया था।

डबल लो प्रेशर बनने से ओडिशा में 23 से हो सकती है बारिश

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा में बारिश ने मौसम में ठंडक घोल दी है। मौसम विभाग ने बंगाल की खाड़ी में डबल लो प्रेशर बनने की संभावना जताई है, जिससे ओडिशा में लगातार बारिश होने की संभावना है। मौसम पूर्वानुमान के मुताबिक उत्तर अंडमान और म्यांमार तट से लगे क्षेत्र में चक्रवाती परिसंचरण सक्रिय है। इसके असर से पिछले 24 घंटों में उत्तरी बंगाल की खाड़ी में एक लो प्रेशर बनने की संभावना जताई गई है। इसी तरह 25 सितंबर को उत्तरी मध्य और उससे लगे उत्तरी बंगाल की खाड़ी में एक और लो प्रेशर विकसित होने की संभावना है। भारी आरिश को देखते हुए केंदुझर और मयूरभंज जिले के लिए येलो वार्निंग जारी की गई है। 24 सितंबर को बादल छाए रहने और हल्की बारिश की संभावना है। वहीं, 25 सितंबर से ओडिशा में बारिश तेज हो सकती है। दूसरी ओर ओडिशा में पहले से ही चक्रवाती परिसंचरण सक्रिय है, जिसके कारण राज्य के कई हिस्सों में बारिश हो रही है। अनुमान है कि यह डिप्रेशन 29 सितंबर से छत्तीसगढ़ होते हुए नागपुर की ओर बढ़ेगा। 30 सितंबर के बाद मौसम शुष्क रह सकता है।

कार्यकर्ता कंकोणकर पर हमले का साजिशकर्ता हिस्ट्रीशीटर कार्डसो गिरफ्तार

पणजी (एजेंसी)। गोवा पुलिस ने पिछले हफ्ते कार्यकर्ता रमा कंकोणकर पर हमले की साजिश रचने के आरोप में हिस्ट्रीशीटर जेनिटो कार्डसो को गिरफ्तार कर लिया गया है। एसपी (उत्तर) ने बताया कि कंकोणकर पर हमले के सिलसिले में गिरफ्तार किए गए सात लोगों से पूछताछ में कार्डसो का नाम सामने आया था। पिछले हफ्ते पणजी के पास कारनजलेम में हुए हमले में कंकोणकर गंभीर रूप से घायल हो गए थे। एसपी ने बताया कि कार्डसो के खिलाफ कई मामले दर्ज हैं और शुरुआती जांच से पता चलता है कि अपराध के पीछे पुरानी रंजिश होने की आशंका है। कंकोणकर पर हमले के बाद लोगों में आक्रोश फैल गया और कई सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं नेताओं ने राज्य में कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए। बिहार में चुनाव प्रचार के बाद रविवार को गोवा लौटे सीएम प्रमोद सावंत ने कहा कि किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि हमले में शामिल सभी लोगों को गिरफ्तार किया जाएगा।

कांगड़ा में बड़ा हादसा : कांग्रेस नेता के होटल में घुसा ट्रक, ड्राइवर घायल

कांगड़ा (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले के देहरा में रविवार देर रात एक भीषण सड़क हादसा हो गया। दिल्ली नंबर का तेज रफ्तार ट्रक नियंत्रण खो बैठा और सीधे होटल हवेली के गेट को तोड़ते हुए रिसेप्शन तक जा घुसा। यह होटल कांग्रेस नेता एवं हिमाचल प्रदेश शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डॉ. राजेश शर्मा का बताया जा रहा है। हादसा रात लगभग 12-45 बजे हुआ। ट्रक सामान से भरा हुआ था और टक्कर इतनी जोरदार थी कि होटल का गेट पूरी तरह टूट गया और दीवारों में भी दरारें पड़ गईं। इस हादसे में एक बाइक और कार को भी नुकसान पहुंचा। सबसे ज्यादा चोट ट्रक चालक को आई, जो टक्कर के बाद वाहन में ही फंस गया। उसे निकालने के लिए करीब ढाई घंटे तक रेस्क्यू ऑपरेशन चला। इलेक्ट्रिक कटर से ट्रक का हिस्सा काटकर ड्राइवर को बाहर निकाला गया और तुरंत देहरा अस्पताल पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे टांडा मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया।

देश में जल्द शुरू हो सकती है एसआईआर प्रक्रिया

-चुनाव आयोग ने राज्यों को 30 सितंबर तक तैयार रहने दिए निर्देश

चेन्नई (एजेंसी)। नई दिल्ली, (ईएमएस)। चुनाव आयोग ने सभी राज्य चुनाव अधिकारियों को विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के लिए 30 सितंबर तक तैयार रहने का निर्देश दिया है। इससे संकेत मिलता है कि अगले महीने से पूरे देश में मतदाता सत्यापन और मतदाता सूची सुधार की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। अधिकारी बताते हैं कि अक्टूबर-नवंबर की शुरुआत में मतदाता सूची की सफाई का काम शुरू हो सकता है।

चुनाव आयोग के इस निर्देश से पहले, इस महीने की शुरुआत में राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारियों (सीईओ) के सम्मेलन में उन्हें अगले 10-15 दिनों में एसआईआर के लिए तैयार रहने की सूचना दी गई थी। स्पष्टता के लिए अब 30 सितंबर की समय सीमा तय की गई है। राज्यों के सीईओ को कहा गया है कि वे अपनी मतदाता सूचियां तैयार रखें। अधिकांश राज्यों ने अपनी पिछली एसआईआर के बाद प्रकाशित वोटर लिस्ट अपनी वेबसाइट पर उपलब्ध करवा दी है। उदाहरण के लिए, दिल्ली की वेबसाइट पर 2008 की और उत्तराखंड की वेबसाइट पर 2006 की मतदाता सूची उपलब्ध है।

चुनाव आयोग ने बताया कि बिहार के बाद पूरे देश में एसआईआर लागू किया जाएगा। अधिकांश राज्यों में अंतिम एसआईआर 2002 और 2004 के बीच हुई थी। पिछले गहन पुनरीक्षण के अनुसार वर्तमान मतदाताओं का मिलान लगभग पूरा हो चुका है। विशेष गहन पुनरीक्षण का उद्देश्य जन्म स्थान की जांच कर विदेशी अवैध प्रवासियों को सूची से बाहर करना है। यह कदम विशेष रूप से उन राज्यों में महत्वपूर्ण है जहां बांग्लादेश और म्यांमार से अवैध प्रवासियों की समस्या रही है।

आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर यह प्रक्रिया असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में 2026 में होने वाले चुनावों के लिए भी अहम होगी। चुनाव आयोग का कहना है कि इस गहन पुनरीक्षण से मतदाता सूची की पारदर्शिता और विश्वसनीयता सुनिश्चित होगी।

चावल और चीनी लेकर सोमालिया जा रहे जहाज में सुभाषनगर जेटी पर लगी आग

पोरबंदर (एजेंसी)। गुजरात के जामनगर से चावल और चीनी लेकर जा रहे एक मालवाहक जहाज में सुभाषनगर जेटी पर आग लग गई। सोमालिया के बोसासो जा रहे जहाज में आग लगने से हड़कंप मच गया। सूचना पाते ही दमकलकर्मी तीन गाड़ियों मौके पर पहुंची। चूंकि आग तेजी से बढ़ रही थी, इसलिए जहाज को और अधिक नुकसान से बचाने के लिए खुले पानी में खींच लिया गया। जामनगर की एचआरएम एंड संस की ओर से संचालित जहाज का नाम हरिदासन था। जहाज पर 950 टन चावल और 100 टन चीनी लदी थी। आग लगने के बाद, अग्निशमन विभाग ने आग पर काबू पाने के लिए तीन दमकल गाड़ियों और एक हाइड्रेंट सिस्टम को मौके पर पहुंचाया। जहाज में लदे सामान, जिसमें डीजल भी शामिल था, के कारण आग और भड़क गई। इसकारण अधिकारियों को बंदरगाह को और जोखिम से बचाने के लिए जहाज को जेटी से करीब 1 किलोमीटर दूर और अंततः समुद्र में 100 किलोमीटर अंदर खींचना पड़ा। तटरक्षक बल ने आग बुझाने के प्रयासों में मदद की। अधिकारियों ने जहाज़ को खुले पानी में तब तक रखा जब तक कि आग को सुरक्षित रूप से नियंत्रित न हो सके। इस बीच, पोरबंदर की दमकल टीम स्थिति पर नजर बनाए हुए है और स्टैंडबाय पर है।

रूस में भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष लेकर जाएंगे डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ (एजेंसी)। प्रधानमंत्री कार्यालय के निर्देश पर यूपी के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य रूस की ऐतिहासिक यात्रा पर रवाना होंगे। वे वहां भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों को लेकर आयोजित होने वाले विशेष कार्यक्रम में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। भारत सरकार का संस्कृति मंत्रालय 24 सितंबर से एक अक्टूबर तक रूस के काल्मिकिया प्रांत में भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों का प्रदर्शन करेगा। इस आयोजन का उद्देश्य भारतीय संस्कृति और बौद्ध धरोहर की समृद्ध परंपरा को वैश्विक स्तर पर प्रदर्शित करना है।

तय कार्यक्रम के अनुसार, उप मुख्यमंत्री मौर्य कल 23 सितंबर को वायुसेना के विशेष विमान से रूस के लिए प्रस्थान करेंगे। वहां 25 से 28 सितंबर तक एलिस्ता में भगवान बुद्ध से जुड़ी दुर्लभ कलाकृतियों और ऐतिहासिक धरोहरों की प्रदर्शनी आयोजित होगी। इसमें भारत से ले जाए गए अवशेष और कलाकृतियां भी शामिल होंगी। केशव प्रसाद भगवान बुद्ध के पवित्र पिपरहवा (कपिलवस्तु) मे रखे गए अवशेषों को लेकर जाएंगे। प्रदेश सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, इस दौरे से भारत और रूस के बीच सांस्कृतिक संबंध और गहरे होंगे। साथ ही, यह आयोजन बौद्ध धर्म की वैश्विक विरासत और भारतीय संस्कृति की गरिमा को अंतरराष्ट्रीय मंच पर नई पहचान दिलाने वाला साबित होगा।

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को कहा भगवान बुद्ध संपूर्ण मानवता के लिए भारत की सबसे अनमोल धरोहर है। करुणा, दया और शांति पर आधारित उनका दर्शन आज भी समाज को सह अस्तित्व और मानवीय संवेदनों का सशक्त संदेश देता है। (काल्मिकिया) रूस में भगवान बुद्ध के पवित्र पिपरहवा (कपिलवस्तु) अवशेषो की प्रदर्शनी आयोजित कराने व भारतीय प्रतिनिधि मण्डल का नेतृत्व करने का अवसर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को देने के लिए बौद्ध भिक्षुओं द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

टैरिफ और एच-1बी वीजा को लेकर जयशंकर-गोयल की अमेरिका यात्रा बेहद अहम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और अमेरिका के बीच रिश्ते पिछले कुछ महीनों से तनाव में हैं। खासतौर पर टैरिफ और एच-1बी वीजा के जरिये भारत को जिस तरह का तनाव झेलना पड़ रहा है, उसके बाद दोनों देशों के रिश्तों पर असर पड़ रहा है। इसी बीच भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल अमेरिका पहुंचे हैं, जिससे उम्मीद है कि नए व्यापार समझौते पर बातचीत हो रही है। 16 सितंबर को अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय की टीम भारत आई थी, जहां समझौते के कई पहलुओं पर चर्चा हुई।

अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के जाने के बाद तुरंत वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल भारत के प्रतिनिधिमंडल के साथ अमेरिका दौरे पर हैं। यहां वे सोमवार को अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक से मुलाकात करेंगे और व्यापार समझौते को जल्द पूरा करने पर चर्चा करेंगे। वहीं जयशंकर भी अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से रात 8 बजे मुलाकात करेंगे। अमेरिका और भारत के बीच इस वक्त जो मुद्दा चर्चा में हैं उनमें टैरिफ मुद्दा है। भारत पर अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने पर अतिरिक्त 25 फीसदी टैरिफ लगा रखा है। इसकी वजह से दोनों देशों के बीच व्यापार प्रभावित हो रहा है।

भारत के कुछ सेक्टर्स पर तो इस टैरिफ का काफी बुरा असर पड़ा है। ऐसे में कोशिश होगी कि इस मामले में दोनों देश मिलकर कुछ बीच का रास्ता निकाल पाएं। इसे लेकर वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल अपने अमेरिकी समकक्षों के साथ बातचीत करेंगे। दूसरा मुद्दा ये है कि भारत-अमेरिका की ट्रेड डील पर बात आगे बढ़े, जो टैरिफ वॉर की वजह से अटकी नजर आ रही थी। तीसरा बड़ा मुद्दा अब एच-1बी वीजा है, जो अमेरिका में काम करने वाले भारतीयों पर सीधा असर डाल रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका और भारत के विदेश मंत्रियों मार्को रुबियो और एस जयशंकर के बीच यह तीसरी मुलाकात होगी। जनवरी में पहली बार रूबियो और जयशंकर क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक में मिले थे। इसके बाद जुलाई में क्वाड बैठक में दोनों विदेश मंत्रियों की मुलाकात हुई थी। हालांकि इस बार जब दोनों नेता मिलेंगे, तो परिस्थितियां काफी उतार-चढ़ाव भरी हैं। ऐसे में ये बैठक दोनों देशों के रिश्तों को लेकर बेहद अहम मानी जा रही है।

असंभव को संभव बना सकते हैं पीएम मोदी: उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन

नई दिल्ली (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वैश्विक नेतृत्व और अंतरराष्ट्रीय संबंधों की सराहना करते हुए कहा कि मोदी नामुमकिन को मुमकिन बनाने की क्षमता रखते हैं। वे राजधानी में प्रधानमंत्री के भाषणों पर आधारित दो पुस्तकों के विमोचन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

उपराष्ट्रपति ने अपने पहले सार्वजनिक कार्यक्रम में कहा कि अमेरिका द्वारा भारत पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाए जाने के बावजूद, पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हमेशा मोदी को अच्छा दोस्त कहा। उन्होंने कहा, ट्रंप कभी नहीं बोले कि मैं मोदी के खिलाफ हूं। उन्होंने हमेशा कहा कि मैं मोदी के साथ हूं।

राधाकृष्णन ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के रूस और चीन दोनों देशों के शीर्ष नेताओं से भी अच्छे संबंध हैं। उनके अनुसार, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन मोदी के करीबी मित्र हैं, वहीं अंतरराष्ट्रीय राजनीति में मतभेदों के बावजूद चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग भी मोदी को मित्र मानते हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा, कि यही वजह है कि प्रधानमंत्री नामुमकिन को मुमकिन कर दिखाते हैं। मोदी के दृष्टिकोण का जिक्र करते हुए राधाकृष्णन ने कहा कि प्रधानमंत्री जनता के लिए निस्वार्थ भाव से काम करते हैं और बदले में किसी तरह की अपेक्षा नहीं रखते। उन्होंने इसे मोदी के नेतृत्व का सबसे बड़ा गुण बताया।

इस मौके पर राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने भी प्रधानमंत्री की शैली की तारीफ की। उन्होंने कहा कि मोदी जनता की भाषा में बात करते हैं और उनकी आवाज आम लोगों की भावनाओं को प्रतिबिंबित करती है। इस कार्यक्रम ने न सिर्फ प्रधानमंत्री मोदी की वैश्विक छवि को रेखांकित किया, बल्कि उनके

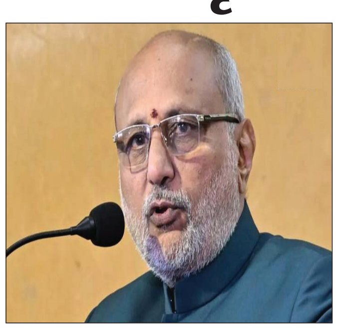

नेतृत्व में भारत की बढ़ती अंतरराष्ट्रीय साख को भी सामने रखा।

इंपीरियल ग्रुप की 80 करोड़ से ज्यादा की अघोषित विदेशी संपत्ति का खुलासा !

-ईडी ने हिमाचल प्रदेश और दिल्ली में छह ठिकानों की ली थी तलाशी

शिमला (एजेंसी)। ईडी ने पिछले दिनों को हिमाचल प्रदेश और दिल्ली में छह ठिकानों पर छापेमारी की थी। यह कार्रवाई इंपीरियल ग्रुप के चेयरमैन मानविंदर सिंह, उनकी पत्नी सागरी सिंह और ग्रुप की संबंधित कंपनियों और व्यक्तियों पर की गई थी। विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत शुरू हुई इस जांच में अघोषित विदेशी संपत्तियों, निवेशों और वित्तीय हितों का जाल सामने आया है। ईडी ने खुफिया जानकारी के आधार पर मामला दर्ज किया था, जिसमें ग्रुप के विदेशी कारोबार की अनियमितताओं का शक था।

इंपीरियल ग्रुप एयरोस्पेस और रियल एस्टेट क्षेत्रों में सक्रिय कंपनियों का समूह है, जिसके चेयरमैन मानविंदर सिंह हैं। हिमाचल के नालदेहरा में स्थित लग्जरी आवासीय परियोजना औरमां वैली भी इसी ग्रुप का हिस्सा है। तलाशी में ईडी ने मानविंदर और सागरी सिंह के नाम पर विदेशी कंपनियों में अघोषित हितों के कई सबूत जब्त किए। इनमें सिंगापुर की एयरोस्टार वेंचर प्राइवेट लिमिटेड और दुबई की यूनाइटेड एयरोस्पेस डीडब्ल्यूसी एलएलसी प्रमुख हैं, जहां दोनों ही लाभकारी मालिक हैं। मानविंदर एकमात्र निदेशक हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दुबई की कंपनी के जरिए करोड़ों के असुरक्षित ऋण दिए गए, जो भारतीय संस्थाओं को लौटाए जा रहे हैं। मई 2025 में इस कंपनी ने हांगकांग की एक बिना नाम की संस्था से 7 करोड़ रुपए का ऋण लेकर रॉबिन्सन 66 हेलीकॉप्टर खरीदा था, जिसे औरमां वैली के निवासियों के लिए भारत आयात किया गया था। लीज भुगतान दुबई कंपनी को ही लौटाया जा रहा है, जिससे अघोषित संपत्ति बढ़ रही है। 31 मार्च 2025 तक इस कंपनी के पास 38 करोड़ रुपए की संपत्ति थी।

इसके अलावा, थाईलैंड के कोह समुई में विला समायरा नामक विला की खरीद का खुलासा हुआ, जहां सिंह दंपति और परिवार लाभार्थी हैं। ब्रिटिश वर्जिन द्वीप समूह की कंपनियों और सिंगापुर के बैंक खातों में भी अघोषित हित पाए गए। ईडी के मुताबिक इन विदेशी संपत्तियों, हितों व खातों का कुल मूल्य 80 करोड़ रुपए से ज्यादा है।

औरमां वैली परिसर में तलाशी में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। समानांतर बहीखातों से पता चला है कि फ्लैटों की बिक्री का 29 करोड़ रुपए नकद वसूला गया। ईडी को शक है कि यह नकदी हवाला या अन्य तरीकों से विदेश भेजी जा रही है, जिसके बाद अघोषित संपत्तियां खरीदी जा रही हैं या राउंड ट्रिपिंग की जा रही है। यह प्रक्रिया इंपीरियल ग्रुप की रियल एस्टेट गतिविधियों से उत्पन्न धन को सफेद करने का जरिया लग रहा है।

डीएमके हमेशा से मुस्लिम हितों की रक्षा करती रही है और करती रहेगी

-सीएम स्टालिन ने वक्फ कानून संशोधन के मुद्दे पर की केंद्र सरकार की आलोचना

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (एआईएडीएमके) और बीजेपी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी द्रविड़ मुनेत्र कषगम (डीएमके) हमेशा से मुस्लिम हितों की रक्षा करती रही है और करती रहेगी। अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले सीएम स्टालिन ने राज्य के मुसलमानों को आश्वासन दिया कि उनके नेतृत्व वाली डीएमके हमेशा एक ऐसी पार्टी रहेगी, जो उनके अधिकारों की रक्षा करेगी और उनके अधिकार तय करेगी।

स्टालिन ने वक्फ कानून में संशोधन के मुद्दे पर केंद्र की सत्तारूढ़ बीजेपी की घोर आलोचना की। उन्होंने कहा कि डीएमके और अन्य की कानूनी लड़ाई की बदौलत ही विवादास्पद वक्फ संशोधन अधिनियम के प्रावधानों पर सुप्रीम कोर्ट से स्थगन मिल सका है। सीएम ने संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) और तीन तलाक जैसे मुद्दों को लेकर एआईएडीएमके पर निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में अन्नाद्रमुक के विश्वासघात के कारण ही मुख्य विपक्षी दल एआईएडीएमके के अनवर राजा जैसे नेता उस पार्टी को छोड़कर डीएमके में शामिल हो गए। पैगंबर मोहम्मद की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित एक समारोह को संबोधित करते हुए स्टालिन ने कहा कि द्रमुक संस्थापक सीएन अन्नादुरई और दिवंगत पार्टी संरक्षक एम करुणानिधि पहली बार तिरुवरूर में मिलाद-उन-नबी से जुड़े एक कार्यक्रम में मिले थे और दोनों नेताओं के बीच जो घनिष्ठता बढ़ी, वह तमिलनाडु के विकास की नींव बनी।

कई दलों के मुस्लिम नेताओं की मौजूदगी का जिक्र करते हुए, उन्होंने कहा कि एकता जीत की ओर पहला कदम है। पैगंबर मोहम्मद के उपदेशों की तारीफ करते हुए सीएम ने कहा कि सुधारवादी नेता पेरियार ईवीआर और प्रतिष्ठित नेता अन्नादुरई और करुणानिधि ने पैगंबर के सिखाए समानता और प्रेम के संदेश की सराहना की थी। गाजा की स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए स्टालिन ने कहा कि फलस्तीनियों पर हो रहे अत्याचारों को तत्काल रोका जाना चाहिए। उन्होंने केंद्र सरकार से इस संबंध में ठोस कदम उठाने का आग्रह किया।

स्टालिन ने कहा कि करुणानिधि ने ही 1969 में मिलाद-उन-नबी के लिए अवकाश घोषित किया था और 2001 में अन्नाद्रमुक सरकार ने इसे रद्द कर दिया था, जबकि द्रमुक सरकार ने 2006 में इसे बहाल कर दिया था। स्कूली पाठ्यक्रम में पैगंबर साहब पर विषयवस्तु शामिल करने के एसडीपीआई नेता नेल्लई मुबारक के अनुरोध का जिक्र करते हुए सीएम ने कहा कि इसे पहले ही पाठ्यक्रम में शामिल किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि केवल इतना ही नहीं, अगर मुसलमानों को कोई परेशानी होती है, तो सबसे पहले आपके समर्थन में आने वाला राजनीतिक दल द्रमुक ही है।

कर्नाटक में जाति जनगणना शुरू, 15 दिनों तक चलेगा सर्वे, कई कर रहे विरोध

-कई समुदायों ने बैठक कर की अपील, सिर्फ अपनी जाति बताएं उपजाति नहीं

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में सोमवार से जाति जनगणना शुरू हो रही है। 15 दिनों तक यह सर्वे चलेगा और रिपोर्ट भी जल्द जारी करने की तैयारी है। सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली सरकार के इस फैसले का उनकी कैबिनेट के ही कुछ सदस्यों समेत लोग विरोध कर रहे हैं, लेकिन सिद्धारमैया का कहना है कि वह राहुल गांधी की लाइन पर चल रहे हैं, जिनका कहना है कि जातिगत जनगणना से सही आंकड़े आएंगे और फिर उसके आधार पर योजनाएं बनाने और सभी वर्गों को प्रतिनिधित्व देने में मदद मिलेगी।

राज्य के प्रभावशाली लिंगायत, वोक्कालिगा, कुर्बा, मुस्लिम, जैन और ब्राह्मण समुदाय के लोगों की बैठक हुई है। इन बैठकों में शीर्ष नेताओं ने समाज से अपील की है कि वे 15 दिनों तक चलने वाली जातिगत जनगणना में अपनी उपजाति ना बताएं। सिर्फ जाति का ही जिक्र करें ताकि उपजाति बताने से संख्या कम ना नजर आए। एक बार पहले भी सूबे में सर्वे हो चुका है, जिसे लिंगायत और वोक्कालिगा समुदाय की ओर से खारिज कर दिया गया था।

केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने इस सर्वे को स्थगित करने की मांग की है या फिर इसे तीन महीने में कराने की मांग की है ताकि कोई खामी न रहे। वोक्कालिगा समाज के एक मठ के स्वामी ने कहा कि हमें शक है कि यह सर्वे सही से नहीं होगा। उन्होंने कहा कि हमारे राज्य की आबादी 7 करोड़ हैं और महज 15 दिन में ही सर्वे करने की बात कही जा रही है। इससे पहले तेलंगाना में 65 दिन तक सर्वे चला था, जबकि वहां की आबादी हमारे यहां के मुकाबले आधी है। शुक्रवार को वीरशैव-लिंगायत समाज की हुबली में बैठक हुई थी। इस बैठक में प्रस्ताव रखा गया कि खुद को लिंगायत ही लिखें। उसमें कोई उपजाति ना बताएं। इसके अलावा मुस्लिम, जैन, ब्राह्मण समाज के लोगों की भी बैठक हुई। इन बैठकों में प्रस्ताव दिया गया कि अपनी जाति ही लिखें, उपजाति का जिक्र ना करें। जैसे कहा गया कि ब्राह्मण समुदाय के लोग अपनी जाति में ब्राह्मण ही लिखें। कोई उपनाम आदि ना लिखें। इसी तरह जैन समुदाय के लोगों का भी कहना है कि जैन ही लिखा जाए। इसके अलावा मुसलमानों से भी कहा गया कि अपना धर्म इस्लाम ही लिखवाएं और जाति के

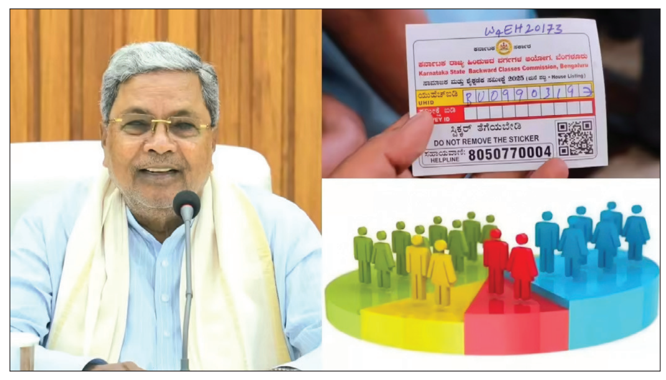

स्थान पर मुस्लिम लिखा जाए। वोक्कालिगा समाज में भी काफी सक्रियता दिख रही है।

14 लाख हारकर जान देने वाले यश को लेकर नया खुलासा

कौमी पत्रिका

लखनऊ। ऑनलाइन गेम में 14 लाख रुपये हारने के बाद यश के आत्महत्या करने की पुलिस ने छानबीन शुरू कर दी है। इसमें सामने आया है कि ऑनलाइन गेम के बहाने बिहार के गिरोह की युवती भी यश को गुमराह कर रकम वसूल रही थी। उसका साथी भी छात्र के संपर्क में था। दोनों ने यश से कीमती सामान की खरीदारी कराई थी। यश यूपीआई से भुगतान करता था। पिता सुरेश यादव के बैंक खातों की जांच में सामने आया कि खाते से 400 से अधिक बार बिहार के छह खातों में रकम भेजी गई थी। इनमें से एक महिला के नाम से है। यूनियन बैंक की बिजनौर शाखा के मैनेजर से यश के पिता के खातों का ब्योरा मांगा गया है। मैनेजर ने मुंबई के हेड ऑफिस से इसकी अनुमति मांगी है। शाखा प्रबंधक ने अन्य खातों का विवरण भी उपलब्ध कराने की बात कही है। यश गिरोह के चंगुल में बुरी तरह फंस गया था। सुरेश ने बताया कि यश के मोबाइल फोन के इस्तेमाल पर रोक लगाने की कोशिश की तो वह आक्रामक हो गया। एक बार तो मोबाइल फोन के लिए वह मां विमला का गला दबाने लगा था। फोन मिलने पर वह शांत हुआ था। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय शुक्रवार शाम यश के घर पहुंचे। उन्होंने पीड़ित परिवार से मुलाकात की। अजय राय ने कहा, यश की मौत पीड़ादायक है। ऑनलाइन गेम ने परिवार को उजाड़ दिया। ऐसे कई बच्चे इसके चंगुल में आकर जान गवां चुके हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ऑनलाइन गेम पर प्रतिबंध नहीं लगा पा रही है। सरकार को सख्त कदम उठाकर इन्हें प्रतिबंधित करना चाहिए। साइबर क्राइम व ऑनलाइन गेम को लेकर जागरूक करने के लिए मोहनलालगंज पुलिस ने बच्चों से संवाद किया। एसीपी रजनीश वर्मा के निर्देश पर बनी टीम ने मऊ गांव में कृष्ण लीला के पंडाल का दौरा किया। यहां मौजूद बच्चों व अभिभावकों को ऑनलाइन गेम के दुष्प्रभाव बताए। चौकी प्रभारी अतुल सिंह ने कहा कि बच्चों को अनावश्यक मोबाइल फोन न दें। लखनऊ के मोहनलालगंज में ऑनलाइन गेम फ्री फायर के जाल में फंसकर 13 साल के यश ने जान दे दी। मकान बनवाने के लिए खेत बेचकर बैंक में जमा पिता के 14 लाख रुपये वह गेम में हार गया था। इससे वह घबरा गया था। मोहनलालगंज के धनुवासाड़ गांव निवासी सुरेश कुमार यादव का बेटा यश कुमार कक्षा छह में पढ़ता था। एसीपी मोहनलालगंज रजनीश वर्मा के मुताबिक सोमवार को सुरेश बैंक में रकम निकालने गए थे। वहां पता चला कि खाते में पैसे ही नहीं हैं। सुरेश बैंक मैनेजर से खाते से पैसे गायब होने की शिकायत कर घर लौट आए। परिजनों को पूरी बात बताई। तब यश घर पर ही था। उसे जैसे ही पता चला कि खाते से रकम गायब होने की जानकारी पिता को हो गई है वह पढ़ाई के बहाने बैग लेकर छत पर बने कमरे में चला गया। कमरे में डर के मारे फंदा लगा लिया। रात को यश की बहन गुनगुन ऊपर कमरे में गई तो यश को फंदे पर लटका देखा। गुनगुन चीख पड़ी तो आवाज सुनकर परिजन छत पर पहुंचे और यश को फंदे से नीचे उतारकर सीएचसी लेकर गए। यहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। ऑनलाइन गेम फ्री फायर के जाल में फंसकर 14 लाख रुपये हारने वाले मासूम यश (13) ने आत्महत्या से एक दिन पहले रविवार को आखिरी बार 51 हजार रुपये ट्रांसफर किए थे। बैंक की छानबीन में इसकी पुष्टि हुई है। पता चला है कि यश बिहार के एक युवक से फोन पर बात करता था। आशंका है कि उसी युवक ने यश को गुमराह किया। कक्षा चार में पढ़ने वाली यश की बहन गुनगुन ने बताया कि भाई देर रात अकेले में फोन पर किसी से बात करता था। दिन में भी उसका फोन आता था। भाई के अलावा कोई दूसरा फोन उठा ले तो वह बात नहीं करता था। भाई का कहना था कि कुछ दिन पहले इंस्टाग्राम पर उसका एक दोस्त बना है। वह बिहार का रहने वाला है। वही फोन करता है। यश के गांव के दोस्तों का कहना है कि बिहार के युवक ने गेम में पैसा लगाने पर एक करोड़ रुपये कमाने का लालच दिया था। ऐसा यश ने बताया था कि लेकिन तब उसकी बात झूठ लगती थी। युवक ने यश को एक लिंक भेजा था। झांसे में आकर यश रकम लगाता गया। माना जा रहा है कि यश किसी साइबर जालसाज के चंगुल में फंस गया था। सुरेश के मुताबिक, पिछले 10 दिन से यश दोस्तों से मिलने बिहार जाने की जिद कर रहा था। इस पर उन्होंने बेटे को समझाया था कि वह उसको साथ लेकर चलेंगे। सुरेश ने पुलिस से कॉल डिटेल रिकॉर्ड खंगालने का अनुरोध किया है। माना जा रहा है कि संदिग्ध युवक ने ही यश को ऑनलाइन गेम में रकम लगाने पर करोड़ों रुपये कमाने का लालच दिया था। आशंका है कि छात्र ने फोन का एक्सेस बिहार के युवक को दे रखा था।

दिल्ली के सरकारी स्कूल में पहली बार बच्चों का आधार कार्ड बनाने के कैम्प की शुरुआत

कौमी पत्रिका
संजय कुमार

नई दिल्ली। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने कल जनकपुरी के पोषांगीपुर क्षेत्र के सर्वोदय सह शिक्षा सीनियर सेकेंडरी स्कूल में बच्चों के लिए आधार कार्ड बनाने के कैंप का शुभारंभ किया। दिल्ली में पहली बार किसी भी विधानसभा में बच्चों के लिए इस प्रकार के आधार कार्ड का कैंप लगाया गया है। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री ने बताया की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता जी के नेतृत्व में हम दिल्ली के हर स्कूल में बच्चों के लिए स्कूल परिसर में ही आधार एनरोलमेंट करवाने के लिए लगातार कार्य कर रहे हैं। आज इसी कड़ी में पहले कैम्प की शुरुआत इस स्कूल की गई है। इस पहल के माध्यम से सभी बच्चों के आधार कार्ड बनाने की प्रक्रिया अब आसान और सुविधाजनक तरीके से सीधे स्कूल परिसर में ही पूरी

की जाएगी। इससे अभिभावकों और बच्चों दोनों को सुविधा मिलेगी और समय की बचत भी होगी। सूद ने यह भी कहा कि यह कदम बच्चों की शिक्षा और पहचान से जुड़ी सभी योजनाओं को सुलभ बनाने में सहायक होगा। उन्होंने कहा कि बच्चों की पहचान सुरक्षित और सरल होनी चाहिए। आधार कार्ड अब विद्यालय स्तर पर ही उपलब्ध होगा, जिससे दिल्ली में पढ़ने वाले सभी बच्चों को इसका लाभ मिलेगा। इस अवसर पर उपस्थित बच्चों के अभिभावकों और स्कूल के शिक्षकों ने सरकार की इस पहल की प्रशंसा की और इसे एक जनहितकारी कदम बताया।

रेखा गुप्ता ने हरिनगर में अत्याधुनिक मल्टी-लेवल इलेक्ट्रिक बस डिपो का शिलान्यास किया

प्रथम पृष्ठ का शेष

साथ ही ऊर्जा-कुशल एल्युमिनियम लूवर, प्राकृतिक रोशनी की व्यवस्था के साथ वेंटिलेशन की अधिकतम व्यवस्था की जाएगी। साथ ही स्ध्वष्ठ पैनल से भी रोशन करेंगे। बिल्डिंग को त्रख्न्ढ्ढ॥ 3-स्टार रेटिंग देने के मानकों के अनुसार डिज़ाइन किया गया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि हमारी सरकार की प्राथमिकता दिल्ली के अंतिम छोर तक लास्ट-माइल कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने के साथ इलेक्ट्रिक बसों के बेड़े को अगले साल 3,000 से बढ़ाकर 6,000 तक पहुंचाना है। यह डिपो दिल्ली के परिवहन को केवल कुशल ही नहीं बल्कि पर्यावरण अनुकूल और ग्रीन कैपिटल के रोडमैप का अहम हिस्सा है। हमारी सरकार ष्ठञ्जष्ट कर्मचारियों के लिए आधुनिक कामकाजी परिस्थितियों के निर्माण और बस यात्रियों के लिए सस्ती, सुगम, सुरक्षित और आरामदायक यात्रा की सुविधा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मुख्यमंत्री ने इलेक्ट्रिक बसों के रख-रखाव के साथ ष्ठञ्जष्ट कर्मचारियों को आने वाली चुनौतियों जैसे पेंशन और रोजगार संबंधी मुद्दों का जिक्र करते हुए आश्वासन दिया कि सरकार लंबी अवधि के लिए समाधान पर काम कर रही है। शादीपुर बस डिपो परियोजना का उल्लेख करते हुए उन्होंने घोषणा की कि ष्ठञ्जष्ट कर्मचारियों के परिवारों के लिए रेजिडेंशियल कॉलोनियां विकसित की जा रही हैं, ताकि कर्मचारियों के लिए बेहतर आवास उपलब्ध करवाया जा सके। उन्होंने कहा कि जहां पिछली सरकारों ने दिल्ली की लाइफ-लाइन की अनदेखी की, तो हम इसे फिर से पटरी पर लाने का काम कर रहे हैं। हमारी सरकार का दृष्टिकोण केवल टूटी-फूटी चीज़ों की मरम्मत करने का नहीं है, बल्कि बेहद मजबूत हरित और भविष्य के अनुकूल नया सिस्टम बनाने का है। हरिनगर बस डिपो प्रमाण है कि अगर इरादे सही हों और सकारात्मक योजना के साथ काम किया जाए तो दिल्ली परिवहन निगम (ष्ठञ्जष्ट) को फिर से राजधानी दिल्ली की शान बनाया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि दिल्ली सरकार एक व्यापक और लोगों के अनुकूल इलेक्ट्रिक व्हीकल (श्वङ्क) नीति पेश करने की तैयारी कर रही है, जो ई-बस, मेट्रो कनेक्टिविटी और लास्ट-माइल ट्रांसपोर्ट को एक सहज प्रणाली में जोड़ने का काम करेगी। मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ नेता दिल्ली की असली समस्याओं पर ध्यान देने की जगह मेरी स्पीच और सोशल मीडिया देखने में ज्यादा समय बिता रहे हैं। हमारी सरकार की नीति स्पष्ट है। हम जनता से जुड़ी समस्याओं को हल करने के लिए सत्ता में हैं, सिर्फ राजनीति करने के लिए नहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर आपको लगता है कि महिला मुख्यमंत्री है। आज ये कह दो, कल कुछ और कह दो और गुमराह करने की कोशिश करोगे। तो आज मैं इस मंच के माध्यम से नवरात्रि के पहले दिन मां दुर्गा की शक्ति के साथ कहना चाहती हूं कि मैं दिल्ली की बेटी हूं, किसी से डरती नहीं हूं। और जो जिम्मेदारी मैंने अपने कंधों पर ली है, दिल्ली के जनता के लिए काम करने और दिल्ली के प्रत्येक नागरिक की सेवा करने की। उसे मैं चाहे कुछ भी हो जाए मैं उसे हर हाल में पूरा करके रहूंगी। 24/7 और 365 दिन काम करके पूरा करके रहूंगी।

NAME CHANGE
I, MUKESH KUMARI, W/O NARENDER SINGH R/O 748, SARASWATI VIHAR, CHAKKARPUR, GURGAON, HARYANA-122002, HAVE CHANGED MY NAME TO MUKESH YADAV FOR ALL FUTURE PURPOSES

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mr. Ritesh Tyagi S/o Mr. Brahmadatt Tyagi is the owner of Freehold Residential Plot of land area measuring 130 Sq. Yards, i.e. 108.693 Sq. Meters, out of Khasra No. 322, situated at Moolchand Enclave Hadbast in the area of Village Sihani, Pargana Loni, Tehsil & District Ghaziabad, U.P. by virtue of Sale deed dated 07.04.2025 as Doc. No. 4035, in Book No. I, Volume No. 19724, on Pages 193-216, dated 07.04.2025, SRO-III, Ghaziabad., in the Chain Document below mentioned document not available i.e. Death Certificate & SMC of Late Mr. Khemchand & Death Certificate & SMC of Late Mr. Raja ram., now our client is declaring that that any other Person does not have any right over the said property, and Plot area measuring 40 Sq. Yards, sold too be Mrs. Suman Devi and same has been finance by Piramal Capital & Housing Finance Ltd. Branch: Shahdara Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the‘ right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mrs. Renu Jain W/o Mr. Ajay Kumar Jain is the owner of Freehold Residential Property no. IX/3391-A, area measuring 37.74 Sq. Yds., out of Khasra no.118, situated in the area of Village Seelampur, in the abadi of Gali No. 8, Dharampura, Gandhi Nagar, Illaqa Shahdra Delhi-31. by virtue of Regd. IGPA along with ATS and Will Dated 19.12.2005 duly registered in SR. VIII Delhi, as doc no.24784, vol no.1919, book no.4, page no.178-185, dated 19.12.2005.now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and same property Sold too be Mr. Vijay & Mrs. Ranjana and same has been financed by SMFG India Home Finance Company Limited Branch: Moti Nagar New Delhi. . If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the‘ right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

NAME CHANGE
I, Diya Wazir D/O Vijay Wazir W/O Udai Singh R/O Flat no P3-PH1, ATS Greens Village, Sector 93A, NOIDA, Gautam Budh Nagar, Uttar Pradesh 201304 Have changed my name from Diya Wazir to Diya Singh for all future purposes

NAME CHANGE
I LUCKY BANSAL S/O OM PRAKASH R/O HOUSE NO-16/1301-E PADAM SINGH ROAD BAPA NAGAR KAROL BAGH CENTRAL DELHI-110005 HAVE CHANGED MY NAME TO LUCKY BANSWAL

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large on behalf of my client Smt. Ruby Roy & Sh. Shamar Roy in respect of Ground Floor (Rear Side Portion), without terrace rights,measuring 35 Sq. Yds. built on Property No. 1440, Gali No. 13, measuring 50 Sq. Yds, carved out of Khasra No. 93, situated at Govind Puri, Kalkaji New Delhi 110019 **Except one Shop on Ground Floor size 6 X 8 sq. ft)** claiming to have undisputed ownership. Now my client intends sell the property and in which **Piramal Finance Limited** will provide the financial assistance If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within Seven days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan and Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Phone No: 011-49774545

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को यह जानकारी दी जाती है कि हमारी ग्राहक आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारे मुवक्किल श्री ललित मौर्य ने ग्राम मवई, परगना लोनी, तहसील एवं जिला-गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश में स्थित खसरा नंबर 173 मील में से 75 वर्ग गज भूमि का फ्रीहोल्ड आवासीय खाली प्लॉट श्री विनोद कुमार पुत्र श्री बलदेव पार्षद से खरीदा, प्रारंभ में श्री बलदेव पार्षद पुत्र श्री सरसर प्रसाद और श्री विनोद कुमार पुत्र श्री बलदेव पार्षद दिनांक विक्रय पत्र के आधार पर पूर्ण मालिक थे। 27.08.1987 दस्तावेज़ संख्या 12625, खंड संख्या 4100/4131, पुस्तक संख्या 1, पृष्ठ संख्या 73/134-134, एसआर-गाजियाबाद। उसके बाद दिनांक 08.02.2022 को श्री बलदेव पार्षद की मृत्यु हो गई, हमारा ग्राहक घोषणा कर रहा है कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है, जिसे पीरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड शाखा द्वारा वित्तपोषित किया जाना है- राजनगर गाजियाबाद उत्तर प्रदेश। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति में अधिकार@स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा

Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

NAME CHANGE
It is for general information that I, Bedo W/O Late Hari Singh R/O, B-109, Masood Pur Village, South West Delhi - 110070, declare that name of mine has been wrongly written as BEDO in my husband PPO NO. S2/2015/OCT/HORT/SAP/174 the actual name of mine is Ved Kaur, respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, NO-15721335K Rank-NK Name-SAWANT ROMESH BALIRAM residing at H.NO-516, VPO-ALORE, TEHSIL-CHIPLUN, DIST-RATNAGIRI, MAHARASHTRA-415603, have changed my minor son's name from SAWANT SAMARTH ROMESH to SAMARTH ROMESH SAWANT for all future purposes vide affidavit dated 22/09/2025 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-15721335K Rank-NK Name-SAWANT ROMESH BALIRAM residing at H.NO-516, VPO-ALORE, TEHSIL-CHIPLUN, DIST-RATNAGIRI, MAHARASHTRA-415603, have changed my wife's name from SAWANT SNEHAL ROMESH to SNEHAL ROMESH SAWANT for all future purposes vide affidavit dated 22/09/2025 Before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Pooja Sharma W/O: Rajiv Sharma R/O T-587 Gali NO-2 Vijay Marg Baljeet NagarPatel Nagar p New Delhi Central Delhi Delhi 110008,declare that name of my husband and my minor daughter has been wrongly written as Rajiv and Yashika in my minor daughter namely Yashika Sharma aged 15 years in her school records . The actual name of my husband and my minor daughter are RAJIV SHARMA AND YASHIKA SHARMA which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Sarita W/O JEET SINGH R/O E-11, G/F , BLK-E ,Shiv Vihar ,Nilothi Extn, Nangloi ,West Delhi, Delhi - 110041, declare that name of mine has been wrongly written as Simranjeet Kaur in my husband pass port on- X7702589.The Actual name of mine is Sarita, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mr. Subhash Chand S/o Chaudhary Om Dutt is the owner of Freehold Residential Built-up Property Land area measuring 55 sq. yard., i.e., 45.98 sq. mtrs., out of Khasra No. 642, Bearing Property No. 8/159-A, situated in the abadi of Gurhai Mohalla Cirular Road Illaqa Shahdara Delhi. by virtue of Regd., Will (Doc No. 1928) dated 09.12.2022 in the Chain Document below mentioned document not available i.e. Probate order Regd., Will dated 09.12.2022, now our client is declaring that that any other Person does not have any right over the said property, and same property sold too be Mr. Deepak & Mrs. Naira Bohra and same has been finance by Piramal Capital & Housing Finance Ltd. Branch: Pitampura, Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the‘ right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I ANJU GEHLOT W/O PRAVEEN KUMAR CHAUDHARY R/O House No. K-94, J.J. Colony Wazirpur, Ashok Vihar Delhi, Delhi-110052, declare that name of mine and my husband has been wrongly written as ANJU and PRAVEEN KUMAR in my minor son namely KARTIKAY CHAUDHARY aged 13 years in his school records. The actual name of mine and my husband are ANJU GEHLOT and PRAVEEN KUMAR CHAUDHARY Respectively which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
It is to publicly informed that my client's named SH.. Bharat Singh S/o Late. Sh. Sant Ram, R/o Chowk Panna, Rawta South West Delhi 110073 from today Disowned his Son Namely Nikhil Aadhar card No. 953314489866 due to their disrespectful behavior and disowns/debars them from their immoveable and moveable properties and whosoever will deal with him will be doing so at his own risk and responsibility My client and his wife is not liable for any act of the son namely as Nikhil

HARVINDER SINGH Advocate
Ch. No. 303.
Lawyer's Chamber Block
Dwarka Court Complex, New Delhi-110075

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large on behalf of my client **Mr. Chetan** in respect of Third Floor (Eastern side portion) with roof rights, area measuring 100 Sq.Yds , Built up on Property Bearing No.14 in Block-E, Carved out of Khasra No.262/258/217/4/3, Situated at Village-Bharola, Dairy Road, Adarsh Nagar Extension, Delhi-110033 claiming to have undisputed ownership. Now my client intends avail loan facility and in which **SMFG India Home Finance Company Limited** will provide the financial assistance If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within Seven days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever

Khaitan and Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Phone No: 011-49774545

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Smt. Satto Devi W/o Lt. Sh. Balkishan is the owner of Freehold Residential Plot No. B-29, area measuring 119 sq. yds., out of Khasra No. 838, situated at Rudra Enclave-2, Village Khodna Kala, Pargana & Tehsil Dadri, District Gautam Budh Nagar, U.P. by virtue of Sale Deed dated 20.06.2023 as Doc. No. 23584, Vol. No. 23880, pages 305-324, dated 20.06.2023 SRO-Dadri., till date and has lost/Misplace his Original Sale Deed dated 27.02.2019 it was executed in favour of Smt. Santosh w/o Sh. Hariram & Sh. Hariram S/o Sh. Ratiram, now our client is declaring that that any other Person does not have any right over the said property, and same has been finance by Utkarsh Small Finance Bank Limited. Branch: PUSAROAD, DELHI. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the‘ right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I ANJU GEHLOT W/O PRAVEEN KUMAR CHAUDHARY R/O House No. K-94, J.J. Colony Wazirpur, Ashok Vihar Delhi, Delhi-110052, declare that name of my husband has been wrongly written as PRAVEEN KUMAR in my minor son namely ATHARV CHAUDHARY aged 15 years in his school records. The actual name of my husband is PRAVEEN KUMAR CHAUDHARY which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, Manju Singh w/o Gurmeet Singh R/o Plot No.27A, UGF Flat No.003, Block-A, Suraj Vihar, Kakrola, Dwarka, New Delhi-110078 have changed my name to Manpreet Kaur for all future purposes.

NAME CHANGE
I, RANI DEVI (UID NO. 8154 0063 7889) W/O SH. KAILASH R/O RZF-760/36B, GALI NO.-3, RAJ NAGAR-2, PALAM COLONY, BAGDOLA, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110077, My name is mentioned RANI DEVI educational and other relevant documents. But my real name is PINKI.PINKI and RANI DEVI is one and same person. in future I will be known as my new name PINKI for all the purposes.vide affidavit dated 22.09.2025 before Sub Divisional magistrate,delhi.

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large on behalf of my client **Smt. Sameena Saifi, (2) Md. Shahid, (3) Smt. Sabnam, (4) Smt. Sahana, (5) Sh. Sahnawaz Saifi, (6) Sh. Sazid Saifi, (7) Smt. Afsana Saifi & (8) Smt. Sabnoor Saifi** in respect of Plot/House No. 1242, admeasuring 133 sq. yds. Situated at Village Kaila, Pragana Loni, Tehsil and Distt. Ghaziabad, U.P. claiming to have undisputed ownership. Now my client intends sell the property to Naved Alam and in which **Piramal Finance Limited** will provide the financial assistance If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within Seven days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan and Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Phone No: 011-49774545

NAME CHANGE
I, LAKSHYA SETHI S/O GAURAV SETHI resident of H NO-61-3RD FLOOR,, POCKET-16, SEC-20 ROHINI, DELHI-110086. have changed my name to LAKSHAY SETHI for all future purposes.

NAME CHANGE
I ZULFIQAR ALI / ZOLFIQAR ALI S/O ABDUL WAHEED R/O H.N0-259 WARD N0-11, MOHALLA MIRDHO WALA DASNA, GHAZIABAD UTTAR PRADESH-201302 HAVE CHANGE MY NAME TO ZULFIQAR AHMAD FOR ALL PURPOSE

NAME CHANGE
I, MEERA KUMARI w/o Adesh Pal R/o H.No.95 A, Block-D, Phase-2, Durga Vihar, Najafgarh, Delhi-110043, have changed my name to MEERA permanently

NAME CHANGE
I, DHARMENDRA KUMAR MISHRA S/O DIGVIJAY MISHRA R/o K-203, K-BLOCK, KALIBARI MARG, NEW DELHI-110001, have changed the name of my minor son SHAURYA MISHRA aged 14 years and he shall hereafter be known as SHAURYA KUMAR MISHRA. It is certified that I have complied with other legal requirements in the connection

NAME CHANGE
I, MOHD SHAHJAD son of MOHD SIKANDAR residing at H NO-D-1/43, GALI NO-1, SHRI RAM COLONY, KHAJOORI KHAS, KARAWAL NAGAR, DELHI-110094 have changed my name to MOHD SHAZAD for all future purpose.

NAME CHANGE
I Mohammad Ayaz S/O Mohd Wasi R/O. H.No-1778, First Floor Kucha Dakhni Rai, Pataudi House, Darya Ganj, Delhi-110002 changed my name to Mohd Ayaz

NAME CHANGE
I, hitherto known as Salim Ahmed S/O NAEEM AHMED, B-294, GALI NO-13, SHRI RAM COLONY, Karawal Nagar, North East Delhi, Delhi-110094, have changed my name and shall hereafter be known as SALEEM JAVED.

NAME CHANGE
I ABDUL RAHEEM S/O ABDUL WAHEED R/O 2301 CHHATTA MOMGARAN CHITLI QABAR SHAH ABUL KHER MARG DELHI-110006 HAVE CHANGED MY NAME TO ABDUL RAHIM

NAME CHANGE
I,KAMIL S/o Mohd Yunus R/o Salaheri (155), Nuh, Mewat, Haryana-122107, have changed my name to MOHD KAMIL permanently.

NAME CHANGE
I, AJAY KUMAR SINGH S/O SHAMBHU SINGH R/O 14/24,GALI NO-3, KRISHNA PUBLIC SCHOOL, SALAPUR KHERA, BIJWASAN, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110061,HAVE CHANGED MY NAME TO AJAY SINGH FOR ALL FUTURE PURPOSES

LOST & FOUND
I, MAHANAND JHA son of SHIV BALLABH JHA Residing at H NO-14, BARAKHAMBA ROAD, CONNAUGHT PLACE, DELHI-110001 declare that I have missing/lost my original PROPERTY DOCUMENTS General Power of Attorney on dated 01/01/2023 in CONNAUGHT PLACE DELHI, Finder may contact at:-Mob No-8700943948.

सार्वजनिक सूचना
यह सामान्य जानकारी के लिए है कि मुझे पहले तमन्ना पुत्री राज कुमार के रूप में जाना जाता था, आर / ओ, हाउस नंबर 617, गली नंबर 11, गांव कापसहेड़ा, वीर बाजार कापसहेड़ा के पास, दक्षिण पश्चिम दिल्ली - 110037 और दिल्ली में पंजीकृत चिकित्सक की देखरेख में लिंग परिवर्तन चिकित्सा के बाद, मैंने अपना लिंग पुरुष के रूप में बदल लिया है, अब मुझे तन्मय पुत्र राज कुमार आर / ओ, हाउस नंबर 617, गली नंबर 11, गांव कापसहेड़ा, वीर बाजार कापसहेड़ा के पास, दक्षिण पश्चिम दिल्ली - 110037 के रूप में जाना जाता है। यह प्रमाणित किया जाता है कि मैंने इस संबंध में अन्य कानूनी आवश्यकताओं का अनुपालन किया है। मेरे द्वारा दिया गया उपरोक्त कथन मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सत्य और सही है। यदि किसी भी स्तर पर इस संबंध में कोई कानूनी मुद्दा उठता है तो मैं व्यक्तिगत रूप से इसके लिए जिम्मेदार रहूंगा और प्रकाशन विभाग इसके परिणामस्वरूप उत्पन्न होने वाले किसी भी परिणाम के लिए उत्तरदायी नहीं होगा।

NAME CHANGE
I, PREETHY UB wife of JC-313488Y, Rank-SUB, Name-BINESH P R residing at VILL-CHITTUR, KUNNATHUPALAYAM, PO-THEKKEGRAMAM, TEHSIL-CHITTUR, DIST-PALAKKAD, KERALA-678103, have changed my name from PREETHY UB to PREETHY U B for all future purposes vide Affidavit dated 22/09/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, JC-313488Y, Rank-SUB, Name-BINESH P R residing at VILL-CHITTUR, KUNNATHUPALAYAM, PO-THEKKEGRAMAM, TEHSIL-CHITTUR, DIST-PALAKKAD, KERALA-678103, have changed my minor daughter's name from GOWRI NANDANA PB to GOWRI NANDANA P B for all future purposes vide Affidavit dated 22/09/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, JC-313488Y, Rank-SUB, Name-BINESH P R residing at VILL-CHITTUR, KUNNATHUPALAYAM, PO-THEKKEGRAMAM, TEHSIL-CHITTUR, DIST-PALAKKAD, KERALA-678103, have changed my minor daughter's name from DEVA NANDANA PB to DEVA NANDANA P B for all future purposes vide Affidavit dated 22/09/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, BHAVANA GARG W/o ANIRUDH AGARWAL Resident of 35/F5 B, RAMPUR GARDEN DISTT-BAREILLY, STATE-UTTAR PRADESH, PIN-243001, have changed my name from BHAVANA GARG to BHAVANA AGARWAL for all future purposes.

सूचना
सर्वसाधारण को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि मेरी मुवक्किल श्रीमती संध्या पत्नी श्री मनोज कुमार, संपत्ति संख्या CB-28, क्षेत्रफल 77.7 वर्ग गज, खसरा संख्या 953/17 में से, जो नारायणा गांव, नई दिल्ली में स्थित है की मालिक हैं । यह बिक्री विलेख दिनांक 22/01/2004 को श्री मनोज कुमार पुत्र श्री ब्रह्म स्वरूप द्वारा श्रीमती संध्या पत्नी श्री मनोज कुमार के पक्ष में निष्पादित किया गया था। संपत्ति संख्या सीबी-28, क्षेत्रफल 77.7 वर्ग गज के संबंध में, जो पुस्तक संख्या 1, दस्तावेज़ संख्या 522, खंड संख्या 1244 के पृष्ठ 68 को SR-IX, नई दिल्ली के रूप में विधिवत पंजीकृत है। राजस्व अभिलेखों के अनुसार प्रारंभ में, श्री राम चंद्र उक्त संपत्ति के मालिक थे। जिन्होंने उक्त संपत्ति के संबंध में श्री ब्रह्म सरूप के पक्ष में दिनांक 10/10/1980 को नोटरीकृत जीपीए निष्पादित किया। जिन्होंने उक्त संपत्ति के संबंध में श्री मनोज कुमार पुत्र श्री ब्रह्म सरूप के पक्ष में दिनांक 04/05/1987 को नोटरीकृत जीपीए निष्पादित किया। जिन्होंने उक्त संपत्ति को दिनांक 22/01/2004 को बिक्री विलेख के माध्यम से हमारे उपर्युक्त ग्राहक को बेचा, जो महिंद्रा एंड महिंद्रा फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड को वास्तविक आवश्यकताओं के लिए उक्त अचल संपत्ति को बंधक रखने का इरादा रखता है। जिस किसी को भी उक्त बंधक पर कोई आपत्ति है या किसी का संपत्ति में दावा या अधिकार या हित है, वह 07 दिनों के भीतर आपत्ति के साथ नीचे हस्ताक्षरकर्ता से संपर्क करेगा, अन्यथा यह माना जाएगा कि कोई आपत्ति नहीं है।

नई दिल्ली
दिनांक: 16/9/2025

प्रज्ञा भूषण वकील
Enrl No. D/721/02
कार्यालय: L-27,GF, कैलाश कालोनी,
नई दिल्ली-48 Mob: 9968006418

NAME CHANGE
I MOHAMMAD SHOAIB S/O MOHD ARIF R/O, 2459-60, MAIN BAZAR SITARAM NEAR BULBULI KHANA MASJID, DELHI-110006 Have changed my name to MOHD SHOAIB.

NAME CHANGE
I,Surinder Singh S/O Manohar Singh Chawla R/O N-19 Dr. mukherjee Nagar Delhi,North West Delhi :-110009 have changed my name to Surinder Singh Chawla for future purposes.

NAME CHANGE
I, NISHA W/O MOHAMMAD FAHEEM R/O H NO-700/53, F/F, KH NO-29, GALI NO-24-A, MAIN ROAD, RAJIV GANDHI MARG, VIJAY PARK, MAUJPUR, PO SEELAMPUR, DIST SHAHDARA, DELHI-110053, HAVE CHANGED MY NAME YASMEEN KHATOON FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I, SAKIR HUSAIN son of KHALIK HUSAIN residing at H NO-B-142/2, GALI NO-2, SHRI RAM COLONY, RAJIV NAGAR, NORTH EAST DELHI, DELHI-110094 have changed my name to SHAKIR HUSAIN for all future purpose.

NAME CHANGE
I, NO-15421629Y, Rank-HAV, Name-PRATAPA KUMAR KORA residing at VPO-DONKARAI, TEHSIL-Y. RAMAVARAM, DIST-ALLURI SITHARAMA RAJU, ANDHRA PRADESH-533348, have changed my mother's name from SANTOSH MANI to KORA SANTHOSHMANI for all future purposes vide Affidavit dated 22/09/2025 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
It is for general information that I ARUSH JAISWAL S/o ARUN KUMAR JAISWAL R/o B 708 Thyagraj Nagar, Shri Jagannath Marg, Opposite Thyagraj Sports Complex, Lodhi Road, PO: Lodhi Road, DIST: Central Delhi, Delhi - 110003 declare that name of my Father has been wrongly written as ARUN JAISWAL in my 10th Class Educational Documents. The actual name of my Father is ARUN KUMAR JAISWAL which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I hitherto Known as SURINDER SINGH alias SURINDER SINGH SAINI S/o RATAN SINGH SAINI residing at 60 Kewal Park , Mahatma Gandhi Marg , Adarsh Nagar , North West Delh , Delhi - 110033 have changed my name and shall hereafter be known as SURINDER SINGH SAINI.

NAME CHANGE
I, SAHIL S/O RAVINDER KUMAR R/O P-1303, THE EDGE TOWER, RAMPRASTHA CITY, SECTOR-37D, GURGAON, HARYANA-122006 HAVE CHANGED MY NAME TO SAHIL SHARMA FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE
I, HEMA SETIA W/O RAJESH SETIA R/O A-168/1, GANESH NAGAR, TILAK NAGAR, WEST DELHI, DELHI 110018, I HAVE CHANGED MY NAME FROM HEM LATA TO HEMA SETIA FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE
I, MOHAMMAD SHEHZAD S/o Mohammad Jamshed R/o Z-13, Z-Block, Welcome, Seelampur-3, Seelampur, Delhi-110053, have changed my name to SHAZAD permanently

NAME CHANGE
I, Gurpreet Kaur D/o Surinder Singh R/o B-125, Ground Floor, Hari Nagar, Delhi-110064, have changed my name to Gurpreet Kaur Bajaj permanently

NAME CHANGE
I, NOSHEEN D/O MOHAMMAD ILYAS R/O H NO-C-12/146, C-12 BLOCK, YAMUNA VIHAR , NORTH EAST, DELHI-110053 HAVE CHANGED MY NAME NAUSHEEN ANSARI FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I, MOHAMMAD ILYAS S/O MOHD ISHAQ R/O H NO-A-23 MAIN ROAD, CHAUHAN BANGAR, NEW SEELMAPUR, NORTH EAST, DELHI-110053 HAVE CHANGED MY NAME MOHD ILYAS FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I, ABHISHEK RAI s/o INDER BAHADUR RAI r/o WZ-B 93, NARAINA VILLAGE, NEW DELHI-110028 do hereby declare that the name of my father has been mistakenly mentioned as INDER RAI on my 10th and 12th passing certificate but his correct name is INDER BAHADUR RAI.

PUBLIC NOTICE
I, Mrs. Pinki W/o Aarif, R/o E-86, Gali No. 1, Shri Ram Colony, Delhi 110094, hereby declare that I have disowned and debarred my son, Shanu S/o Aarif, R/o E-86, Gali No. 1, Shri Ram Colony, Delhi 110094, UID No. 8138-3968-5469, from all my movable and immovable properties with effect from 22/09/2025.I and my family shall not be responsible for any of his acts, deeds, liabilities, or transactions henceforth. General public is hereby informed that he shall have no right, title, claim, or interest in any of my properties in future.Date 22/09/2025PlaceDelhi(Pinki)

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large on behalf of my client Mahesh Kumar in respect of Entire Second Floor, of Property bearing No. 334/4, admeasuring 100 sq. yards, out of Khasra No. 600/92, Situated at Govindpuri, Kalkaji, New Delhi claiming to have undisputed ownership. Now my client intends avail loan facility in which **Piramal Finance Limited** will provide the financial assistance If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within Seven days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan and Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Phone No: 011-49774545

NAME CHANGE
I, NO-4581168L Rank-HAV Name-BHALERAO YOGESH BHIMRAO residing at FLAT NO-6, TIRTHRAJ TOWER, YASHWANT NAGAR, SINNAR, NASHIK, MAHARASHTRA-422103, have changed my minor son's name from BHALERAO PRADYUMAN YOGESH to PRADHYUMAN YOGESH BHALERAO for all future purposes vide affidavit dated 22/09/2025 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
It is for general information that I, SHYAM CHANDRA S/o Late Shri LEELA DHAR, R/o F-108B, 2ND FLOOR, GALI NO-5, EAST VINOD NAGAR, DELHI-110091, declare that name of mine and my father has been wrongly written as SHYAM CHANDERA and LILA DHAR in my Service Record. The actual name of mine and my father are SHYAM CHANDRA and LEELA DHAR which may be amended accordingly. It is certified that I have complied with other legal requirements in the connection

NAME CHANGE
I, RAM NEWAL TIWARI Father of No-15773115P Rank-HAV (DS) Name-ARUN KUMAR residing at VILL-PURE TIKA TIWARIPUR, SAREYA MAJHAUVA, PO-BABHANGAON, TEHSIL & DIST-SULTANPUR, UTTAR PRADESH-228151, have changed my name from RAM NEWAL TIWARI to RAMNAVEL for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 08/05/1945 instead of my correct date of birth as 02/01/1945 Vide Affidavit dated 22/09/2025 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, MEENAKSHI SETHI W/O GAURAV SETHI resident of H NO-61-3RD FLOOR, POCKET-16, SEC-20 ROHINI, DELHI-110086. have changed my name to MINAKSHI SETHI for all future purposes.

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

25 सितंबर को होगी दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना एप की लांचिंग

एजेंसी

जींद। महिलाओं की सामाजिक सुरक्षा और सम्मान को प्राथमिकता देते हुए तथा महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हरियाणा सरकार मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाने जा रही है। इसके तहत प्रदेशभर में दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना मोबाइल एप्लीकेशन लागू की जाएगी। यह योजना 25 सितंबर से सभी जिलों में लागू होगी और इस ऐप के माध्यम से पात्र महिलाएं निशुल्क डिजिटल रजिस्ट्रेशन कर सकेंगी। उपायुक्त मोहम्मद इमरान रजा के मार्गदर्शन में एडीसी विवेक आर्य ने लघु सचिवालय सभागार में योजना के सफल क्रियान्वयन और जिला स्तरीय कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक से पहले सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डा. जी. अनुपमा ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। एडीसी विवेक आर्य ने बताया कि 25 सितंबर को जिला नागरिक अस्पताल में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। जिसमें हरियाणा विधानसभा के उपाध्यक्ष डा. कृष्णलाल मिड्ढा बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे।

त्यौहार से पहले गन्नौर बाजार में ट्रैफिक और अतिक्रमण पर सख्ती

सोनीपत। गन्नौर शहर को त्यौहारों के दौरान अतिक्रमण और ट्रैफिक जाम से मुक्त कराने के लिए प्रशासन और व्यापारियों ने तैयारी शुरू कर दी है। गन्नौर विधायक देवेंद्र कादियान और एसीपी ऋषिकांत ने व्यापारी भाईचारा एकता समिति के प्रधान बिल्लू सैनी की दुकान पर बैठक की। इसमें व्यापारियों, पुलिस और प्रशासन ने शहर की व्यवस्था सुधारने के लिए अहम फैसले लिए।विधायक कादियान ने कहा कि अव्यवस्थित ट्रैफिक और अतिक्रमण से आम लोगों को भारी परेशानी होती है। उन्होंने व्यापारियों और रेहड़ी चालकों से प्रशासन का सहयोग करने की अपील की और आश्वासन दिया कि व्यापारियों की जायज समस्याओं का समाधान प्राथमिकता से होगा। उन्होंनेपुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि त्योहारों के दौरान बाजारों में सुरक्षा और गश्त बढ़ाई जाए, ताकि लोग बिना डर के खरीदारी कर सकें। बैठक में यह निर्णय हुआ कि सड़कों पर बनी पीली पट्टी के बाहर किसी भी रेहड़ी या दुकान का सामान नहीं रखा जाएगा। एसीपी ऋषिकांत ने साफ चेतावनी दी कि नियम तोड़ने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी। व्यापारियों ने एक महीने की मोहलत मांगी, लेकिन पुलिस ने साफ कर दिया कि पीली पट्टी किसी हाल में पार नहीं की जाएगी। ट्रैफिक व्यवस्था को सुधारने के लिए भी कदम उठाए जाएंगे।

भारतीय युवाओं को बेड़ियों में जकड़कर भेजने वाले ट्रम्प की एक और करारी चोटः दीपेंद्र हुड्डा

रोहतक। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि बीजेपी सरकार देश में युवाओं को रोजगार दे नहीं रही, पढ़-लिखकर युवाओं ने विदेशों में रोजगार हासिल करने का सपना देखा तो वो अब बीजेपी सरकार की गलत नीतियों के चलते चूर-चूर हो गया। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा एच-1बी वीज़ा की आवेदन फ़ीस 1000 डॉलर से बढ़ाकर 100000 डॉलर (भारतीय रुपये में 88 लाख) किये जाने पर गहरी चिंता जताते हुए कहा कि इसका सबसे ज्यादा नुकसान न केवल भारतीय युवाओं को होगा बल्कि इसका विपरीत असर भारत के आर्थिक हितों पर भी पड़ेगा। भारतीय युवाओं को हथकड़ी और बेड़ियों में जकड़कर वापस भेजने वाले ट्रम्प की एक और करारी चोट से भारतीयों के लिए वहां काम करने के अवसर न के बराबर हो जाएंगे। सांसद ने कई कार्यक्रमों में शिरकत की और पत्रकारों से बातचीत करते उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार की गलत नीतियों से देश ही नहीं विदेशों में भी नौकरियां जाएंगी। दीपेंद्र हुड्डा ने बीजेपी सरकार की चुप्पी को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताया और कहा कि सरकार तुरंत अपनी स्थिति स्पष्ट करे और कूटनीतिक स्तर पर बातचीत कर भारतीय कर्मचारियों और कंपनियों के हितों की रक्षा करे और अमेरिकी प्रशासन पर दबाव बनाए। उन्होंने कहा कि अमेरिकी सरकार एक के बाद एक करके भारत के आर्थिक हितों पर चोट पहुंचा रही है।

जीएसटी के लाभ बताने को भाजपा ने फील्ड में उतारे नेता

चंडीगढ़। सोमवार से जीएसटी की नई दरें देश में लागू होने जा रही हैं। भाजपा ने केंद्र सरकार के इस फैसले को आमजन तक पहुंचाने के लिए व्यापक कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने लोकसभा क्षेत्रों में संयोजकों की तैनाती कर दी है। जीएसटी को लेकर पार्टी द्वारा लाए जानेवाले सभी कार्यक्रमों की निगरानी संयोजकों द्वारा की जाएगी। भाजपा ने संगठन के लिहाज से हरियाणा को 27 जिलों में बांटा हुआ है। जिसके चलते जीएसटी के लाभ बताने के लिए संगठनात्मक जिलों में प्रेस वार्ताएं करने का टास्क नेताओं को दिया गया है। इसके लिए भी पार्टी की तरफ से ड्यूटियां लगाई गई हैं। जारी किए गए पत्र के अनुसार पूर्व मंत्री असीम गोयल अंबाला, विधायक घनश्याम दास अरोड़ा कुरुक्षेत्र, पूर्व मंत्री कंवर पाल को करनाल, वरिष्ठ नेता जवाहर सैनी को सोनीपत, पूर्व मंत्री डॉ.कमल गुप्ता को रोहतक, पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल को सिरसा, पूर्व कृषि मंत्री जेपी दलाल को हिसार, राज्य सभा सांसद किरण चौधरी को भिवानी, पूर्व मंत्री डॉ. बनवारी लाल को गुड़गांव तथा पूर्व मुख्य संसदीय सचिव सीमा त्रिखा को फरीदाबाद लोकसभा क्षेत्र का संयोजक लगाया गया है।

कृषि में विविधिकरण अपनाएं और मोटे अनाज की पैदावार को प्राथमिकता दें किसान : नायब सैनी

एजेंसी

हिसार। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने किसानों का आह्वान किया कि वे कृषि में विविधिकरण को अपनाएं व मोटे अनाज की पैदावार को प्राथमिकता दें। हरियाणा सरकार हमेशा किसानों के साथ खड़ी है और कृषि को लाभकारी बनाने के लिए लगातार ठोस कदम उठा रही है। मुख्यमंत्री ने किसानों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि औषधीय पौधों, मधुमक्खी पालन, मशरूम उत्पादन, सब्जी, फूल एवं फल की खेती जैसे विकल्प अपनाकर किसान अपनी आमदनी को कई गुना बढ़ा सकते हैं। उन्होंने आश्वस्त किया कि सरकार इस दिशा में किसानों को हर संभव सुविधा और प्रोत्साहन उपलब्ध कराती रहेगी। मुख्यमंत्री हिसार में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित रबी कृषि मेला का शुभारंभ करने उपरांत उपस्थितजन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने हर घर छांव-हर घर फल योजना का

भी शुभारंभ किया। इस योजना के तहत प्रदेश के 22 जिलों के 110 गांवों में 55 हजार फलदार पौधों का निःशुल्क वितरण किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने लगभग 6 व्यक्तियों को पौधे प्रदान किए। इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने देशी गायों के संरक्षण और विकास तथा मुर्राह विकास योजना के अंतर्गत 50 पुशपालकों को 40 हजार रुपये तक की प्रोत्साहन राशि के डमी चैक का भी वितरणकिया। साथ ही, 75 महिला उद्यमियों को डेयरी स्थापना स्वीकृति पत्र भी प्रदान किए। मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय परिसर में दत्तोपंत ठेंगड़ी कृषि उद्यमिता स्थल का उद्घाटन किया। इसके अलावा, कल्पना चावला महिला छात्रावास और देवी अहिल्या बाई होलकर महिला छात्रावास का भी उद्घाटन किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि समय की मांग है कि किसान ऐसी फसलों की पैदावार करें, जिसमें पानी की कम जरूरत होती है। ऐसी फसलों को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने मेरा पानी मेरी विरासत योजना वर्ष 2020 में शुरू की है। इस योजना के तहत वैकल्पिक फसलें लेने या खेत खाली छोड़ने वाले किसानों को 8 हजार रुपये प्रति एकड़ वित्तीय सहायता दी जाती है।

डंप यार्ड हटाने की मांग पर लोगों ने मेयर को ज्ञापन दिया

एजेंसी

सोनीपत। सोनीपत में बाबा धाम के पीछे बने कूड़े के डंप यार्ड को हटाने की मांग को लेकर आसपास की कॉलोनियों के सैकड़ों लोगों ने नगर निगम मेयर राजीव जैन को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन पर 500 से ज्यादा नागरिकों के हस्ताक्षर हैं। मेयर ने समस्या के समाधान का आश्वासन दिया।

नागरिकों का कहना है कि डंप यार्ड की वजह से सैनीपुरा, ऋषि कॉलोनी, हाउसिंग बोर्ड और चावला कॉलोनी के लोगों का जीना दूभर हो गया है। दुर्गंध के कारण लोग बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। क्षेत्र में चार स्कूल हैं, जहां बच्चों को आने-जाने में परेशानी होती है। साथ ही, बाबा धाम मंदिर में श्रद्धालु दुर्गंध के चलते कुछ मिनट खड़े होकर पूजा भी नहीं कर पाते। लोगों ने बताया कि बरसात और हवा चलने पर स्थिति और भी बिगड़ जाती है। यदि किसी दिन कूड़ा नहीं उठे तो बदबू असहनीय हो जाती है। इसके अलावा, कूड़ा ढोने वाली भारी

गाड़ियां बाबा धाम से होकर ऋषि कॉलोनी जाने वाले रास्ते पर खड़ी रहती हैं, जिससे आवागमन में कठिनाई आती है। ज्ञापन देने वालों में पार्षद हरि सैनी, पूर्व पार्षद रामप्रसाद सैनी, कृष्ण सैनी, लखी राम सैनी, गौरव सैनी, मनोज शर्मा, रमेश, शशि, भोलर, मुकेश, मानसिंह, ईश्वर और सुरेश सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों के विरूद्ध अभियान चलाएगी पुलिस

- **डीजीपी ने प्रदेश के सभी एडीजीपी, आईजी, सीपी की ली बैठक**
- **जिलों में अवैध विदेशी नागरिकों के विरूद्ध कार्रवाई को बनेगा अलग सेल**
- **अपराध अनुसार बदमाशों की बनेंगे अलग-अलग श्रेणियां**

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने राज्य के सभी जिला पुलिस अधीक्षकों, पुलिस आयुक्तों तथा वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वह अपने-अपने क्षेत्र में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों के विरुद्ध अभियान चलाएं। सभी जिलों के एसपी इसके लिए अलग से सेल का गठन करें और इनपुट के आधार पर तुरंत कार्रवाई करें। डीजीपी ने अधिकारियों को इस संबंध में एक रिपोर्ट हर सप्ताह चंडीगढ़ मुख्यालय में भेजने के निर्देश दिए हैं।

पुलिस महानिदेशक त्योहारी सीजन के मद्देनजर प्रदेशभर के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशकों, पुलिस आयुक्तों और रेंज आईजी तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक ले रहे थे। बैठक में हरियाणा में अवैध रूप से रह रहे दूसरे देश के नागरिकों, सूदखोरों, अपराधियों व हुड़दंगियों पर कार्रवाई, ट्रैफिक प्रबंधन और त्योहारों के सीजन की सुरक्षा व्यवस्था पर चर्चा की गई।बैठक में कपूर ने सूदखोरों के खिलाफ चल रहे अभियान पर सोनीपत की पुलिस आयुक्त ममता सिंह से रिपोर्ट ली। डीजीपी ने कहा कि जो सूदखोर गरीबों की मजबूरी का फायदा उठाकर भारी ब्याज वसूलते और उनकी संपत्ति हड़पते हैं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करें। डीजीपी ने निर्देश दिए कि थाना प्रभारी स्वयं अपराधिक प्रवृत्ति वाले लोगों पर नजर रखें। पुलिस महानिदेशक ने थाना प्रभारियों को निर्देश दिए कि बदमाशों की अलग-अलग श्रेणियां बनाकर उन पर कार्रवाई की जाए। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (यातायात एवं राजमार्ग) हरदीप दून ने बताया कि 5 से 14 सितंबर तक 30603 चालान किए गए। इनमें शराब पीकर ड्राइविंग करने के खिलाफ कार्रवाई, ध्वनि प्रदूषण और अन्य यातायात नियम उल्लंघन पर कार्रवाई शामिल रहे।त्योहारों के सीजन को देखते हुए कपूर ने अधिकारियों को सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बड़े मेलों और मंदिरों में भारी भीड़ के दौरान दुर्घटनाओं और आपराधिक घटनाओं को रोकने के लिए वहां उच्च गुणवत्ता वाले सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं। भीड़ सीमा से अधिक होने पर मुख्य द्वार पर ही प्रवेश नियंत्रित किया जाए। संदिग्ध व आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों पर विशेष निगरानी रखी जाए।

सोनीपत में मुख्यमंत्री के दौरे की तैयारियों का जिला उपायुक्त ने किया निरीक्षण

एजेंसी

सोनीपत। सोनीपत में सेवा पखवाड़ा अभियान के तहत दीनबंधु छोटूराम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मुरथल में 22 सितंबर को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का कार्यक्रम होगा। इसके लिए जिला प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। उपायुक्त सुशील सारवान ने अधिकारियों के साथ स्थल का निरीक्षण किया और सुरक्षा, पार्किंग, मंच, पेयजल, शौचालय, हैलीपेड व बैठने की सुविधा की बारीकी से जांच की। उन्होंने अधिकारियों को समय रहते सभी प्रबंध पुख्ता करने के निर्देश दिए। कार्यक्रम विश्वविद्यालय के सभागार में होगा। इसमें मुख्यमंत्री मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इस मौके पर वे विकास एवं पंचायत विभाग की कई योजनाओं का शुभारंभ और शिलान्यास करेंगे। इनमें प्रदेशभर में महिला सांस्कृतिक केन्द्रों का उद्घाटन, इनडोर हॉल, योग एवं व्यायामशालाएं शुरू करना और 225

गांवों में फिरनी पर स्ट्रीट लाइटें लगवाने की योजना शामिल है। जिला प्रशासन ने बताया कि मुख्यमंत्री का यह दौरा सोनीपत सहित पूरे प्रदेश के लिए विकास की नई सौगातें लेकर आएगा। निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त उपायुक्त लक्षित सरीन, डीसीपी प्रबीना पी, एसडीएम सोनीपत सुभाष चंद्र, एसडीएम खरखौदा निर्मल नागर, एसडीएम गन्नौर प्रवेश कादियान, सीटीएम अनमोल व एसीपी ऋषिकांत सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

गुरुग्राम में 10 हजार से अधिक युवाओं ने नमो युवा रन में दौड़ लगा दिया नशामुक्त समाज का संदेश

ज्योति दर्पण

गुरुग्राम। गुरुग्राम में नमो युवा रन के जरिए नशामुक्त समाज का बुलंद संदेश दिया। लेजर वैली पार्किंग से शुरू हुई इस भव्य दौड़ में 10 हजार से अधिक प्रतिभागियों ने उत्साह और उमंग के साथ हिस्सा लिया। दौड़ का केंद्रीय विद्युत व आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। कार्यक्रम में हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह और युवा अधिकारिता एवं उद्यमिता मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौरव गौतम भी उपस्थित रहे।

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने नमो युवा रन में सहभागी बने हजारों युवाओं से आह्वान किया कि वे नशामुक्त समाज के निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि नशा किसी भी व्यक्ति की क्षमता को नष्ट करता है और समाज को कमजोर बनाता है। यदि युवा नशे से दूर रहकर शिक्षा, खेल और कौशल विकास की ओर ध्यान देंगे तो न

केवल उनका भविष्य सुरक्षित होगा बल्कि पूरा समाज एक बेहतर दिशा में आगे बढ़ेगा। मनोहर लाल ने कहा कि यदि देश युवा है तो उसका भविष्य भी युवा ही होगा। उन्होंने कहा कि आज भारत की लगभग 65 प्रतिशत आबादी युवा है और यही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। इसी आधार पर देश का प्रत्येक जिला और प्रदेश विकास की नई ऊँचाइयों को छू सकता है। श्री मनोहर लाल ने कहा कि हरियाणा का युवा आज न केवल प्रदेश में बल्कि पूरे देश में अपनी प्रतिभा और परिश्रम का परचम लहरा रहा है। खेल, शिक्षा, तकनीक और उद्योग जैसे क्षेत्रों में हरियाणा के युवाओं ने अपनी अलग पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि शिक्षा और कौशल विकास ही युवाओं की असली शक्ति है। यदि युवा शिक्षा और कौशल के मार्ग पर आगे बढ़ते रहें तो निश्चित रूप से भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की यात्रा में उनका योगदान सबसे अहम होगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जीवन में मेहनत की कोई कमी नहीं होनी चाहिए, लेकिन मेहनत के साथ-साथ स्वस्थ रहना भी उतना ही जरूरी है। इसके लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में योग को अवश्य अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि दुनिया के इतिहास में जितने भी बड़े परिवर्तन हुए हैं, उनमें युवाओं का योगदान सबसे महत्वपूर्ण रहा है। स्वामी विवेकानंद का उल्लेख करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उन्होंने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा था- उठो और जागो, जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो, रुकना मत।

पुलिस समाधान शिविर में शिकायतों का तुरंत निपटारा

एजेंसी

सोनीपत। गोहाना थाना सदर गोहाना परिसर में पुलिस समाधान शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर की अध्यक्षता सहायक पुलिस आयुक्त मोहाना देवेंद्र सिंह ने की। शिविर में क्षेत्र के लोगों ने घरेलू विवाद, जमीन से जुड़े मामले और अन्य तरह की शिकायतें रखीं। इनमें से ज्यादातर का मौके पर ही निपटारा कर दिया गया। कुछ शिकायतों को आगे की कार्रवाई के लिए संबंधित जांच अधिकारियों को सौंपा गया। सहायक पुलिस आयुक्त ने थाना प्रभारी लाल सिंह और अनुसंधानकर्ताओं को निर्देश दिए कि आमजन की समस्याओं का त्वरित और पारदर्शी समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि समाधान शिविरों का मुख्य उद्देश्य जनता और पुलिस के बीच संवाद और विश्वास को मजबूत करना है। दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक चले इस शिविर में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। अधिकांश शिकायतकर्ताओं ने संतोष व्यक्त किया कि उनकी समस्याओं का निपटारा तुरंत हुआ। स्थानीय लोगों का कहना था कि ऐसे शिविर समय-समय पर होने चाहिए ताकि छोटी-छोटी समस्याओं के लिए थाने के चक्कर न लगाने पड़ें।

आज के युवा कल बनेंगे भारतीय सेना का गौरव, देश का नाम करेंगे रोशन : नायब सिंह सैनी

- **हिसार के आकाश में पहली बार दिखा हवाई रोमांच का नज़ारा**
- **भारतीय वायुसेना की सूर्यकिरण एयरोबेटिक टीम के जाबांजों ने एयर-शो में दिखाए हैरतअंगेज करतब**

एजेंसी

हिसार। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा है कि कड़ी मेहनत, लगन और अनुशासन से कोई भी सपना पूरा किया जा सकता है। उन्होंने एयर शो को युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बताया और कहा कि आज के युवा कल भारतीय सेना के गौरव बनेंगे और देश का नाम रोशन करेंगे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी हिसार के महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डा परिसर में सप्त शक्ति कमांड जीओसी डॉट डिवीजन और हिसार जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित एयर शो के दौरान उपस्थितजनों को संबोधित कर रहे थे। इस शो में भारतीय वायु सेना की प्रतिष्ठित सूर्यकिरण एयरोबेटिक टीम ने कई हैरतअंगेज करतबों का प्रदर्शन किया। सशस्त्र बलों के अधिकारियों, जवानों और नागरिकोंको संबोधित

करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय वायु सेना देश के सुरक्षा कवच का एक महत्वपूर्ण अंग है। उन्होंने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राफेल जैसे आधुनिक लड़ाकू विमानों की खरीद कर वायु सेना की ताकत बढ़ाई है। हमारे पायलट राफेल, सुखोई और तेजस जैसे लड़ाकू विमानों के माध्यम से दुश्मनों को हराने में सक्षम हैं। मुख्यमंत्री ने गर्व व्यक्त किया कि हमारी वायु सेना ने ऑपरेशन सिंदूर में अपनी ताकत और पराक्रम का प्रदर्शन कर दुनिया में अपना परचम लहराया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस एयर शो ने अनुशासन, टीम वर्क और अटूट देशभक्ति का जीवंत संदेश दिया। सूर्यकिरण एयरोबेटिक टीम के प्रत्येक करतब में उनके मोटो सदैव सर्वोत्तम यानी हमेशा उत्कृष्ट प्रदर्शन की भावना स्पष्ट रूप से दिखाई दी। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में लोगों का एयर शो में आना यह दर्शाता है कि नागरिकों के मन में भारतीय सेना के प्रति गहरा सम्मान है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने शहीद सैनिकों और स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों के लिए राज्य सरकार की योजनाओं का उल्लेख किया। हिसार के उपायुक्त अनीश यादव ने बताया कि यह पहला अवसर था जब हरियाणा में इस प्रकार का एयर शो आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य युवाओं को प्रेरित करना और उन्हें भारतीय वायुसेना और पायलट बनने का सपना देखने के लिए प्रोत्साहित करना है। सूर्यकिरण टीम के पायलटों ने 150 किमी प्रति घंटे से 650 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से उड़ान भरी, विभिन्न फॉर्मेशन में एरोबेटिक प्रदर्शन किया और हिसार केशहीद विंग कमांडर साहिल गांधी को भी सलामी दी। एयर शो में बड़ी संख्या में हिसार व आसपास के जिलों के अलावा सेना छावनी के सैनिक, अधिकारी, उनके परिजन, आर्मी पब्लिक स्कूल और एनसीसी के स्काउट शामिल हुए।

सेवा पखवाड़ा में किया रक्तदान शिविर का आयोजन

एजेंसी

जींद। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में सेवा पखवाड़ा के तहत भाजपा शहरी मंडल ने जेडी 7 पर स्थित रोहिल्ला धर्मशाला में रक्तदान शिविर लगाया। मंडलाध्यक्ष गुलशन रोहिल्ला की अध्यक्षता में लगाए रक्तदान शिविर में मुख्यातिथि भाजपा जिलाध्यक्ष एडवोकेट तिजेंद्र ढुल, विधानसभा डिप्टी स्पीकर प्रतिनिधि रूद्राक्ष मिढ्ढा रहे। शिविर में 51 यूनिट रक्त की एकत्रित हुई। भाजपा जिलाध्यक्ष तिजेंद्र ढुल ने इस दौरान संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में 17 अक्टूबर से दो अक्टूबर को गांधी जयंती तक सेवा पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इस दौरान पार्टी की तरफ से जिलेभर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। जिनमें स्वच्छताए पौधारोपणए रक्तदान शिविर जैसे कार्य शामिल हैं। स्वच्छता पखवाड़ा को लेकर लोगों में काफी उत्साह है। रूद्राक्ष मिढ्ढा ने कहा कि प्रदेश सरकार भी इस दौरान अनेक जनहित के काम कर रही है।

भाजपा के सेवा पखवाड़ा शिविरों में 70 ने किया रक्तदान

एजेंसी

झज्जर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर शुरू हुए सेवा पखवाड़ा के तहत अटल मंडल भाजपा बहादुरगढ़ और मांडोठी मंडल भाजपा की ओर से रक्तदान एवं स्वास्थ्य जांच शिविरों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया और 70 लोगों ने रक्तदान किया। शिविर में आए अनेक लोगों की स्वास्थ्य जांच भी की गई।

शिविर का शुभारंभ सेवा पखवाड़ा के जिला संयोजक दिनेश कौशिक ने रक्तदाताओं को बैज लगाकर किया। इससे पहले मंडल भाजपा अध्यक्ष पंकज गर्ग व मंडल संयोजक नकुल चोपड़ा ने फूल मालाएं पहनाकर दिनेश कौशिक का अभिनंदन किया। रक्त संग्रह का कार्य ब्रह्मशक्ति संजीवनी अस्पताल की ब्लड बैंक टीम द्वारा किया गया। शिविर में 20 लोगों ने रक्तदान किया। जिला संयोजक दिनेश कौशिक ने कहा कि रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है। यह किसी आपात स्थिति में दूसरे व्यक्ति की जीवन रक्षा कर सकता है। उन्होंने सभी से समय-समय पर रक्तदान करने की अपील करते हुए कहा कि सेवा पखवाड़ा केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाने का संकल्प है। भाजपा का उद्देश्य हमेशा समाज

के अंतिम व्यक्ति तक सेवा पहुंचाना है और यह सेवा पर्व लगातार चलता रहेगा। इसी क्रम में में 50 लोगों ने रक्तदान कर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाई। दिनेश कौशिक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस से लेकर दो अक्तूबर महात्मा गांधी जयंती तक देशभर में सेवा पखवाड़ा मनाया जा रहा है।

NAME CHANGE

I, JAWAN SINGH MEENA S/o MOOL CHAND MEENA R/o Nayagoan, Nayagaon, Sawai Madhopur, Rajasthan-322201, have changed the name of my minor daughter TANUSHKA SINGH aged 17 years and she shall hereafter be known as KUMARI TANUSHKA.

PUBLIC NOTICE

I, Resham D/o Rama Shankar Prasad R/o House No-110, Gali No-5, Shastri Nagar, Karnal, Haryana-132001 hereby undertake that I Resham want to change my name to Rehan and gender as male. I Resham henceforth be known as Rehan S/o Rama Shankar Prasad.

नए भारत का सपना साकार करने में युवाओं की भूमिका अहम : राव नरबीर सिंह

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने युवाओं से आह्वान किया कि वे अपने जीवन में प्रतिदिन पर्यावरण संरक्षण और शारीरिक व्यायाम के लिए समय अवश्य निकालें। उन्होंने कहा कि जब युवा शक्ति इस संकल्प को अपनाएगी तो देश की प्रकृति और स्वास्थ्य दोनों सशक्त होंगे। इसी के साथ नए भारत का सपना साकार करने में युवाओं की भूमिका अहम होगी। वे यहां लेजरवैली पार्किंग से शुरू हुई नमो युवा रन से पूर्व आयोजित समारोह में बोल रहे थे। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि 17 सितंबर को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस से शुरू हुआ सेवा पखवाड़ा दो अक्टूबर तक जिलेभर में विशेष गतिविधियों और जनजागरुकता कार्यक्रमों के साथ मनाया जा रहा है। इस दौरान रक्तदान, स्वास्थ्य जांच, वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान, खेल प्रतियोगिताएं और जनसेवा से जुड़े अनेक आयोजन किए जा रहे हैं, जिनमें आमजन विशेषकर युवाओं की सक्रिय भागीदारी देखी जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए केवल आर्थिक प्रगति ही नहीं, बल्कि समाज का स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और नैतिक जिम्मेदारी भी उतनी ही आवश्यक है। यदि हम प्रकृति और पर्यावरण को सुरक्षित रखते हुए आगे बढ़ेंगे तो विकास की यात्रा और भी मजबूत होगी। युवा अधिकारिता एवं उद्यमिता मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौरव गौतम ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि नमो युवा रने युवाओं के जीवन में अनुशासन, सहनशीलता, धैर्य और राष्ट्र निर्माण की एकता को मजबूती देने वाली एक अहम कड़ी है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से युवाओं में देशप्रेम, स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और सकारात्मक सोच का संचार होता है, जो भारत के उज्ज्वल भविष्य के लिए आवश्यक है। मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प किया है और इस संकल्प को साकार करने में युवाओं की सबसे बड़ी भूमिका है।

मशहूर एसयूवी बोलेरो नियो अब अपडेटेड वर्जन में होगी पेश

नई दिल्ली

जल्द ही भारतीय बाजार में मशहूर एसयूवी बोलेरो नियो अब अपडेटेड वर्जन में लॉन्च होने वाली है। कंपनी इसे इसी महीने पेश कर सकती है। तस्वीरों से इसके फ्रंट डिजाइन में बड़े बदलाव साफ दिखाई देते हैं। नई बोलेरो नियो में नए डिजाइन वाले हेडलैंप्स, डीआरएलएस के साथ रीडिजाइन फ्रंट ग्रिल और अपडेटेड बंपर दिए जाएंगे। इससे इसका लुक पहले से ज्यादा दमदार और मॉडर्न हो जाएगा। हालांकि, बोलेरो की आइकॉनिक पहचान बनाए रखने के लिए बाकी डिजाइन एलिमेंट्स पुराने जैसे ही रखे गए हैं। इंटीरियर में इस बार प्रीमियम टच दिया जाएगा। माना जा रहा है कि इसमें बड़ा इंफोटेनमेंट स्क्रीन लेटेस्ट सॉफ्टवेयर सपोर्ट के साथ, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, नया डैशबोर्ड लेआउट और अपडेटेड सीट अपहोल्स्ट्री जैसे फीचर्स देखने को मिलेंगे। इन बदलावों से केबिन पहले से ज्यादा मॉडर्न और टेक्नोलॉजी-फ्रेंडली बन जाएगा। इंजन और परफॉर्मेंस के मामले में बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। कंपनी इसमें मौजूदा वर्जन वाला इंजन और गियरबॉक्स ही उपलब्ध कराएगी। हालांकि, ड्राइविंग अनुभव को बेहतर बनाने के लिए हल्की-फुल्की फाइन-ट्यूनिंग की जा सकती है। ऑटो सेक्टर के जानकारों के मुताबिक, 2025 बोलेरो नियो का सीधा मुकाबला मारुति ब्रेज़ा और किया सोनेट जैसी एसयूवी से होगा।

नया इलेक्ट्रिक फैमिली स्कूटर अंपेरे मेग्नस ग्रांड लॉन्च

नई दिल्ली

दो पहिया वाहन निर्माता कंपनी ग्रीव्स इलेक्ट्रिक मोबिलिटी ने अपना नया इलेक्ट्रिक फैमिली स्कूटर अंपेरे मेग्नस ग्रांड लॉन्च कर दिया है। मेग्नस ग्रांड की शुरुआती कीमत 90,000 रुपए (एक्स-शोरूम) रखी गई है। इसे मेग्नस नियो के आधार पर तैयार किया गया है, लेकिन इसके डिजाइन और फीचर्स को अपग्रेड किया गया है। कंपनी ने इसे खासतौर पर उन परिवारों के लिए डिजाइन किया है, जो इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर में स्टाइल, सेफ्टी और कम्फर्ट चाहते हैं। डिजाइन की बात करें तो यह स्कूटर मैचा ग्रीन और ओशन ब्लू जैसे ड्यूल-टोन कलर्स में उपलब्ध है, जिनमें सुनहरी बैजिंग दी गई है। मजबूत बॉडी, बड़े ग्रैब रेल्स और लंबी सीट इसे पारिवारिक इस्तेमाल के लिए आदर्श बनाते हैं। तकनीकी दृष्टि से इसमें 2.3 केडब्ल्यूएच की एलएफपी बैटरी मिलती है, जो एक बार चार्ज करने पर 80-95 किमी तक की रेंज देती है। कंपनी इस बैटरी पर 5 साल या 75,000 किमी की वारंटी भी दे रही है। इको मोड में इसका प्रदर्शन सबसे बेहतर बताया जा रहा है।

हीरो मोटोकॉर्प को उम्मीद, त्योहारों में होगी रिकॉर्ड बिक्री

– दोपहिया बाजार में बरकरार रहेगा शीर्ष स्थान

नई दिल्ली

हीरो मोटोकॉर्प को उम्मीद है कि इस साल त्योहारों का मौसम कंपनी के लिए अब तक का सबसे अच्छा साबित होगा। जीएसटी में कटौती के बाद मांग में तेजी आने की संभावना है, जिससे बिक्री के आंकड़े मजबूत होंगे।

कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पहले पांच महीनों में बिक्री लगभग स्थिर रही, लेकिन नवरात्र और त्योहारों के दौरान अच्छी बुकिंग देखी जा रही है। हीरो मोटोकॉर्प इस बार 12 नए उत्पाद पहली बार त्योहारों के मौके पर बाजार में ला रही है, जिससे कंपनी को दोहरा फायदा होने की उम्मीद है। मौजूदा उत्पादों के साथ-साथ नई पेशकशों की वजह से कंपनी उद्योग से बेहतर प्रदर्शन करने की उम्मीद कर रही है। उन्होंने कहा कि यह सकारात्मक माहौल कंपनी के लिए उत्साहजनक है और इसे बढ़ावा देगा। वित्त वर्ष 2024-25 में हीरो मोटोकॉर्प ने दोपहिया वाहन बिक्री में 54,45,251 इकाइयों के साथ शीर्ष स्थान कायम रखा है। मुख्य प्रतिस्पर्धी होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया की बिक्री 47,89,283 रही। अगस्त तक के आंकड़ों के अनुसार, हीरो लगभग दो लाख इकाइयों की बढ़त बनाए हुए है। हीरो मोटोकॉर्प 100 सीसी, 125 सीसी, स्कूटर और प्रीमियम सेगमेंट में विस्तार की योजना बना रही है। इलेक्ट्रिक वाहनों की उपलब्धता बढ़ाने और हार्ले-डेविडसन के साथ साझेदारी जारी रखने की भी रणनीति है। साथ ही, प्रीमियम बिक्री आउटलेट (प्रेमिया स्टोर) की संख्या बढ़ाई जाएगी। वर्मा ने भरोसा जताया कि कंपनी 2025 में भी इस क्षेत्र में सबसे आगे रहेगी।

पुलर प्रीमियम हैचबैक आई20 का नया नाइट एडिशन पेश

नई दिल्ली

भारतीय बाजार में हुंडई मोटर इंडिया ने अपनी पॉपुलर प्रीमियम हैचबैक आई20 का नया नाइट एडिशन पेश किया है। आई20 नाइट एडिशन के एक्सटीरियर में पूरी तरह ब्लैक थीम दी गई है। इसमें ब्लैक-आउट एलॉय व्हील्स, रूफ रेल्स, स्किड प्लेट्स, साइड सिल गार्निश, ओआरवीएमएस, रिपॉयर स्पॉइलर और मैट ब्लैक हुंडई लोगो शामिल है। इसके अलावा रेड ब्रेक कैलिपर्स, स्पोर्टी मेटल पैडल और खास नाइट लोगो इसे और आकर्षक बनाते हैं।

इंटीरियर की बात करें तो इसमें ऑल-ब्लैक अपहोल्स्ट्री के साथ पीतल जैसे इंसर्ट दिए गए हैं, जो इसे कॉन्ट्रास्टिंग टच देते हैं। यह एडिशन आई20 के स्पोर्ट्ज (ओ) और एस्टा (ओ) ट्रिम्स पर उपलब्ध है, जिनकी शुरुआती कीमत 9.15 लाख रुपए (एक्स-शोरूम) है।

इसी थीम को आई20 एन लाइन के एन8 और एन10 वैरिएंट्स में भी जोड़ा गया है, जिनकी कीमत 11.43 लाख रुपए तक जाती है।

कार में 1.2-लीटर, 4-सिलेंडर पेट्रोल इंजन मिलता है, जो 83 एचपी पावर और 115 एनएम टॉर्क देता है। यह इंजन 5-स्पीड मैनुअल और सीवीटी ट्रांसमिशन के साथ उपलब्ध है। इसमें आइडल स्टॉप एंड गो (आईएसजी) तकनीक भी दी गई है।

हालांकि, कंपनी ने 1.0-लीटर टर्बो इंजन वाले वैरिएंट को बंद कर दिया है, जो पहले डीसीटी और आईएमटी ट्रांसमिशन के साथ उपलब्ध था। विशेषज्ञों का मानना है कि नाइट एडिशन हुंडई आई20 के प्रीमियम सेगमेंट को और मजबूत करेगा और फेस्टिव सीजन में इसकी बिक्री में तेजी आएगी। कंपनी ने इस लिमिटेड एडिशन को खासतौर पर उन ग्राहकों के लिए उतारा है जो स्टाइलिश एक्सटीरियर और लग्जरी इंटीरियर को प्राथमिकता देते हैं।

सेबी से मिली क्लीन चिट के बाद अदाणी समूह ने हिंडनबर्ग से जवाब मांगा

अदाणी ने हिंडनबर्ग से पूछा 150 अरब डॉलर के नुकसान का जिम्मेदार कौन?

नई दिल्ली

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) द्वारा अदाणी समूह को क्लीन चिट दिए जाने के बाद अब समूह ने अमेरिकी शॉर्ट-सेलर फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च से निवेशकों को हुए नुकसान की जवाबदेही तय करने की मांग की है। एक वरिष्ठ सूत्र के अनुसार जनवरी 2023 में हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के बाद अदाणी ग्रुप के शेयरों में भारी गिरावट आई थी, जिससे करीब 150 अरब डॉलर की शेयरधारकों की संपत्ति मिट गई थी। अब जबकि सेबी ने समूह पर लगे आरोपों को खारिज कर दिया है, अदाणी ग्रुप का कहना है कि आम निवेशकों को हुए इस नुकसान के लिए हिंडनबर्ग को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। सेबी की हालिया जांच में बताया गया कि हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में जिन लोन और ट्रांजैक्शनों को संदिग्ध बताया गया था, वे नियमों के अनुरूप और चुकता किए गए थे। साथ ही समूह के प्रमोटरों ने समय रहते कर्ज चुकाकर बाजार में स्थिरता बनाए रखी। हिंडनबर्ग ने उस समय शेयरों में गिरावट से शॉर्ट-सेलिंग के जरिए बड़ा लाभ कमाया था। हालांकि, 2025 में हिंडनबर्ग ने अपनी गतिविधियां बंद कर दीं, जिससे जवाबदेही तय करना जटिल हो गया है। इस साल जुलाई में सेबी ने हिंडनबर्ग और इससे जुड़े अन्य पक्षों को कारण बताओ नोटिस भेजा था, जिसमें अंदरूनी जानकारी के दुरुपयोग और साजिश के आरोप लगाए गए हैं।

जीएसटी दरों में कटौती से कंपनियों के राजस्व में 7 फीसदी तक वृद्धि की उम्मीद

त्योहारी सीजन में राहत : ऑटो, एफएमसीजी और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स की कीमतें घटेंगी

नई दिल्ली

देश में नई जीएसटी दरें आज से, यानी नवरात्र के पहले दिन सोमवार से लागू हो गई हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इन कटौती से इस वित्त वर्ष में भारतीय कंपनियों के राजस्व में 6 से 7 प्रतिशत तक की वृद्धि हो सकती है। यह अनुमान पहले की तुलना में 25 से 50 आधार अंक अधिक है। एक रिपोर्ट के अनुसार यह कदम ऐसे समय पर उठाया गया है जब वैश्विक अनिश्चितताएं बनी हुई हैं और देश में त्योहार व शादी का मौसम शुरू हो रहा है, जब उपभोग अपने चरम पर होता है। रिपोर्ट बताती है कि उपभोग में बढ़ोतरी कॉर्पोरेट राजस्व का लगभग 15 फीसदी भाग है, जिससे कंपनियों को लाभ होगा। जीएसटी दरों में कटौती का असर खासतौर पर एफएमसीजी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और ऑटोमोबाइल सेक्टर में देखने को मिलेगा, जिससे उपभोक्ताओं को कीमतों में राहत मिलेगी। हालांकि, मुनाफाखोरी रोधी नियमों के कारण कंपनियों के मार्जिन में ज्यादा बढ़ोतरी नहीं हो पाएगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि जीएसटी ढांचे को सरल बनाकर यह फैसला आर्थिक सुधार को समर्थन देगा। रिपोर्ट के अनुसार, 90 फीसदी से अधिक उत्पाद कैटेगरी पर टैक्स दरें कम होने से देश की जीडीपी में 20-30 आधार अंकों की वृद्धि संभव है। एयरलाइंस सेक्टर पर प्रभाव सीमित रहेगा क्योंकि इकोनॉमी क्लास पर जीएसटी दर 5 फीसदी यथावत रखी गई है। हालांकि, प्रीमियम क्लास टिकटों पर दर 12 फीसदी से बढ़ाकर 18 फीसी कर दी गई है।

आधार कार्ड से जुड़ी लापरवाही पड़ सकती है भारी, हो सकती है जेल और जुर्माना

नई दिल्ली आधार कार्ड आज हर भारतीय के लिए एक अनिवार्य पहचान दस्तावेज़ बन गया है। इसका उपयोग बैंक खाते खोलने, मोबाइल सिम लेने, सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने और शैक्षणिक संस्थानों में दाखिले जैसी आवश्यक सेवाओं में किया जाता है। इसी वजह से यूनिक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया (यूआईडीएआई) ने इससे जुड़े नियमों को सख्त बनाया है। अगर कोई व्यक्ति आधार बनवाते समय जानबूझकर गलत जानकारी देता है, तो यह अपराध की श्रेणी में आता है। ऐसे मामलों में दोषी को 3 साल तक की जेल या 10,000 रुपए तक का जुर्माना हो सकता है। इसके अलावा बिना अनुमति किसी और के आधार में बदलाव करना भी गैरकानूनी है। इसी तरह यूआईडीएआई की मंजूरी के बिना आधार डेटा एकत्र करना या साझा करना भी अपराध है, जिसकी सजा 3 साल की कैद और जुर्माने के रूप में हो सकती है। अगर कोई व्यक्ति या संस्था आधार सिस्टम में हैकिंग या डेटा चोरी जैसे गंभीर अपराध में लिप्त पाया जाता है, तो उसे 10 साल तक की जेल और 10 लाख रुपए तक का जुर्माना भुगतना पड़ सकता है।

टेकडी साइबर सिक्योरिटी की तगड़ी लिस्टिंग, निवेशकों को हुआ बड़ा मुनाफा

मुंबई टेकडी साइबर सिक्योरिटी लिमिटेड ने 22 सितंबर को शेयर बाजार में जोरदार एंट्री की। कंपनी का शेयर एनएसई एसएमई पर 193 के इश्यू प्राइस के मुकाबले 366.70 रुपए पर लिस्ट हुआ, जिससे निवेशकों को प्रति शेयर 173.70 रुपए का लाभ मिला। लिस्टिंग के तुरंत बाद शेयर में 5 फीसदी अपर सर्किट लगने से यह 385 रुपए तक पहुंच गया। इस आईपीओ को निवेशकों का जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला। 38.99 करोड़ रुपए के इश्यू को कुल 718 गुना सब्सक्रिप्शन मिला। आईपीओ 15 से 17 सितंबर के बीच खुला था। लॉट साइज 600 शेयर रखा गया और रिटेल निवेशकों को कम से कम दो लॉट खरीदने थे, जिससे न्यूनतम निवेश राशि 2.31 लाख रुपए हो गई थी। शानदार लिस्टिंग से यह साफ है कि साइबर सिक्योरिटी सेक्टर में निवेशकों का भरोसा लगातार बढ़ रहा है।

जियो पेमेंट्स बैंक ने लॉन्च किया सेविंग्स प्रो

मुंबई जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड की सहायक कंपनी जियो पेमेंट्स बैंक ने सोमवार को सेविंग्स प्रो सेवा की शुरुआत की। इस सुविधा के तहत ग्राहकों के बचत खाते में तय सीमा से अधिक धनराशि को स्वचालित रूप से ओवरनाइट म्युचुअल फंड (ग्रोथ प्लान) में निवेश किया जाएगा। प्रारंभिक चरण में ग्राहक 5,000 रुपए से शुरू होने वाली सीमा तय कर सकते हैं और इस सीमा से ऊपर की राशि चुनिंदा कम-जोखिम वाले फंड्स में निवेशित होगी। ग्राहक प्रतिदिन अधिकतम 1.5 लाख रुपए तक का निवेश कर सकेंगे। जियो पेमेंट्स बैंक का दावा है कि यह सुविधा पारंपरिक सेविंग अकाउंट की तुलना में बेहतर रिटर्न देगी। यह सेवा कुछ ही क्लिक में मोबाइल ऐप के माध्यम से सक्रिय की जा सकती है। यह कदम डिजिटल बैंकिंग और निवेश को एकीकृत करते हुए ग्राहकों को अधिक लाभ दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

संदूर मैग्नीज एंड आयरन ओर देगा 2:1 के अनुपात में बोनस शेयर

नई दिल्ली संदूर मैग्नीज एंड आयरन ओर लिमिटेड जो मैंगनीज और आयरन ओर्स माइनिंग में काम करती है, ने अपने शेयरधारकों के लिए 2:1 के अनुपात में बोनस शेयर देने की घोषणा की है। इसका मतलब है कि हर एक शेयरधारक को हर एक शेयर पर दो अतिरिक्त मुफ्त शेयर मिलेंगे। कंपनी ने इस प्रस्ताव को 8 अगस्त को अपनी बोर्ड मीटिंग में मंजूरी दी। बोनस शेयर के लिए रिकॉर्ड डेट 22 सितंबर निर्धारित की गई है। इस तारीख को जिन निवेशकों के पास शेयर होंगे, वे बोनस के पात्र होंगे। इसके अलावा कंपनी ने हाल ही में 1.25 रुपये प्रति शेयर का फाइनल डिविडेंड भी घोषित किया था, जिसकी रिकॉर्ड डेट 10 सितंबर 2025 थी। निवेशकों को डिविडेंड के साथ-साथ बोनस शेयर का फायदा भी मिलेगा। कंपनी का बीएसई पर शेयर 20 सितंबर को 478.20 रुपये पर बंद हुआ, जो पिछले दिन से 1.18 फीसदी अधिक था। पिछले 52 हफ्तों में इसके शेयर की कीमत 338.30 रुपये से लेकर 557.50 रुपये तक गई। हाल के महीनों में कंपनी के शेयर में लगातार बढ़ोतरी देखी गई है, जैसे 2 हफ्तों में 3 फीसदी, 3 महीनों में 5 फीसदी और 5 वर्षों में 1106 फीसदी तक रिटर्न मिला है।

पीरामल एंटरप्राइजेज और फाइनेंस का विलय, 23 सितंबर रिकॉर्ड डेट घोषित

– पीईएल के शेयर 23 सितंबर के बाद नहीं होंगे ट्रेड, निवेशकों को 1:1 अनुपात में मिलेंगे शेयर

नई दिल्ली पीरामल एंटरप्राइजेज लिमिटेड (पीईएल) ने अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, पीरामल फाइनेंस लिमिटेड (पीएफएल) के साथ मर्जर की प्रक्रिया शुरू कर दी है। कंपनी ने 23 सितंबर को रिकॉर्ड डेट घोषित की है, जिसके बाद पीईएल के शेयर बाजार में ट्रेड नहीं होंगे। इसके बदले निवेशकों को 1:1 अनुपात में पीएफएल के शेयर दिए जाएंगे। कंपनी द्वारा 20 सितंबर को बीएसई और एनएसई को दी गई फाइलिंग के अनुसार, नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) ने इस कॉम्पोजिट स्कीम ऑफ अरेंजमेंट को मंजूरी दे दी है और 16 सितंबर से यह मर्जर प्रभावी हो गया है। इस विलय का उद्देश्य पीरामल समूह की सभी लेंडिंग और फाइनेंसिंग गतिविधियों को एकीकृत करना है। मर्जर के बाद, योग्य निवेशकों को पीएफएल के शेयर अलॉट किए जाएंगे। अलॉटमेंट की प्रक्रिया पूरी होने के बाद पीएफएल अपने शेयरों को स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट कराने के लिए आवेदन करेगा। जब तक ये शेयर लिस्ट नहीं हो जाते, तब तक निवेशक उन्हें बाजार में ट्रेड नहीं कर पाएंगे। हालांकि पीएफएल की मौजूदा डेट सिक्योरिटीज पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 466 , निफ्टी 124 अंक नीचे आया

मुंबई

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 466.26 अंक करीब 0.56 फीसदी टूटकर 82,159.97 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 124.70 अंक तकरीबन 0.49 फीसदी नीचे आकर 25,202.35 पर बंद हुआ।

वहीं दूसरी ओर निफ्टी मेटल 0.39 फीसदी, निफ्टी उर्जा 0.69 फीसदी, निफ्टी कमोडिटीज 0.69 फीसदी और निफ्टी कंजप्शन 0.24 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ। आज लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी बिकवाली दर्ज की गयी। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 394.85 अंक करीब 0.67 फीसदी की गिरावट के साथ 58,699.50 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 215.65 अंक या 1.17 फीससी टूटकर 18,288.90 पर आ गया।

सेंसेक्स पैक में बजाज फाइनेंस, अदाणी पोर्ट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, एक्सिस बैंक, एचयूएल, बजाज फिनसर्व, एनटीपीसी और पावर ग्रिड लाभ वाले शेयरों में थे। टेक महिंद्रा, टीसीएस, इन्फोसिस, एचसीएल टेक, टाटा मोटर्स, ट्रेंट, एलएंडटी, एसबीआई और आईटीसी के शेयर नुकसान में रहे।

इससे पहले आज सुबह शेयर बाजार गिरावट से खुला। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप द्वारा एच-1बी वीजा नियमों में किए गए बड़े बदलाव से आईटी सेक्टर में भारी दबाव देखा गया। बीएसई सेंसेक्स 450 अंकों की गिरावट के साथ 82,151.07 पर खुला, जबकि

निफ्टी 25,238 पर खुला। दूसरी ओर एशियाई बाजारों में सकारात्मक माहौल रहा। ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच टेलीफोनिक बातचीत से ग्लोबल निवेशकों में उम्मीद जगी। जापान का निक्केई 1.4 फीसदी और दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.9 फीसदी ऊपर रहा। इस बीच भारत में आज से जीएसटी 2.0 लागू हो गया है।

सरकार ने टैक्स स्लैब की संख्या चार से घटाकर दो कर दी है - 5 और 18 फीसदी। रोजमर्रा की चीजें और वाहन सस्ते हो गए हैं, जिससे उपभोक्ताओं को राहत मिलने की उम्मीद है। आईपीओ बाजार में भी हलचल रही।

एफपीआई ने भारतीय बाजार से अब तक 7,945 करोड़ निकाले

नई दिल्ली वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं और बढ़ते भू-राजनीतिक तनावों के बीच विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने सितंबर 2025 में अब तक भारतीय शेयर बाजार से 7,945 करोड़ रुपये की निकासी की है। डिपॉजिटरी आंकड़ों के अनुसार यह निकासी जुलाई और अगस्त में क्रमशः 17,700 करोड़ और 34,990 करोड़ रुपए रही थी। इस साल अब तक एफपीआई द्वारा कुल 1.38 लाख करोड़ रुपये की निकासी हो चुकी है। हालांकि सितंबर के दौरान कुछ सकारात्मक घटनाक्रम भी देखे गए। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दर में 0.25 फीसदी की कटौती के बाद एफपीआई ने एक सप्ताह में लगभग 900 करोड़ रुपये की खरीदारी की, जिससे बाजार को अस्थायी राहत मिली। विश्लेषकों का मानना है कि 2025 में दो और दर कटौती की संभावना से वैश्विक तरलता में सुधार हो सकता है। बाजार के जानकारों के मुतो बिक ब्याज दरों में कटौती एफपीआई को आकर्षित कर सकती है, लेकिन फिलहाल वे शुद्ध बिकवाल बने हुए हैं। भारत की स्थिर आर्थिक स्थिति और अमेरिका-भारत व्यापार विवाद में कमी से माहौल में कुछ सुधार हुआ है। दिलचस्प रूप से, एफपीआई ने शेयर बाजार से निकासी के साथ-साथ बॉन्ड बाजार में निवेश बढ़ाया है। उन्होंने सामान्य सीमा के तहत 900 करोड़ और वीआरआर के माध्यम से 1,100 करोड़ रुपये का निवेश किया है।

घर बनाना हुआ सस्ता! सीमेंट और मार्बल पर जीएसटी दरों में बड़ी कटौती

– अब सीमेंट पर 28 की जगह 18 और मार्बल-ग्रेनाइट पर 5 फीसदी जीएसटी लगेगा

नई दिल्ली त्योहारी सीजन से पहले केंद्र सरकार ने आम जनता को बड़ी राहत दी है। सरकार ने सीमेंट, मार्बल और ग्रेनाइट जैसे निर्माण से जुड़ी जरूरी चीजों पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों में कटौती की है। यह नई दरें 22 सितंबर से लागू हो गई हैं। अब सीमेंट पर जीएसटी दर 28 से घटाकर 18 फीसदी कर दी गई है, जबकि मार्बल और ग्रेनाइट ब्लॉक्स पर 12 की जगह 5 फीसदी टैक्स लगेगा। इससे उन लोगों को सीधा लाभ मिलेगा जो नया घर बनवा रहे हैं या खरीदने की योजना बना रहे हैं। मान लीजिए आप 40 लाख रुपए की लागता का मकान बना रहे हैं, तो उसमें करीब 8 लाख रुपए केवल सीमेंट पर खर्च होता है। पहले इस पर 2.24 लाख रुपए जीएसटी लगता था, जो अब घटकर 1.44 लाख रुपए हो जाएगा। इस तरह सिर्फ सीमेंट पर ही 80,000 रुपए की सीधी बचत होगी। इससे मकान की कुल लागत में करीब 1 लाख रुपए तक की कमी आ सकती है।

ट्रंप ने वीजा शुल्क बढ़ाया भारत की टेक कंपनियों को मिल सकते हैं कामयाबी के पंख

नई दिल्ली

अमेरिका ने एच-1बी वीजा शुल्क बढ़ाकर एक लाख डॉलर कर दिया है। तमाम कंपनियों में इसको लेकर हड़कंप मच गया। हालांकि राहत वाली बात ये हैं कि जानकार बता रहे हैं कि ट्रंप के इस फैसले से भारत की टेक कंपनियों को कामयाबी के नए पंख मिल सकते हैं। इसके एक नहीं कई कारण है।इतिहास बताता है कि जब भी अमेरिका ने एच-1बी पर रोक लगाई, भारत ने उसे मौके में बदला। वाय2के ने आईटी सर्विस इंडस्ट्री को जन्म दिया, 2008 ने ऑफशोरिंग बढ़ाई और ट्रंप के पहले टर्म ने स्टार्टअप कल्चर को मजबूत किया। 2025 की यह फीस भारत को ग्लोबल टेक लीडर बनाने की दिशा में एक और कदम है। हां, चुनौतियां भी हैं - लौटने वाले टैलेंट के लिए अच्छी नौकरियां और बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर जरूरी होगा। लेकिन अगर भारत इसे सही से मैनेज करे तो 100 अरब डॉलर की आईटी एक्सपोर्ट इंडस्ट्री 500 अरब डॉलर तक पहुंच सकती है। अमेरिका का 'सेल्फ-गोल' भारत के लिए 'गोल्डन गोल' साबित हो सकता है।1990 के दशक के आखिर में वाय2के बग का डर था कि साल 2000 आते ही कई कंप्यूटर सिस्टम क्रैश हो जाएंगे। अमेरिकी और यूरोपीय कंपनियों को तुरंत सॉफ्टवेयर अपडेट करने के लिए सस्ते और कुशल प्रोग्रामर्स चाहिए थे, लेकिन वहां टैलेंट कम था। भारत के इंजीनियरिंग कॉलेजों से निकले और अंग्रेजी बोलने वाले प्रोग्रामर्स ने इस मौके को पकड़ा।टीसीएस, इंफोसिस और विप्रो जैसी कंपनियों ने वाय2के प्रोजेक्ट्स लिए। नास्सकॉम के अनुसार 1998-2001 के बीच

भारत ने 2.5 अरब डॉलर के वाय2के कॉन्ट्रैक्ट्स हासिल किए। उस समय एच-1बी वीजा की लिमिट और सख्त जांच के कारण कई भारतीय प्रोग्रामर्स अमेरिका नहीं जा पाए। नतीजा यह हुआ कि कंपनियों ने काम भारत में ही शिफ्ट कर दिया। बेंगलुरु और हैदराबाद में नए ऑफिस खुले और आईटी एक्सपोर्ट 2000 में 4 अरब डॉलर से बढ़कर 2005 में 17.7 अरब डॉलर हो गया। यही भारत के आईटी सेक्टर का पहला बड़ा बूम था।

टैरिफ चुनौती के बीच आर्थिक रफ्तार

डा. जयंतीलाल भंडारी

उम्मीद करें कि जीएसटी और इनकम टैक्स के तहत नए अहम कर सुधारों से करदाताओं की संख्या बढ़ाने, टैक्स जटिलता और मुकदमों में कमी लाने और टैक्स संग्रहण बढ़ाने में महत्त्वपूर्ण उपयोगिता मिलेगी। उम्मीद करें कि जीएसटी और इनकम टैक्स कर कानूनों में सुधारों से देश के उद्योग-कारोबार ट्रंप की टैरिफ चुनौतियों का मुकाबला करते हुए देश को आर्थिक रफ्तार देंगे।

यकीनन इस समय टैरिफ की चुनौती के बीच भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है और अब कर सुधारों से अर्थव्यवस्था की गति को पंख लगते हुए दिखाई देंगे। हाल ही में 19 सितंबर को दुनिया की प्रसिद्ध जापान की ग्लोबल रेटिंग एजेंसी रेटिंग एंड इन्वेस्टमेंट इंफार्मेशन (आरएंडआई) ने कहा कि अमेरिका के द्वारा भारत पर ऊंचे टैरिफ लगाने के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था बढ़े की प्रवृत्ति दिखा रही है। ऐसे में भारत की 'सॉवरेन रेटिंग' को एक पायदान ऊपर करते हुए बीबीबी प्लस किया गया है। इसके पहले भी पिछले दिनों एसएंडपी और मार्निंग स्टार डीबीआरएस जैसी वैश्विक क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों ने भारत की क्रेडिट रेटिंग को अपग्रेड किया है। गौरतलब है कि हाल ही में उभरते भारत कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि नए कर सुधार देश के हर नागरिक के लिए एक बड़ा उपहार है। इन दिनों हाल ही में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) और इनकम टैक्स में किए गए नए सुधारों और नई व्यवस्थाओं पर प्रकाशित हो रही विभिन्न रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि इन आमूल कर सुधारों से न केवल आम आदमी की जिंदगी आसान होगी, वरन देश विकसित राष्ट्र बनने की डगर पर भी तेजी से आगे बढ़ेगा। जीएसटी और इनकम टैक्स में किए गए बदलाव को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि यह आम लोगों के जीवन में खुशहाली का डबल धमाका है।

इनकम टैक्स में मिली 12 लाख तक की छूट के बाद अब जीएसटी की दरों में की गई कटौती से घरों का बजट सुधरेगा, आम लोगों की बचत बढ़ेगी और मध्यम वर्गीय लोगों की क्रयशक्ति में भी बड़ा इजाफा होगा। वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि नए कर सुधारों से इसी वर्ष 2025-26 के अंत तक भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनते हुए दिखाई दे सकता है। इस परिप्रेक्ष्य में यहां यह भी उल्लेखनीय है कि 9 सितंबर को वैश्विक क्रेडिट रेटिंग एजेंसी मूडीज ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा है कि भारत में कर दरों में कमी किए जाने से निजी उपभोग को बढ़ावा मिलेगा और आर्थिक विकास मजबूत होगा। साथ ही इससे महंगाई में भी कमी आएगी। यह भी कोई छोटी बात नहीं है कि 10 सितंबर को वैश्विक क्रेडिट रेटिंग एजेंसी फिच ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की विकास दर के अनुमान को 6.5 फीसदी से बढ़ाकर 6.9 फीसदी कर दिया है। गौरतलब है कि 22 सितंबर से लागू नए ऐतिहासिक जीएसटी सुधारों के तहत मौजूदा चार टैक्स स्लैब 5 फीसदी, 12 फीसदी, 18 फीसदी और 28 फीसदी में बदलाव करते हुए इन्हें घटाकर 5 फीसदी और 18 फीसदी स्लैब वाले दो-स्तरीय जीएसटी व्यवस्था के रूप में रणनीतिक पूर्वक आगे बढ़ाया गया है। हालांकि अहितकर वस्तुओं की श्रेणी में आने वाली कुछ वस्तुओं पर 40 फीसदी कर स्लैब लागू किया गया है। अब जीएसटी सुधारों के तीन बड़े आधार हैं। एक, स्ट्रक्चरल सुधार। इसमें टैक्स ढांचे को और बेहतर किया गया है। दो, टैक्स दरों को तर्कसंगत बनाया गया है, ताकि जरूरी वस्तुएं सस्ती हों तथा तीन, नए रजिस्ट्रेशन, रिफंड को आसान बनाया गया है। इससे इनपुट और आउटपुट टैक्स रेट्स में संतुलन आएगा। जीएसटी के रजिस्ट्रेशन से लेकर पालन प्रतिवेदन की प्रक्रिया भी आसान की गई है। कारोबारी अब सिर्फ तीन दिन में जीएसटी पोर्टल पर अपना पंजीयन करा सकेंगे। उन्हें 7 दिनों में रिफंड देने की व्यवस्था होगी। कच्चे माल और तैयार माल की दरों में भिन्नता होने के कारण इनपुट टैक्स रिटर्न में होने वाली दिक्कतों को भी समाप्त कर दिया गया है। उल्लेखनीय की जीएसटी के सुधारों से घरेलू खपत में जोरदार तेजी आएगी।

मध्यम वर्ग उत्पादों की खरीदी पर पैसा खर्च करेगा और मांग बढ़े से निजी निवेश को भी बढ़ावा मिलेगा। सरकार को भी उम्मीद है कि 48000 करोड़ रुपए के सालाना राजस्व नुकसान के बावजूद बाजार की गतिविधियों में तेजी आएगी और अर्थव्यवस्था को जिस तरह रफ्तार मिलेगी, उससे तात्कालिक नुकसान की सरलता से भरपाई हो जाएगी। निश्चित रूप से आम आदमी व मध्यमवर्गीय लोगों को कीमतों में राहत मिलेगी और लोगों की क्रय शक्ति बढगी और बाजार में नकदी प्रवाह भी बढ़ेगा। जो छोटे उद्योग ट्रंप टैरिफ के कारण निर्यात घटने को लेकर चिंतित हैं, उन्हें घरेलू उपभोक्ताओं की बढ़ती मांग से बड़ा सहारा मिलेगा। इतना ही नहीं जीएसटी घटने से औद्योगिक उत्पादन बढ़ेगा और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर से लेकर सर्विस सेक्टर तक मांग का बढ़ता हुआ नया अध्याय दिखाई देगा। अनुमान है कि देश में जीएसटी घटने से करीब 2 लाख करोड़ रुपए की खपत बढ़ेगी और निर्यात को भी नई गति मिलेगी। मांग व उत्पादन बढ़े से जीडीपी में भी वृद्धि होगी। रोजगार के अवसरों में भी वृद्धि होगी। निश्चित रूप से जिस तरह केंद्र सरकार जीएसटी में आमूल बदलाव की डगर पर आगे बढ़ी है, उसी तरह सरकार इनकम टैक्स को आसान और राहतकारी बनाने के लिए भी तेजी से आगे बढ़ी है। इनकम टैक्स बिल 2025 राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद अब कानून बन गया है। यह कानून मौजूदा इनकम टैक्स कानून 1961 की जगह लेते हुए एक अप्रैल 2026 से लागू किया जाएगा। वस्तुतः नया इनकम टैक्स कानून महज कुछ धाराओं का बदलाव नहीं, बल्कि पूरी टैक्स व्यवस्था का कायापलट होगा। इससे देश में टैक्स सिस्टम के डिजिटल और सरल युग का नया दौर शुरू होगा। इस नए कानून के तहत टैक्स कानूनों के मकडजाल को खत्म कर एक ऐसी प्रणाली निर्मित होगी, जो सहज और आम टैक्सपेयर के लिए लाभकारी हो और इससे नए करदाता अपनी आमदनी के मुताबिक इनकम टैक्स देने के लिए तत्पर हों। खास बात यह है कि मौजूदा इनकम टैक्स स्लैब में कोई बदलाव नहीं किया गया है। खास बात यह भी है कि 1961 के इनकम टैक्स कानून में वर्ष 2024 तक 4000 से ज्यादा संशोधन व सुधार हुए हैं और इसमें 5 लाख से ज्यादा शब्द हैं।

ऐसे जटिल हो चुके इनकम टैक्स कानून को सरल और व्यावहारिक बनाने के लिए नया इनकम टैक्स कानून 2025 एक अत्यंत सराहनीय कदम है। नया इनकम टैक्स कानून पुराने कानून को लगभग 50 प्रतिशत तक सरल बनाता है। नया इनकम टैक्स कानून भाषा को आसान बनाने के साथ ही कटौतियों को स्पष्ट करता है और विभिन्न प्रावधानों के बीच क्रॉस रेफरेंसिंग को मजबूत करता है। नया कानून गृह संपत्ति से होने वाली आय, जिसमें मानक कटौती और गृह ऋण पर निर्माण-पूर्व ब्याज शामिल है, से जुड़ी अस्पष्टताओं को दूर करता है। नए कानून के माध्यम से टैक्स कानून को सरल बनाते हुए उसके पेजों की संख्या को आधी कर दिया गया है और अप्रासंगिक हो चुके प्रविधानों को हटा दिया गया है। उम्मीद करें कि 22 सितंबर से लागू नई जीएसटी व्यवस्था और दो स्लैब वाली कर प्रणाली के साथ-साथ एक अप्रैल 2026 से लागू होने वाले नए इनकम टैक्स कानून के तहत नए बदलाओं के कार्यान्वयन पर सरकार शुरूआत से ही इस तरह ध्यान देगी कि इन कानूनों की सरलता से देश के करोड़ों लोग लाभान्वित हों और भ्रष्टाचार भी नियंत्रित हो। उम्मीद करें कि जीएसटी और इनकम टैक्स के तहत नए अहम कर सुधारों से करदाताओं की संख्या बढ़ाने, टैक्स जटिलता और मुकदमों में कमी लाने और टैक्स संग्रहण बढ़ाने में महत्त्वपूर्ण उपयोगिता मिलेगी। उम्मीद करें कि जीएसटी और इनकम टैक्स कर कानूनों में सुधारों से देश के उद्योग-कारोबार ट्रंप की टैरिफ चुनौतियों का मुकाबला करते हुए देश को आर्थिक रफ्तार देंगे।

(लेखक विख्यात अर्थशास्त्री है)

संपादकीय

ट्रंप का वीजा बम

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रोजाना कुछ न कुछ ऐसा कर रहे हैं, जिससे भारत सरकार और भारतीय निशाने पर आ जाते हैं। ट्रंप आड़ तो अपने देश के युवाओं के रोजगार बढ़ाने की ले रहे हैं, लेकिन हमला भारतीय युवाओं की आकांक्षाओं पर कर रहे हैं। अभी अमेरिका से भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत शुल्क का मामला सुलझा भी नहीं है कि ट्रंप ने एच1बी वीजा का बम गिरा दिया है। एच1बी वीजा शुल्क को सालाना 100,000 अमेरिकी डॉलर तक बढ़ा दिया है। इस कदम से अमेरिका में काम करने वाले भारतीय पेशेवरों, जिनमें बड़ी संख्या में आईटी से जुड़े हैं, पर गंभीर असर पड़ेगा। भारतीय आईटी कंपनियों के शेयरों में आई गिरावट ने असर की झांकी दिखा दी है। अमेरिका का दावा है कि एच1बी वीजा का बहुत दुरुपयोग होता है। इसकी शुरूआत उन उच्च कुशल कामगारों को अमेरिका में आने की अनुमति देने के लिए की गई थी, जो उन क्षेत्रों में काम करते हैं, जहां अमेरिकी काम नहीं करते। 100,000 डॉलर के शुल्क के बाद सुनिश्चित होगा कि वास्तव में कुशल लोग ही अमेरिका आएं और अमेरिकी कामगारों का स्थान नहीं लें। ट्रंप का तर्क है कि रोजगार आधारित ग्रीन कार्ड कार्यक्रम के तहत प्रति वर्ष 281,000 लोगों को अमेरिका में प्रवेश मिलता है, तथा ये लोग औसतन प्रति वर्ष 66,000 अमेरिकी डॉलर कमाते हैं तथा सरकारी सहायता कार्यक्रमों का भारी लाभ उठाते हैं। हम इसे बंद करने जा रहे हैं। इस कदम का उन भारतीय कर्मचारियों पर गहरा असर पड़ेगा जिन्हें प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कंपनियां और अन्य कंपनियां एच1बी वीजा पर नियुक्त करती हैं। ये वीजा तीन साल के लिए वैध होते हैं, जिन्हें तीन साल के लिए नवीनीकृत किया जा सकता है। आदेश के कुछ घंटों बाद शनिवार को अमेरिका में एच1बी वीजा पर रह रहे भारतीयों में भ्रम व चिंता व्याप गई। कई भारतीयों ने भारत यात्रा की अपनी योजना रद्द कर दी। जो भारत आए हुए थे उनमें जल्द से जल्द लौटने की मारामारी मच गई। हालांकि बाद में कहा गया कि यह शुल्क नये आवेदकों पर ही लागू होगा। पुराने वीजा धारक प्रभावित नहीं होंगे। कांग्रेस पार्टी अमेरिका के फैसले के बाद प्रधानमंत्री मोदी पर हमलावर हो गई। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने तल्ख टिप्पणी की कि आपके जन्मदिन पर फोन कॉल के बाद आपको जो जवाबी तोहफा मिला है, उससे भारतीय नागरिकों को दुख हुआ है। गले मिलना, खोखले नारे लगवाना और संगीत कार्यक्रम करवाना कोई विदेश नीति नहीं है। हमें अपने हितों के लिए गंभीर होना होगा।

चिंतन-मनन

ध्वनि का प्राणी शरीर पर प्रभाव

यह जानकर खुश होगें की ध्वनि का प्रभाव प्रत्येक जीव के शरीर पर पड़ता है। वर्तमान औधोगिकी करण और तकनीकि से ध्वनि प्रदूषण अधिक मात्रा में बढ़ रहा है। इस ध्वनि प्रदूषण के परिणाम देखते हुये नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ. राबर्ट कॉक ने सन 1925-26 में एक बात कही थी एक दिन ऐसा आयेगा, जब पूरे विश्व में स्वस्थ्य का सबसे बड़ा शत्रु ध्वनि प्रदूषण होगा। यह ध्वनि प्रदुषण दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। मानव का मन, मस्तिष्क और शरीर बहुत संवेदन शील हैं। यह ध्वनि तरगों के प्रति भी बेहद संवेदन शील है। जैसे जब कोई संगीत सहित, गीत गाता है,या वाद्य बजाता है तो मन अपने आप उस पर केन्द्रित हो जाता है उसे सुनते ही अंग-अंग थिरकने लगता है, मन प्रसन्नता से भर जाता है, शरीर में आनंद की लहर छा जाती है। इसके विपरीत कानो को अप्रिय लगने वाली तेज ध्वनि सुनाई देती है तब मानव को शारीरिक और मानसिक दोनो तरह की परेशानी होती है। जिससे व्यक्ति का मानसिक संतुलन बिगड़ जाता है एवं स्वस्थ्य खराब हो जाता है। वह बहरा और पागल भी हो सकता है।

डेसी बल ध्वनि की तीब्रता नापने की इकाई है। इसका अविष्कार ह्यग्राहमबेलह्ल बैज्ञानिक ने किया था। आधुनिक वैज्ञानिकों का कहना है कि 150 डेसीबल की ध्वनि बहरा भी बना सकती है। 160 डेसीबल की ध्वनि त्वचा जला देती है। 180 डेसीबल की ध्वनि मौत की नींद सुला सकती है। 120 डेसीबल की ध्वनि ह्रदयगति बढ़ना प्रारंभ हो जाती है। जिससे ह्रदय रोग एवं उच्च रक्त चाप की बीमारी जन्म लेती है। हर मानव को 60 डेसीबल तक की ध्वनि वाले वातावरण में रहना चाहिए प्रदूषण की श्रेणी में 75 डेसीबल से अधिक की ध्वनि शोर आता है। ध्वनि प्रदुषण से आंखों की पुतली का मध्य छिद्र फैल जाता है, आमाशय और ऑतों पर घातक प्रभाव से पाचन क्रिया बिगड़ जाती है। इससे शरीर की प्रति रोधी क्षमता घट जाती है, ग्रनथियों से हार्मोन्स का श्राव अनियमित हो जाता है, स्नायु खिच जाते है, शरीर में थकान, मानसि तनाव, चिड़चिड़ापन, अनिद्रा, स्मरण शक्ति कमजोर हो जाती अतः हमें तेज ध्वनि से बचना चाहिए।

अमेरिका के लिए आत्मघाती होंगी ट्रम्प की नीतियां

दिलीप कुमार पाठक

अमेरिकी इतिहास जब लिखा जाएगा तो लिखा जाएगा कि एक राष्ट्रपति ऐसे बने थे, जो दुनिया बदल डालने, अपनी उंगली पर नचाने की हनक पाले हुए थे, परंतु खुद भी मजाक के पात्र बन गए थे। आज डोनाल ट्रम्प अमेरिकी इतिहास के सबसे हास्यापद राष्ट्रपति के रूप में जाने जाते हैं, ट्रम्प सुबह पाकिस्तान के साथ होते हैं तो शाम को भारत के पक्ष में हो जाते हैं।। कभी चाइना के राष्ट्रपति की तारीफों के पुल बांधने लगते हैं तो कभी रसिया के राष्ट्रपति के सम्मान में नारे लगाने लगते हैं। कभी भारत को मित्र बताते हैं तो कभी भारत को सबसे बड़ा दुश्मन... समझ नहीं आता कि ट्रम्प ऐसा क्यों कर रहे हैं। जब से ट्रम्प दोबारा राष्ट्रपति बने हैं, तब से ऐसा कोई भी दिन नहीं गया जिस दिन उन्होंने भारत के खिलाफ गलत बयानी न किया हो। पहले 50% टैरिफ लगा दिया, और अब एच-1 वीजा में सख्ती लगा दी है। ट्रम्प भली भांति जानते हैं कि दक्षिण एशिया में चीन की दादागिरी के सामने अगर कोई टिक सकता है तो वो केवल और केवल भारत है। अन्यथा दक्षिणी एशिया में चाइना अमेरिका की धज्जियाँ उड़ा देगा। ट्रम्प हर दिन भारतीय मीडिया में छाए रहते हैं। आजकल अपनी वीजा पॉलिसी के लिए खबरों में हैं। हर दिन ट्रम्प भारत के खिलाफ निर्णय लेते हैं जिससे भारत के बाजार में हलचल हो भारतीय लोगों को परेशानी का कारण पड़ता है। ट्रम्प को भूलना नहीं चाहिए कि भारत एक संप्रभुता वाला राष्ट्र है,

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एच1-बी वीजा को लेकर बड़ा ऐलान किया है। एच1-बी वीजा के लिए आवेदन शुल्क को बढ़ाकर 100000 डॉलर यानी लगभग 84 लाख रुपये कर दिया गया है। इस घोषणा के बाद अमेरिका में काम कर रहे भारतीयों में हड़कंप मचा हुआ है। अमेरिका में एच1बी वीजा धारकों की सबसे बड़ी संख्या भारतीयों की है, जिन्हें अब अपनी नौकरी पर खतरा नजर आ रहा है। असमंजस की स्थिति और बढ़ गई जब अमेरिकी दिग्गज कंपनियों ने कर्मचारियों को 20 सितम्बर तक हर हाल में अमेरिका वापस लौटने की सलाह दी। इस बीच वॉइट हाउस ने बयान जारी कर स्थिति को साफ किया है। वॉइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने शनिवार को स्पष्ट किया है कि हाल ही में घोषित 10000 डॉलर का एच1-बी वीजा शुल्क केवल नए वीजा आवेदनों पर लागू होगा। उन्होंने साफ कहा कि यह वार्षिक शुल्क नहीं है। दरअसल ट्रंप की एच1-बी वीजा में व्यापक बदलाव की योजना ने भारतीय आईटी पेशेवरों और कंपनियों में यह आशंका पैदा कर दी है कि अमेरिका से बाहर रहने वाले वीजा होल्डर को वापस लौटने के लिए तत्काल समय सीमा का सामना करना पड़ सकता है। ट्रंप प्रशासन के इस फैसले को लेकर भारत में जबरदस्त हलचल हो गई है क्योंकि बड़ी संख्या में भारतीय प्रोफेशनल्स एच-1बी वीजा प्रोग्राम के तहत अमेरिका में नौकरी करने जाते हैं। देखा जाए तो इस कदम से भारतीय परिवारों के लिए मुश्किल पैदा हो सकती है। भारत सरकार ने उम्मीद जताई कि इन मुश्किलों को अमेरिकी अधिकारी सही ढंग से हल कर सकते हैं। भारत और अमेरिका दोनों देशों के उद्योग जगत की इनोवेशन और क्रिएटिविटी में हिस्सेदारी है और उनसे आगे बढ़ने के बेहतर रास्ते पर परामर्श की उम्मीद की जा सकती है। स्किल्ड लोगों की आवाजाही ने अमेरिका और भारत में प्रौद्योगिकी विकास, इनोवेशन, आर्थिक वृद्धि, प्रतिस्पर्धा और संपन्नता बढ़ाने में बहुत बड़ा योगदान दिया है। इसलिए, नीति-निमार्ता हाल के अमेरिकी फैसले का आकलन आपसी हितों को ध्यान में रखते हुए करेंगे, जिसमें दोनों देशों के बीच गहरे पीपल-टू पीपल संबंध भी शामिल हैं।

एक बड़ी चिंता यह खड़ी हो गई है कि ट्रंप प्रशासन के इस फैसले के बाद क्या भारत में ऐसे लोग जो अमेरिका जाकर काम करने की ख्वाहिश रखते हैं और सपना देखते हैं, उनका यह सपना टूट जाएगा क्योंकि कंपनियां किसी कर्मचारी के लिए इतनी बड़ी राशि का भुगतान करने के लिए शायद तैयार नहीं होंगी। यह फैसला 21 सितंबर से लागू होगा। कहा जा रहा है कि अमेरिका के इस फैसले का सबसे ज्यादा असर भारतीयों पर ही होगा। दो लाख से ज्यादा भारतीयों पर इसका सीधे तौर पर असर पड़ सकता है। अमेरिकी आईटी कंपनियों में काम करने वालों पर असर पड़ेगा। अब अमेरिका में कम नौकरियों के अवसर होंगे। अमेरिकी यूनिवर्सिटी में मास्टर या पीएचडी करने वाले छात्रों पर असर पड़ेगा। पढ़ाई पूरी करने के बाद अमेरिका में सीमित अवसर होंगे. अगर आप पढ़ाई करने गए और वहां पर आप नौकरी का अवसर तलाशते हैं तो वो भी सीमित हो जाएंगे क्योंकि वरीयता होगी अमेरिका के लोगों को लिया जाए। भारतीय छात्रों और लोगों पर आर्थिक दबाव बढ़ेगा। अमेरिका में करियर की शुरूआत करने वालों को दिक्कत होगी। अमेरिका में अधिकर भारतीय आईटी क्षेत्र में कार्यरत होते हैं। यानी कि जो लोग जो आईटी प्रोफेशनल्स है या फिर दूसरी कंपनी में काम करते हैं, उनके लिए सबसे ज्यादा इसका असर पड़ने वाला है। मिड-लेवल और एंट्री लेवल कर्मचारियों को वीजा मिलने में मुश्किल आएगी।

अमेरिकी कंपनियां नौकरियां दूसरे देशों से आउटसोर्स कर सकती हैं। यानी अब जो दूसरे देश है वहां पर भी इसका उनको अवसर मिलेगा, यानि भारतीयों को भारत के लोगों को इसका सीधा नुकसान हो रहा है।

यह कदम केवल भारतीयों पर ही नहीं, बल्कि अमेरिका की अर्थव्यवस्था पर भी असर डालेगा, इसका सीधा असर अमेरिका में भी पड़ेगा, वहाँ की आर्थिक स्थिति पर असर होगा, परंतु डोनाल्ड ट्रम्प ने ठान लिया है कि अमेरिका को चाहे जितना नुकसान हो जाए, चर्चा में बने रहने के लिए अनाप - शनाप निर्णय लेते रहेंगे। इसलिए कहना गलत नहीं कि अमेरिकी इतिहास के सबसे अपरिपक्व राष्ट्रपति सिद्ध होंगे।

रूस की चेतावनी नई वैश्विक कूटनीतिक व्यवस्था का संकेत

उमेश चतुर्वेदी

रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने दावा किया कि भारत और चीन पर अमेरिका की टैरिफ धमकी बेअसर हो रही है और वाशिंगटन में दोनों प्राचीन सभ्यताओं के साथ ऐसी भाषा के प्रयोग की निरर्थकता को लेकर बहस चल पड़ी है।

भारत और चीन के खिलाफ जारी अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के टैरिफ युद्ध के खिलाफ रूस का खुलकर उतरना वैश्विक राजनीतिक परिदृश्य में बदलाव का उदाहरण है। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव का दोनों देशों के पक्ष में खुलकर उतरना यह साबित करता है कि तीनों ही देश कम से कम आर्थिक विषयों के मामले में साथ आ रहे हैं। रूस का खुलकर भारत और चीन का साथ देना और अमेरिका का विरोध करना, वैश्विक दादागिरी वाली अमेरिकी कूटनीति को सीधी चुनौती कही जा सकती है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हालांकि भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनके जन्मदिन 17 सितंबर के दिन बधाई देकर एक तरह से दोनों देशों के रिश्तों में टैरिफ युद्ध के चलते आई तल्खी को कम करने की कोशिश जरूर की है। लेकिन जमीनी स्तर पर अमेरिकी रूख में कोई बदलाव नहीं आने की वजह से वास्तविक हालात में कोई बदलाव नहीं दिख रहा है। ऐसे मौके पर सर्गेई लावरोव का बयान एक तरह से अमेरिका को चेतावनी हो सकता है।

भारत से अमेरिका को होने वाले आयात पर पचास प्रतिशत का टैरिफ लगाने के लिए अमेरिका ने रूस से भारत द्वारा कच्चा तेल खरीदने को कारण बताया है। अमेरिका का कहना है कि भारत ऐसा करके रूस को यूक्रेन युद्ध में फंडिंग कर रहा है। हालांकि भारत इससे इनकार करता रहा है। भारत वैसे भी रूस से तेल खरीदने वाले देशों में निचले पायदान पर है। हां, भारत की रूस से नजदीकी रही है और वह बनी हुई है। विशेषकर रक्षा क्षेत्र में रूस से भारत की नजदीकी दशकों से बनी हुई है। अमेरिका इससे चिढ़ता रहा है। हालांकि पिछले करीब दो दशकों से इसमें कमी आई है। इसकी वजह भारत का विशाल मध्य वर्गीय बाजार रहा है। जिसके जरिए अमेरिकी कंपनियां मोटा मुनाफा कमा रही हैं। लेकिन ट्रंप काल में आए टैरिफ बम के चलते इसमें गिरावट आ रही है।

सर्गेई लावरोव ने अमेरिका को एक तरह से चेतावनी दी, अपने ही देश के मुख्य टीवी चैनल 1टीवी के कार्यक्रम ह्यद ग्रेट गेमह्न में उन्होंने कहा कि चीन और भारत प्राचीन सभ्यताएं हैं। उनसे इस तरह से बात करना कि या तो आप वह बंद कर दें जो हम नहीं चाहते या हम आप पर टैरिफ थोप देंगे, काम नहीं कर पाया।

सर्गेई ने इस कार्यक्रम में एक तरह चुटकी भी ली। उन्होंने अमेरिका के चीन और भारत से जारी रिश्तों को लेकर कहा कि चीन और भारत से जिस तरह का अमेरिकी संपर्क जारी है, वह दिखाता है कि अमेरिकी पक्ष वैश्विक कूटनीति में आ रहे बदलावों को समझ चुका है।

लावरोव ने अमेरिका के प्रति भारत और चीन की प्रतिक्रिया की ओर इशारा करते हुए कहा कि अमेरिकी कदम से दोनों देशों को थोड़ी आर्थिक परेशानी जरूर हुई, क्योंकि दोनों ही देशों यानी चीन और भारत को नए बाजारों और ऊर्जा आपूर्ति के नए स्त्रोतों की तलाश करने और ज्यादा कीमत चुकाने पर मजबूर होना पड़ा। लेकिन इससे कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण ये है कि इस अमेरिकी रवैये का नैतिक और राजनीतिक विरोध भी हो रहा है।

लावरोव का यह कहना भी कि रूस पर नए प्रतिबंधों से कोई खतरा नहीं है, बहुत मानीखेज है। इसका मतलब यह है कि रूस कम से कम इस वक्त अमेरिकी दबवा में नहीं आने जा रहा। रूस पर वैसे ही बाइडन प्रशासन के जमाने से कई तरह की पाबंदियां लगी हुई हैं, फिर भी रूस की सेहत और कूटनीति पर विशेष असर नहीं पड़ा है।

ध्यान देने की बात यह है कि रूस, चीन और भारत की कुल जनसंख्या करीब तीन अरब है। जो वैश्विक जनसंख्या का करीब चालीस फीसद है। वैश्विक अर्थव्यवस्था में तीनों देशों की अर्थव्यवस्था की सामूहिक भागीदारी करीब 32 प्रतिशत है। जाहिर है कि दुनिया में इनकी हिस्सेदारी अहम है। ऐसे में लावरोव का बयान एक तरह से अमेरिका को चुनौती ही है कि टैरिफ युद्ध खत्म हो या न हो, तीनों देश कम से कम अपनी आर्थिक चुनौतियों के सामने झुकने नहीं जा रहे।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

संक्षिप्त समाचार

लिंडसे ग्राहम की अपील- रूस से तेल खरीदने पर चीन पर प्रतिबंध लगाए अमेरिका

वाशिंगटन, एजेंसी। रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने शुक्रवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से रूस से सस्ता तेल खरीदने के लिए चीन पर प्रतिबंध लगाने का आग्रह किया। उनकी यह टिप्पणी यूरोपीय संघ (ईयू) की ओर से रूस के साथ व्यापार करने वाली चीनी ऊर्जा कंपनियों पर प्रतिबंधों की घोषणा के बाद आई है। ग्राहम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, राष्ट्रपति ट्रंप का सस्ता तेल खरीदने पर भारत पर लगाया गया 25 प्रतिशत टैरिफ मुनाफा दे रहा है। अब अमेरिका को चीन और रूस पर भी टैरिफ और प्रतिबंध लगाने का समय आ गया है। इसी बीच, यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने घोषणा की है कि ईयू 2027 तक रूसी एलएनजी (गैस) का आयात पूरी तरह से बंद कर देगा।

कनाडाई सरकार ने आयरलैंड के रैप समूह नीकैप पर लगाया प्रतिबंध

टोरंटो, एजेंसी। कनाडाई सरकार ने शुक्रवार को आयरिश-भाषा के रैप समूह नीकैप पर देश में प्रवेश करने पर प्रतिबंध लगा दिया है। सरकार का कहना है कि नीकैप ने राजनीतिक हिंसा और आतंकवाद का समर्थन किया है। सांसद विन्स गैस्परो ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो में कहा कि नीकैप ने आतंकी संगठनों हिजबुल्लाह और हमास के लिए समर्थन दिखाया है। यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता नहीं है। इसके जवाब में समूह ने इंस्टाग्राम पर आरोपों को पूरी तरह से गलत और दुर्भावनापूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि वे इस्राइल के जरिये किए जा रहे नरसंहार के विरोध में हैं, इसलिए उन्हें चुप कराने की कोशिश की जा रही है। नीकैप ने गैस्पारो के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू करने का फैसला किया है। गौरतलब है कि कोचेला फेस्टिवल में भी नीकैप ने इस्राइल पर नरसंहार का आरोप लगाया था।

हसीना की भतीजी के खिलाफ जाली दस्तावेज बना रहे अफसर

ढाका, एजेंसी। ब्रिटेन की सत्तारूढ़ लेबर पार्टी की सांसद और बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की भतीजी ट्यूलिप सिद्दीकी ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि बांग्लादेशी अफसर उनके विरुद्ध सियासी दुष्प्रचार के लिए जाली पहचान पत्र और दस्तावेज तैयार कर रहे हैं। ट्यूलिप ने कहा, ये अभियान पिछले एक साल से चलाया जा रहा है और फर्जी दस्तावेजों के जरिये उन्हें भ्रष्ट साबित करने की कोशिश की जा रही है। यह आरोप ब्रिटिश अखबार द टेलीग्राफ की ऑनलाइन रिपोर्ट में सामने आया। रिपोर्ट में दावा किया गया कि उपलब्ध दस्तावेजों के अनुसार ट्यूलिप के पास बांग्लादेशी पासपोर्ट और राष्ट्रीय पहचान पत्र (एनआईडी) उपलब्ध है जो उनके पहले दिए गए बयानों से मेल नहीं खाता।

हिजबुल्ला ने सऊदी अरब से इस्राइल के खिलाफ एक होने को कहा

रियाद, एजेंसी। आतंकवादी संगठन हिजबुल्लाह के महासचिव नईम कासिम ने सऊदी अरब से लेबनानी सशस्त्र समूह के साथ रिश्तों को फिर से बहाल करने और इस्राइल के खिलाफ एकजुट मोर्चा बनाने की अपील की है। यह अपील शुक्रवार को लेबनान के दक्षिण में इस्राइल के हमलों के तेज होने के बाद आई है। कासिम ने रियाद से हिजबुल्लाह के साथ एक नया अध्याय शुरू करने का आह्वान किया। कासिम ने चेतावनी दी कि हिजबुल्लाह पर दबाव बनाने से केवल इस्राइल को ही फायदा होगा। गौरतलब है कि सऊदी अरब और हिजबुल्लाह के बीच वर्षों से तनाव रहा है। 2016 में सऊदी अरब के नेतृत्व में गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल (जीसीसी) ने हिजबुल्लाह को आतंकी समूह घोषित किया था।

अफगानिस्तान में महीनों कैद रहने के बाद ब्रिटिश दंपती स्वदेश लौटे

लंदन, एजेंसी। अफगानिस्तान में सात महीने से अधिक समय तक कैद में रहने के बाद एक ब्रिटिश दंपती शनिवार को स्वदेश लौट आया। तालिबान ने शुक्रवार को 80 वर्षीय पीटर रेनॉल्ड्स और उनकी 76 वर्षीय पत्नी बार्बी रेनॉल्ड्स को रिहा किया था। हीथ्रो हवाई अड्डे पर पहुंचे दंपती को मुस्कुराते और स्वस्थ दिखाई देते हुए देखा गया। दोनों अफगानिस्तान के बामियान प्रांत में 18 वर्षों से रह रहे थे और वहां शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्था चला रहे थे। 2021 में तालिबान के सत्ता पर कब्जा करने के बाद भी उन्होंने वहीं रहने का फैसला किया था। फरवरी में बामियान लौटते समय उनकी गिरफ्तारी हुई और उन्हें लगभग आठ महीने तक अधिकतम सुरक्षा वाली जेल में रखा गया, जहां लंबे समय तक दोनों को अलग-अलग रखा गया। विश्लेषकों का मानना है कि कतर की मध्यस्थता से हुई यह रिहाई तालिबान की उस कोशिश का हिस्सा हो सकती है।

बगराम एयरबेस नहीं सौंपा तो अंजाम बुरा होगा, अफगानिस्तान को ट्रंप की चेतावनी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को बगराम सैन्य अड्डे को अमेरिका को सौंपने से इनकार करने पर तालिबान को धमकी दी है। उन्होंने कहा कि अफ़ग़ानिस्तान को खराब बातें करने की धमकी दी। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर कहा, ÷अगर अफ़ग़ानिस्तान बगराम एयरबेस को इसे बनाने वालों, यानी अमेरिका को वापस नहीं करता, तो बहुत बुरा होने वाला है!!÷ दो दिन पहले भी डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि बगराम एयरबेस को छोड़ देना जो बाइडेन प्रशासन की बड़ी गलती थी और इसे सुधारा जाएगा। उन्होंने कहा था कि बगराम एयरबेस चीन के करीब है और अमेरिका के लिए बेहद जरूरी है इसलिए अमेरिकी फौज की अफगानिस्तान में वापसी होगी।

ट्रंप के इस बयान के बाद अफगानिस्तान के एक वरिष्ठ अधिकारी ने युद्ध के बाद देश में बगराम एयरबेस पर पुनः कब्जा करने के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के हालिया बयान की आलोचना की और कहा कि हम अफगान अपने देश में विदेशी सैन्य उपस्थिति को कभी स्वीकार नहीं करेंगे। शुक्रवार को अफगानिस्तान के सरकारी रेडियो और टेलीविजन (आरटीए) ने इसकी जानकारी दी थी।

तालिबानी विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ राजनयिक जलाली के हवाले से कहा कि अपने पूरे इतिहास में अफगानों ने कभी भी अपनी धरती पर विदेशी सैन्य की उपस्थिति को स्वीकार नहीं किया है। अफगानिस्तान और अमेरिका को द्विपक्षीय सम्मान एवं साझा हितों के मद्देनजर आर्थिक और राजनीतिक संबंधों पर सहयोग करने की जरूरत है।

बता दें कि काबुल से 50 किलोमीटर उत्तर बगराम एयरबेस पर अमेरिकी नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन बल 20 साल से यहां काबिज थे। इस एयरबेस ने अमेरिकी सैनिकों के लिए मुख्य सैन्य अड्डे के रूप में अगस्त 2021 तक कार्य किया। अगस्त 2021 में अमेरिकी सेना के हटने के बाद अफगानिस्तान की मौजूदा सरकार के पास अब इसका नियंत्रण है।

अमेरिका के सैन्य अधिकारियों का कहना है कि अगर बगराम एयरबेस पर दोबारा कब्जा किया जाता है तो इसके लिए करीब 10 हजार सैनिकों की जरूरत होगी। ट्रंप ने कहा था कि उनकी बगराम एयरबेस को लेकर अफगानिस्तान से बातचीत चल रही है। उन्होंने कहा था कि अगर अफगानिस्तान नहीं मानता है तो वह अपने ढंग से रास्ता निकालेंगे।

बगराम एयरबेस की अहमियत : अफगानिस्तान में मौजूद बगराम एयरबेस दुनिया के सबसे बड़े सैन्य ठिकानों में से एक है। 2021 में अमेरिकी सेना की वापसी के बाद यह एयरबेस तालिबान के नियंत्रण में चला गया था। यह बेस चीन और अफगानिस्तान की सीमा के पास होने के कारण रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। लंदन दौरे पर ट्रंप ने कुछ दिन पहले कहा था कि उनकी योजना थी कि अमेरिका अफगानिस्तान से सम्मानजनक तरीके से सेना हटाएगा, लेकिन बगराम एयरबेस अपने पास रखेगा। उन्होंने कहा, हमने इसे तालिबान को मुफ्त में दे दिया। अब हम इसे वापस लेने की कोशिश कर रहे हैं।

अमेरिकी कांग्रेस का समर्थन और चीन का रुख : अफगान मीडिया के मुताबिक, कई अमेरिकी सांसद भी ट्रंप की इस मांग का समर्थन कर रहे हैं। उनका मानना है कि बगराम पर दोबारा अमेरिकी नियंत्रण होना अमेरिका की सुरक्षा और रणनीतिक हितों के लिए जरूरी है। वहीं चीन ने ट्रंप की धमकी पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अफगानिस्तान की संप्रभुता और स्वतंत्रता का सम्मान किया जाना चाहिए। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने कहा, अफगानिस्तान का भविष्य उसके लोगों के हाथ में होना चाहिए। किसी भी देश को क्षेत्र में तनाव बढ़ाने का काम नहीं करना चाहिए।

अफगानिस्तान का जवाब और रूस की चेतावनी : हालांकि तालिबान सरकार ने ट्रंप के बयान पर आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है, लेकिन कुछ समय पहले अफगान विदेश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी ने स्पष्ट कहा था, अफगानिस्तान की जमीन का एक इंच भी किसी विदेशी सेना की मौजूदगी के लिए स्वीकार्य नहीं है। राष्ट्रपति ट्रंप और अन्य देशों तक यह संदेश पहुंचना चाहिए। वहीं रूस पहले ही चेतावनी दे चुका है कि अमेरिका अफगानिस्तान में फिर से सैन्य उपस्थिति स्थापित करने की कोशिश कर रहा है, जिससे क्षेत्रीय अस्थिरता बढ़ सकती है।

वॉशिंगटन अब सुरक्षित और खूबसूरत- ट्रंप : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वॉशिंगटन डीसी में अपराध पर नियंत्रण के बाद हालात पूरी तरह बदल गए हैं। उन्होंने दावा किया कि शहर अब खूबसूरत और सुरक्षित हो गया है। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, वॉशिंगटन अब पिछले साल जैसा नहीं रहा। न सड़क पर टेंट हैं, न गैंग, न खतरनाक अपराधी। सड़कें साफ-सुथरी और पार्क हरे-भरे हैं। शहर अब खूबसूरत और सुरक्षित है। यह अच्छे शासन का असर है।

नीदरलैंड में शरणार्थियों के खिलाफ हिंसक प्रदर्शन, पुलिस ने आंसू गैस और वाटर कैनन छोड़ा, 30 गिरफ्तार

द हेग , एजेंसी। शनिवार को नीदरलैंड के द हेग में हजारों लोगों ने शनिवार को इमिग्रेशन पॉलिसी और बढ़ती शरणार्थियों की संख्या के खिलाफ हिंसक प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस और वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। स्थानीय सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि 30 लोगों को गिरफ्तार किया गया और दो पुलिसकर्मी घायल हुए। पुलिस ने और गिरफ्तारियां होने की संभावना जताई है। यह प्रदर्शन 29 अक्टूबर को होने वाले राष्ट्रीय चुनाव से ठीक एक महीने पहले हुआ।

इस साल नीदरलैंड में कुल 44,055 शरणार्थी और उनके परिवार के सदस्य आए। 2024 में, सीरिया से 44% शरणार्थी आए, जबकि इराक, तुर्की, इरिट्रिया, और यमन से लगभग 5% शरणार्थी आए। प्रदर्शनकारियों ने, जिनमें से कई डच झंडे और दक्षिणपंथी समूहों के झंडे लहरा रहे थे, पुलिस के साथ हिंसक झड़प की। उन्होंने पत्थर और बोतलें फेंकीं। एक पुलिस गाड़ी को आग के हवाले कर दिया गया और कुछ प्रदर्शनकारियों ने प्रदर्शन स्थल के पास एक हाईवे को कुछ देर के लिए बंद कर दिया।

स्थानीय मीडिया के अनुसार, प्रदर्शनकारियों ने सेंटर-लेफ्ट डट पार्टी के मुख्यालय की कई खिड़कियां भी तोड़ दीं। डट के नेता रॉब जेटेन ने एक्स पर लिखा, ÷गुंडे। तुम राजनीतिक दलों पर हाथ नहीं डाल सकते। अगर तुम्हें लगता है कि तुम हमें डरा सकते हो, तो तुम गलत हो। हम कभी भी चरमपंथी दंगाइयों को हमारा देश छीनने नहीं देंगे।÷

अमेरिका के न्यू हैम्पशायर में गोलीबारी, 1 की मौत, हमलावर ने फ्री फिलिस्तीन के नारे लगाए

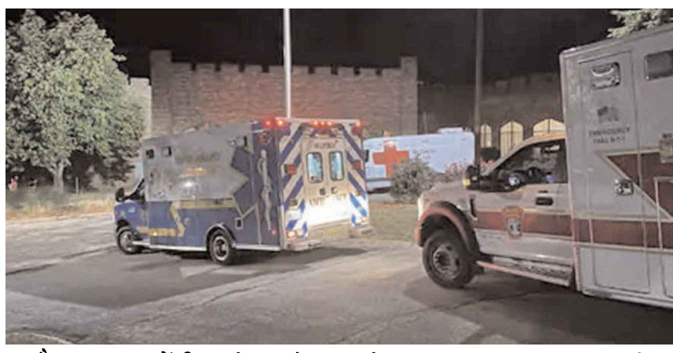

न्यू हैम्पशायर, एजेंसी। अमेरिका के न्यू हैम्पशायर में नैशुआ के स्काई मीडो कंट्री क्लब में शनिवार को एक हमलावर ने गोलीबारी की, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। संदिग्ध को में लिया गया। पुलिस ने कहा कि अब कोई खतरा नहीं है। अधिकारियों ने बताया कि हमलावर का मकसद अभी साफ नहीं है। घायलों की स्थिति के बारे में तुरंत कोई जानकारी नहीं मिली। प्रत्यक्षदर्शी टॉम बार्टेलसन ने बताया कि उनके भतीजे की शादी के दौरान अचानक गोलीबारी शुरू हो गई। उन्होंने कहा कि हमलावर ने फ्री फिलिस्तीन के नारे लगाए, ऐसा लग रहा था कि वह किसी खास व्यक्ति को निशाना बना रहा था।

एक अन्य व्यक्ति, एमिली अर्नस्ट ने बताया कि उन्होंने एक काले कपड़े पहने और मास्क लगाए बंदूकधारी को देखा, जिसके बाद वे अपनी जान बचाने के लिए भागे। नैशुआ के मेयर जिम डोनचेस ने कहा कि पुलिस इस मामले की जांच कर रही है और दोषी को सजा दिलाएगी। उन्होंने कहा कि यह घटना हर समुदाय के लिए एक चेतावनी है कि ऐसी घटनाएं कहीं भी हो सकती हैं। नैशुआ, बोस्टन से लगभग 70 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में, मैसाचुसेट्स सीमा के पास स्थित है।

ट्रंप के फैसले पर यूएस चैंबर ऑफ कॉमर्स ने जताई चिंता, कहा- सभी पहलुओं को समझने की कर रहे कोशिश

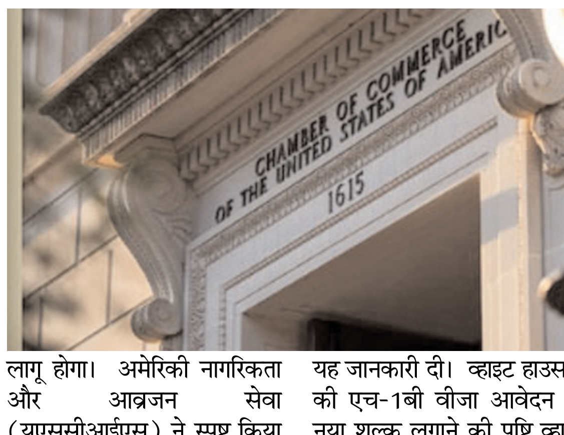

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी चैंबर ऑफ कॉमर्स ने एच-1बी वीजा को लेकर डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के नए नियमों पर चिंता जताई है। व्यापार संगठन ने कहा कि कर्मचारियों, उनके परिवारों और कंपनियों पर इस कदम का असर पड़ेगा। उसने बताया कि वह ट्रंप प्रशासन और अपने सदस्यों के साथ मिलकर इस फैसले के सभी पहलुओं को समझने की कोशिश कर रहा है और आगे का रास्ता तय करने पर विचार कर रहा है।

दरअसल, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत एच-1बी वीजा आवेदन करने के लिए कंपनियों को एक लाख अमेरिकी डॉलर का शुल्क (फीस) देना होगा। यह नियम एच-1बी के लिए नए आवेदन पर लागू होगा। यानी पहले से दायर आवेदन नहीं लागू होगा। अमेरिकी नागरिकता और आव्रजन सेवा (यूएससीआईएस) ने स्पष्ट किया कि यह नया शुल्क केवल उन आवेदनों पर लागू होगा, जो 21 सितंबर के बाद किए जाएंगे। जिन लोगों के आवेदन पहले ही आ चुके हैं या जिनके वीजा पहले से मंजूर हैं, उन पर कोई असर नहीं होगा। यूएससीआईएस के निदेशक जोसेफ बी. एडलो ने एक ज्ञापन में यह जानकारी दी। व्हाइट हाउस ने की एच-1बी वीजा आवेदन पर नया शुल्क लगाने की पुष्टि व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलीन लेविट ने इसकी पुष्टि की और बताया कि यह शुल्क एक बार के लिए है, कोई वार्षिक शुल्क नहीं है। उन्होंने कहा कि यह नियम केवल नए वीजा आवेदनों पर लागू होगा, न की नवीकरण या पहले से जारी वीजा पर। उन्होंने यह भी बताया कि जो एच-1बी वीजा धारक अभी अमेरिका से बाहर हैं, उनसे यह शुल्क नहीं लिया जाएगा। ऐसे लोग पहले की तरह अमेरिका में आ-जा सकते हैं, उनके आने-जाने पर कोई नई रोक नहीं लगाई गई है। यह नियम अगले वीजा लॉटरी चक्र से लागू किया जाएगा। भारतीय आईटी पेशेवर होंगे सबसे अधिक प्रभावित इन नए नियम ने भारत के लिए चिंता पैदा कर दी है, क्योंकि 71-72 फीसदी एच-1बी वीजा भारतीयों को ही दिए जाते हैं। इस वजह से भारतीय तकनीकी पेशेवरों और अमेरिका से भारत आने वाले पैसे (रेमिटेंस) पर असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है। भारत सरकार ने सभी दूतावासों और वाणिज्य दूतावासों को दिया निर्देश भारत सरकार ने अपने सभी दूतावासों और वाणिज्य दूतावासों को निर्देश दिया है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा में ट्रंप-जेलेंस्की की होगी मुलाकात, रूस और कड़े प्रतिबंधों की करेंगे मांग

वॉशिंगटन, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की अगले हफ्ते न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) की बैठक के दौरान अमेरिकी समकक्ष डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात करेंगे। इसका मकसद रूस के खिलाफ और अधिक सख्त प्रतिबंध लगाने के लिए अमेरिका पर दबाव बनाना है। अल जजीरा की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। जेलेंस्की ने यह घोषणा शनिवार को ऐसे समय में की, जब रूस ने यूक्रेन पर हमले तेज कर दिए हैं। यूरोप के पूर्वी हिस्से में भी इस युद्ध के फैलने की आशंका को लेकर बढ़ गई है। उन्होंने एक्स पर लिखा, अब हम अमेरिका से (रूस के खिलाफ) और अभी सख्त प्रतिबंधों की उम्मीद कर रहे हैं। यूरोप अपनी भूमिका निभा रहा है।

दबाव के आगे नहीं झुक रहा रूस : अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप पहले संकेत दे चुके हैं कि वह रूस पर बड़े प्रतिबंध लगाने को तैयार हैं। लेकिन उन्होंने शर्त रखी है कि उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के सहयोगी देश मिलकर रूस से तेल खरीब बंद करने पर सहमत हों। ट्रंप युद्धविराम की कोशिशें कर रहे हैं, लेकिन रूस अब तक ऐसे दबावों के आगे नहीं झुका है।

दीर्घकालिक सुरक्षा गारंटी मांग सकते हैं जेलेंस्की : जेलेंस्की इस बैठक में यह मुद्दा भी उठाएंगे कि युद्धविराम के बाद यूक्रेन को भविष्य में रूसी हमलों कैसे सुरक्षित रखा जाए। वह अमेरिका से दीर्घकालिक सुरक्षा गारंटी की मांग कर सकते हैं। उधर, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने चेतावनी दी है कि वह यूक्रेन में किसी भी पश्चिमी सेना की तैनाती को बर्दाश्त नहीं करेंगे।

रूस ने हाल में किया बड़ा हमला : अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, रूस ने हाल ही में रात के समय सबसे बड़ा हमला किया, जिसमें चालीस मिसाइलें और करीब 580 ड्रोन छोड़े गए। इस हमले में तीन लोगों की मौत हुई और दर्जनों लोग घायल हुए। नाटो सहयोगियों ने रूस की आक्रामकता को देखते हुए यूरोप की पूर्वी सीमाओं पर अपनी सुरक्षा को मजबूत किया है। पोलैंड की सेना ने शनिवार को बताया कि रूसी हमलों के बाद पोलिश और सहयोगी देशों के लड़ाकू विमान रोकथाम अभियान के तहत उड़ान भर चुके हैं।

ब्रिटेन के लड़ाकू विमानों ने की पोलैंड में गश्त : इसी बीच, ब्रिटेन ने भी पुष्टि की है कि उसके लड़ाकू विमानों ने नाटो मिशन ईस्टर्न सेंट्री के तहत पहली बार पोलैंड के वायु क्षेत्र में गश्त की है, ताकि रूसी हवाई हमलों के खतरों से सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। तनाव उस समय और बढ़ गया, जब शुक्रवार को तीन रूसी लड़ाकू विमान कथित तौर पर एस्टोनिया की हवाई सीमा में घुस गए। रूस के रक्षा मंत्रालय ने इस घटना से इनकार किया है। हालांकि एस्टोनिया के अधिकारियों ने कहा कि यह घुसपैठ 12 मिनट तक रही और रडार व विजुअल निगरानी दोनों से प्रमाणित हुई है।

एक दशक बाद नाजुक मोड़ पर देश का संविधान, आंदोलनकारियों की मांगें पूरी करना अंतरिम सरकार के लिए चुनौती

काठमांडो, एजेंसी। नेपाल में पिछले सप्ताह केवल सरकार ही नहीं, देश का संविधान भी बदला। तत्कालीन केपी शर्मा ओली सरकार के विरुद्ध जेन-जी के आंदोलन के दबाव में अंतरिम सरकार के गठन के लिए सांविधानिक प्रावधानों से अलग मार्ग अपनाना पड़ा। अंतरिम सरकार के सामने आंदोलनकारियों ने जो मांगे रखी हैं, उन्हें पूरा करना सरकार के लिए कम चुनौतीपूर्ण नहीं है और इसके लिए उसे संविधान में संशोधन करना पड़ेगा। ऐसे में एक दशक पहले लागू हुआ संविधान एक नाजुक मोड़ पर आ गया है। हालांकि, ऐसा नहीं है कि अंतरिम सरकार के सामने संविधान में संशोधन का सवाल एकदम उठा हो। गत वर्ष जुलाई में जब नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी और नेपाली कांग्रेस की गठबंधन सरकार बनी थी तो उनके बीच प्रमुख समझौतों में संविधान संशोधन भी शामिल था। लेकिन एक साल से अधिक समय तक सत्ता में रहने के बाद भी वे कुछ नहीं कर पाए। वर्तमान संविधान 16 सितंबर, 2015 को अपनाया गया था।

अराजकता से बचाने के लिए उठाया कदम : ओली शासन के विरुद्ध युवाओं के विद्रोह से पैदा हालात में राष्ट्रपति पौडेल को देश को अराजकता से बचाने को संविधानेत्तर रास्ते के तहत पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की को पीएम बनाना पड़ा है। पहला कार्की सांसद नहीं हैं और दूसरा वह पूर्व न्यायाधीश हैं।

संविधान संशोधन नहीं थी मांग : सोशल मीडिया पर प्रतिबंध से शुरू हुआ जेन-जी का विरोध प्रदर्शन मुख्य रूप से सरकार में व्याप्त भ्रष्टाचार, कुशासन और सत्ता में बैठे लोगों में जवाबदेही की कमी पर केंद्रित था। बाद में ओली सरकार को हटाना उनकी प्रमुख मांग बन गई। लेकिन संविधान में संशोधन उनकी कभी मांग नहीं रही।

राष्ट्रपति ने किया अपने अधिकारों का प्रयोग : राष्ट्रपति पौडेल ने संविधान के अनुच्छेद 61 (4) के तहत अपने अधिकारों का प्रयोग करते हुए कार्की को अंतरिम पीएम बनाया। इस तरह यह प्रक्रिया संविधान के दायरे में थी। इसके मुताबिक, राष्ट्रपति का मुख्य कर्तव्य संविधान का पालन-रक्षा करना होगा। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर कार्की सरकार दायरे में रहकर काम की तो संविधान बचाया जा सकता है।

रूस ने यूक्रेन पर बड़े पैमाने पर हमला किया, तीन लोगों की मौत, कई अन्य घायल

कीव, एजेंसी। रूस ने शनिवार तड़के यूक्रेन के विभिन्न क्षेत्रों को निशाना बनाकर बड़े पैमाने पर मिसाइल और ड्रोन हमला किया, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। यूक्रेनी अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि हमले निप्रॉपेट्रोस, मायकोलाइव, चेर्निहाइव, जापोरिजिया, पोल्टावा, कीव, ओडेसा, सुमी और खार्किव सहित नौ क्षेत्रों में हुए। उन्होंने कहा कि दुश्मन का लक्ष्य हमारा बुनियादी ढांचा, आवासीय क्षेत्र और गैर सरकारी प्रतिष्ठान थे। उन्होंने कहा कि क्लस्टर हथियारों से लैस एक मिसाइल ने दिनप्रो शहर में एक बहुमंजिला इमारत पर हमला किया।

जेलेंस्की ने अपने आधिकारिक टेलीग्राम पर एक बयान में कहा कि ऐसा प्रत्येक हमला सैन्य आवश्यकता नहीं है, बल्कि नागरिकों को डराने और हमारे बुनियादी ढांचे को नष्ट करने के लिए रूस की सोची-समझी रणनीति का हिस्सा है। जेलेंस्की ने कहा कि उन्हें अगले हफ्ते संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात होने की उम्मीद है। उन्होंने यह भी कहा कि यूक्रेन और अमेरिका की प्रथम महिलाओं (राष्ट्रपति की पत्नी) के बीच, बच्चों से जुड़े मानवीय मुद्दों पर अलग-अलग बातचीत होने की संभावना है। स्थानीय गवर्नर सेरही लिसाक ने बताया कि यूक्रेन के मध्य दिनप्रोपेट्रोव्स्क क्षेत्र में हुए हमले में कम से कम 30 लोग घायल हुए हैं। पूर्वी शहर दिनप्रो में कई ऊंची इमारतें और मकान क्षतिग्रस्त हो गए। कीव क्षेत्र में स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि बुचा, बोरिसपिल और ओबुखिव इलाकों में हमले हुए। एक मकान और कारें क्षतिग्रस्त हो गईं। पश्चिमी ल्वीव क्षेत्र में गवर्नर मैक्सिम कोजित्स्की ने बताया कि दो क्रूज मिसाइलें मार गिराई गईं। यूक्रेन की वायुसेना ने एक बयान में कहा कि रूस ने 619 ड्रोन और मिसाइलें दागीं। कुल मिलाकर 579 ड्रोन, आठ बैलिस्टिक मिसाइलें और 32 क्रूज मिसाइलों का पता लगाया गया। यूक्रेनी सेना ने 552 ड्रोन, दो बैलिस्टिक मिसाइलें और 29 क्रूज मिसाइलें मार गिराईं और उन्हें निष्क्रिय कर दिया। रूस ने एस्टोनिया के हवाई क्षेत्र का उल्लंघन करने से इनकार किया है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने इस बात से इनकार किया है कि उसके विमानों ने एस्टोनिया के हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किया, जबकि एस्टोनिया सरकार ने बताया कि शुक्रवार को तीन लड़ाकू विमान बिना अनुमति के उसके क्षेत्र में घुस आए और 12 मिनट तक आसमान में मंडराते रहे। शनिवार को प्रकाशित एक ऑनलाइन बयान में मास्को ने जोर देकर कहा कि उसके लड़ाकू जेट विमान फिनलैंड की खाड़ी में एस्टोनिया के वैन्डलू द्वीप से तीन किलोमीटर से अधिक दूरी पर बाल्टिक सागर के निकट बने हुए हैं। पोलिश और लिथुआनियाई क्षेत्र के बीच स्थित रूसी क्षेत्र का हवाला देते हुए, इसमें कहा गया कि 19 सितंबर को तीन मिग-31 लड़ाकू विमानों ने करेलिया से कैलिनिनग्राद क्षेत्र के एक हवाई अड्डे तक अपनी निर्धारित उड़ान पूरी की। एस्टोनिया, पोलैंड और लिथुआनिया नाटो के सदस्य हैं। निगरानी अभियान के बारे में विस्तृत जानकारी दिए बिना बयान में कहा गया कि उड़ान अंतरराष्ट्रीय हवाई क्षेत्र के नियमों का कड़ाई से पालन करते हुए संचालित की गई थी और इसमें अन्य राज्यों की सीमाओं का उल्लंघन नहीं किया गया था, जैसा कि वस्तुनिष्ठ निगरानी के माध्यम से पुष्टि की गई है। शुक्रवार को एस्टोनियाई अधिकारियों ने कहा कि (एस्टोनिया) सरकार ने विरोध जताने के लिए एक रूसी राजनयिक को तलब किया, और नाटो के अनुच्छेद 4 के तहत सहयोगियों के बीच परामर्श शुरू करने का प्रस्ताव भी रखा है।

मधुमेह है डायबिटिक रेटिनोपैथी का मुख्य कारण

जीवनशैली से जुड़ी कई बीमारियां हमें अपनी चपेट में ले रही है। मधुमेह भी ऐसी ही एक बीमारी है, जो लोगों को अपने शिकंजे में ले रही है। हमारे हृदय और लीवर को मधुमेह के कारण कितना नुकसान पहुंचता है, यह तो हम अच्छी तरह जानते हैं, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि हमारी आंखों की रोशनी के लिए भी कि मधुमेह उतना ही नुकसानदायक है। मधुमेह होने कि वजह से आंखों का एक गंभीर रोग पैदा हो सकता है, जिसे चिकत्सकों की भाषा में डायबिटिक रेटिनोपैथी कहा जाता है। डायबिटिक रेटिनोपैथी होने से अगर आंखों की दृष्टि चली गई तो उसे वापस नहीं लाया जा सकता है।

ऐसे होती है डायबिटिक रेटिनोपैथी

नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. राजीव जैन के अनुसार डायबिटिक रेटिनोपैथी एक हल्की बीमारी के रूप में शुरू होती है। बीमारी के शुरुआती चरण के दौरान रेटिना में छोटी रक्त वाहिकाएं कमजोर हो जाती हैं और यह छोटे बुल्गेस को विकसित करती है जिसे माइक्रोएनिअरीसम्स कहते है। इस बीमारी में रक्त में शुगर की मात्रा अधिक हो जाती है, जो आंखों सहित पूरे शरीर को नुकसान पहुंचा सकती है। रक्त में मधुमेह अधिक बढ़ने से रेटिना में रक्त वाहिकाओं को नुकसान होता है, जिसके कारण डायबिटिक रेटिनोपैथी हो सकती है। इस बीमारी से रेटिना के ऊतकों में सूजन हो सकती है, जिससे दृष्टि धुंधली होती है। जिस व्यक्ति को लंबे समय से मधुमेह होता है, उसे डायबिटिक रेटिनोपैथी होने की संभावना उतनी ही अधिक हो जाती है। इतन ही नहीं डायबिटिक रेटिनोपैथी का इलाज नहीं कराने पर यह अंधेपन का कारण भी बन सकती है।

डायबिटिक रेटिनोपैथी के लक्षण

- आंखों का बार-बार संक्रमित होना।
- चश्मे के नंबर बार-बार बदलना।
- सुबह उठने के बाद कम दिखाई देना।
- सिर में हमेशा दर्द रहना।
- आंखों की रोशनी अचानक कम हो जाना।
- रंग को पहचानने में कठिनाई।

डायबिटिक रेटिनोपैथी का उपचार

डायबिटिक रेटिनोपैथी के रोगियों का इलाज कैसे किया जा सकता है, इस पर नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. राजीव जैन कहते हैं कि समस्या से निजात पाने के लिए लेजर उपचार का प्रयोग किया जाता है, इस उपचार विधि के दौरान रेटिना के पीछे की नई रक्त वाहिकाओं के विकास के इलाज के लिए और आंखों में रक्त और द्रव के रिसाव को रोकने के लिए किया जाता है। इलाज प्रक्रिया के दौरान आंखों को सुन्न करने और पुतलियों को बड़ा करने के लिए विशेष रूप की आई ड्रॉप डाली जाती है, इसके बाद आंखों का लेजर किरणों से इलाज किया जाता है। इलाज के दौरान लगभग 30.40 मिनट लगते हैं। इसमें आम तौर पर दृष्टि का धुंधला होना और प्रकाश के प्रति संवेदनशीलता का बढ़ जाना जैसे कुछ दुष्प्रभाव हो सकते हैं। **इंजेक्शन से उपचार**: डायबिटिक रेटिनोपैथी से निजात पाने के दूसरे तरीके में आंखों में इंफ्लामेशन को कम करने या आंखों के पीछे नयी रक्त वाहिकाओं को बनने से रोकने के लिए आंखों में ल्यूसेंटिस, अवास्टिन जैसे इंजेक्शन लगाए जाते है। इंजेक्शन आम तौर पर एक महीने में एक बार लगाया जाता है और एक बार जब दृष्टि स्थिर हो जाती है तो इंजेक्शन लगाना बंद कर दिया जाता है। इलाज की इस विधि में जलन या बेचैनी आंखों के अंदर रक्तस्राव आंखों में खुजली, आंखों में कुछ तैरने या आंखों में कुछ होने का अहसास हो सकता हैं। **सर्जरी से उपचार**: लेजर और इंजेक्शन उपचकर की विधि से जब इलाज संभव नहीं होता है तो विट्रेक्टॅमी नामक सर्जरी से इलाज किया जाता है, जो इसके इलाज के लिए एक कारगर तरीका है।

डायबिटिक रेटिनोपैथी से ऐसे करें बचाव

आंखों पर मधुमेह के अधिक बढ़ने से प्रभाव शुरू हो जाता है, इसलिए इससे बचने का सबसे अच्छा तरीका है कि मधुमेह का पता लगते ही ब्लड शुगर और कोलेस्ट्रॉल की मात्रा को बढ़ने से रोकें। इसके लिए डॉक्टर के बताए नुस्खों का पालन करें और दवाएं लेते रहें। इसके अलावा डायबिटीज होने पर आपको साल में एक-दो बार आंखों की जांच करानी चाहिए, जिससे आंखों पर अगर किसी तरह का प्रभाव शुरू हो जाए, तो उसका समय पर इलाज किया जा सके। आपको अगर डायबिटीज बहुत समय से हैं तो आपको हर 3 महीने में आंखों की जांच करानी चाहिए।

रेसिपी

वेजिटेबल फिंगर्स

सामग्री

- अरहर दाल: 1 कप
- लाल मिर्च- 2
- छोटा प्याज (छिला हुआ): 1 कप
- कटे हुए टमाटर: 2
- इमली का गूदा: 4 चम्मच
- सांबर पाउडर- 1 चम्मच
- नमक: स्वा के अनुसार
- सरसों: 1 चम्मच
- हींग: चुटकी भर
- करी पत्ता: 6
- बारीक कटी धनिया पत्ती: 4 चम्मच

विधि

अरहर दाल को धोकर दस मिनट के लिए भिगो दें। दाल को कुकर में दो कप पानी के साथ डालें और तीन से चार सीटी लगाएं। जब दाल पक जाए तो उसे अच्छी तरह से मैश कर दें। अब कुकर में टमाटर, इमली का गूदा, सांबर पाउडर, नमक और एक चौथाई कप पानी डालें। कुकर बंद करके दो सीटी लगाएं। अब दाल और इमली के मिश्रण को एक बड़े पैन में डालें और अच्छी तरह से मिलाएं। एक छोटे पैन में एक चम्मच तेल गर्म करें और छौंक की सभी सामग्री डालें। एक मिनट बाद इस छौंक को तैयार सांबर में डाल दें। अब सांबर वाले पैन को गैस पर चढ़ाएं। एक उबाल आने के बाद आंच धीमी कर दें और मध्यम आंच पर पांच मिनट तक उबालें। अगर सांबर गाड़ा है तो उसमें थोड़ा-सा पानी मिलाएं और उबालें। नमक चख लें। धनिया पत्ती से गार्निश करें और सर्व करें।

आलू कुल्चा

सामग्री

- मैदा: 2 कप
- चीनी: 1 चम्मच
- बेकिंग सोडा: 1/4 चम्मच
- गाढ़ा दही: 1/4 कप
- तेल: 2 चम्मच
- गुनगुना पानी: गूंदने के लिए

भरावन के लिए

- उबले आलू: 2
- कटी मिर्च: 1
- कश्मीरी लाल मिर्च: 1/2 चम्मच
- गरम मसाला: 1/4 चम्मच
- अदरक: 1 चम्मच
- अमचूर: 1/4 चम्मच
- अजवाइन: 1/4 चम्मच
- नमक: स्वादानुसार
- काले तिल: 2 चम्मच
- हरा धनिया चम्मच
- बेकिंग पाउडर: 1 चम्मच
- बटर- 2 चम्मच

विधि

मैदा, चीनी, बेकिंग पाउडर, बेकिंग सोडा, नमक और दही को एक बरतन में डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। गुनगुने पानी की मदद से मैदा को गूंद लें। गीले सूती कपड़े से ढककर दो घंटे के लिए छोड़ दें। एक बाउल में मैश किया आलू और भरावन की सभी साम्रगी डालें और अच्छी तरह से मिलाएं। गूंदे हुए मैदे से लोई काटें। उसके बीच में हल्का गड्ढा-सा करें और उसमें थोड़ा-सा आलू वाला मिश्रण डालें। लोई को सील करें। लोई के ऊपर थोड़ा-सा तिल और धनिया पत्ती डालें और हल्के हाथों से लोई को अंडाकार आकार में बेल लें। तवा गर्म करें। कुल्चे में एक ओर से ब्रश की मदद से पानी लगाएं और कुल्चे को गर्म तवे में चिपका दें। एक मिनट बाद तवा को पलट दें और कुल्चे को सीधे आग से सुनहरा होने तक पकाएं। कुल्चे के ऊपर हल्का-सा बटर लगाएं और सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ संझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। आपके द्वारा प्रस्तुत योजना से लोग प्रभावित होंगे। शुभांक-2-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। शुभांक-2-4-5

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-6-8-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आत्मचिंतन करें। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। शुभांक-3-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। पुराने मित्र से मिलन होगा। विवाद को टालें। शुभांक-3-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। शुभांक-1-4-6

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। शुभांक-4-7-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंग। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभांक-2-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। शुभांक-3-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। शुभांक-3-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। दवा-दारू में ज्यादा खर्च होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। चापलूस मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभांक-3-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। नौकरी क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। इच्छित कार्य सफल होगें। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 2595

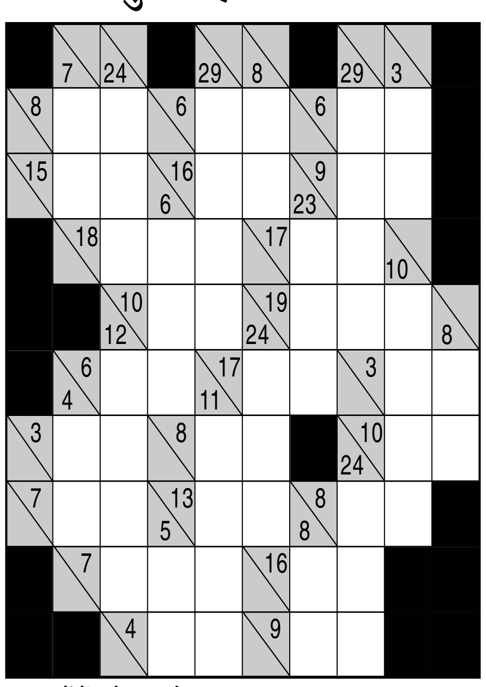

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

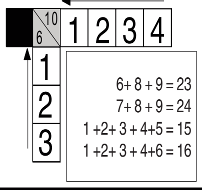

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 2594 का हल

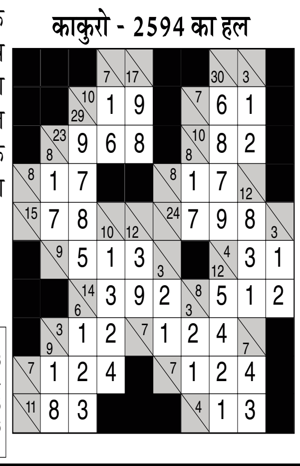

लॉफिंग ज़ोन

एक महिला ने बैंक जाकर नई चेक बुक मांगी. क्लर्क ने कहा कि आप पहले ही तीन चेकबुक ले चुकी हैं, क्या वे खत्म हो गई?

महिला - नहीं, वे तो कहीं गुम हो गईं.

क्लर्क - आपको चेकबुक हिफाजत से रखानी चाहिए, वरना कोई आपके हस्ताक्षर करके पैसा निकाल सकता है.

महिला - नहीं, मैं इतनी मूर्ख नहीं हूं. मैने पहले ही सारे चेकों पर अपने हस्ताक्षर कर दिए हैं.

☺ ☺ ☺

गंजा व्यक्ति - 'मेरे सिर पर तो बाल बहुत कम है. मुझसे तो तुम्हें कम पैसे लेने चाहिए.'

नाई - 'जनाब! मै आपसे बाल काटने के पैसे थोड़े ही लेता हूं, बाल ढूंढने के पैसे लेता हूं.'

☺ ☺ ☺

ज्योतिषी- आपके भाग्य का सितारा ऊंचाई पर है. जल्द ही आपके घर में बड़ी दौलत आने वाली है. आपने लॉटरी का टिकट लिया है या सट्टा लगाया है.

ग्राहक (सोचते हुए) - ज्योतिषी जी! वैसे तो मैने न ही लॉटरी का टिकट लिया है और न ही सट्टा लगाया है. हां मैने पांच दिन पूर्व ही अपना पांच लाख का बीमा जरूर करवाया है.

☺ ☺ ☺

फिल्म वर्ग पहेली- 2595

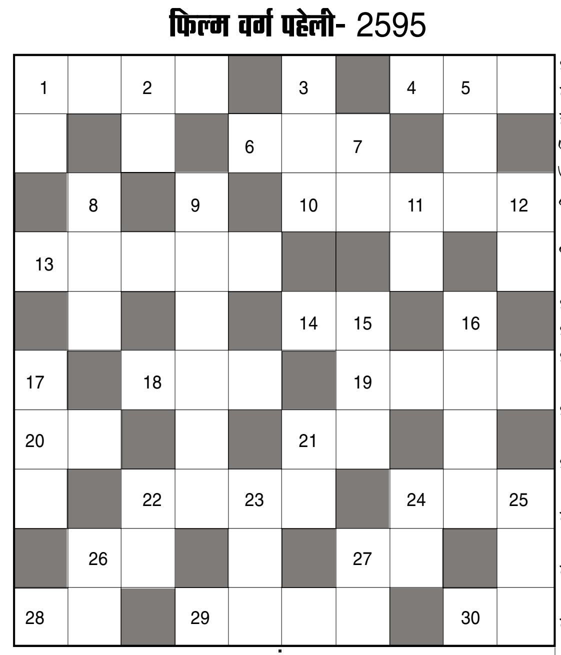

बायें से दायें:-

१. 'दिल ने ये कहा हैदिल से' गीत वाली अक्षयकुमार, शिल्पा की फिल्म-४
४. देवआनंद, जैकी, गोविंदा, रेखा की 'इस तरह देखो ना' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ना कजरे की धार' गीत वाली अक्षयकुमार, रवीना की फिल्म-३
१०. अनिल, माधुरी दीक्षित की 'आँखों के आगे पीछे' गीत वाली फिल्म-५
१३. 'आदमी मुसाफिर है' गीत वाली संजीव कुमार, सुलक्षणा की फिल्म-५
१४. अतिन भल्ला, संदली की 'साँवली सी इक लड़की' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'हुन हुना रे हुन हुना' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
१९. गोविंदा, मनीषा की 'ठहरो तो सही सोचो तो जरा' गीत वाली फिल्म-४
२०. एम. एफ. हुसैन की फिल्म 'मीनाक्सी' की नायिका कौन है-२
२१. 'बाबुल का ये घर बहना' गीत वाली मिथुन, रंजीता, पद्मिनी की फिल्म-२
२२. ऋषिकपूर, पद्मिनी की 'मेरी किस्मत में तू नहीं' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'मेरी शादी का खयाल' गीत वाली राजेश खन्ना, टीना की फिल्म-३
२६. विवेक, दीया मिर्जा की बाबूजी जरा धीरे' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'जब चाहा जजबात से खेले' गीत वाली चंदनदास का गजल एलबम-२
२८. मिथुन, रंभा की 'पीलो इश्क दी विस्की' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'सच कहते हैं हं' गीत वाली अक्षयकुमार, करिश्मा की फिल्म-४
३०. फिल्म 'राजा जानी' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२

ऊपर से नीचे:-

१. नवीन निश्चल, प्राण, रेखा की फिल्म-२
२. 'मोहब्बत हुई हुई' गीत वाली फिल्म-२
३. विश्वजीत, वहीदा रहमान की फिल्म-३
५. 'ऐ जिंदगी गले लगा' गीत वाली फिल्म-३
७. दीनो मारिया, बिपाशा बसु की फिल्म-२
८. विवेक ओबेराय, अंतरा की 'खल्लास बचके तू रहना रे' गीत वाली फिल्म-३
९. 'करवटें बदलते' गीत वाली संजीव, राजेश खन्ना, मुमताज की फिल्म-२,१,३
११. 'लंबूजी लंबूजी' गीत वाली फिल्म-२
१२. अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
१५. फिल्म 'सब से बड़ा खिलाड़ी' में अक्षयकुमार के साथ नायिका कौन थी-३
१६. शत्रुघ्न, हेमा, मिथन की 'बचके मेरी जान बचके' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'मैं तो हर मोड़ पर' गीत वाली अनिल धवन, रेहाना सुलतान की फिल्म-३
२१.राजेश, शर्मिला, राखी की 'मेरे दिल में आज' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'ओ मेरी चूड़ियाँ बजी' गीत वाली संजयकपूर, तब्बू की फिल्म-२
२३. फिल्म 'बरसात की रात' के संगीतकार कौन थे-३
२४. विनोद खन्ना, योगिता बाली की फिल्म-२
२५. फिल्म 'बागी' में सलमान खान के साथ नायिका कौन थी-३
२६. उमादेवी का गाया गीत 'अफसाना लिख रही हूँ' किस फिल्म का है-२
२७. नसीरूद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री पूजा भट्ट की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2594

सूडोकु -2595

		5			8			
	7			3	5			
3						6		
							8	5
	6						1	
4	2							
		1						8
			7	4			3	
			2			7		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2594 का हल

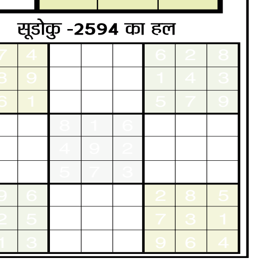

शब्द पहेली - 2595

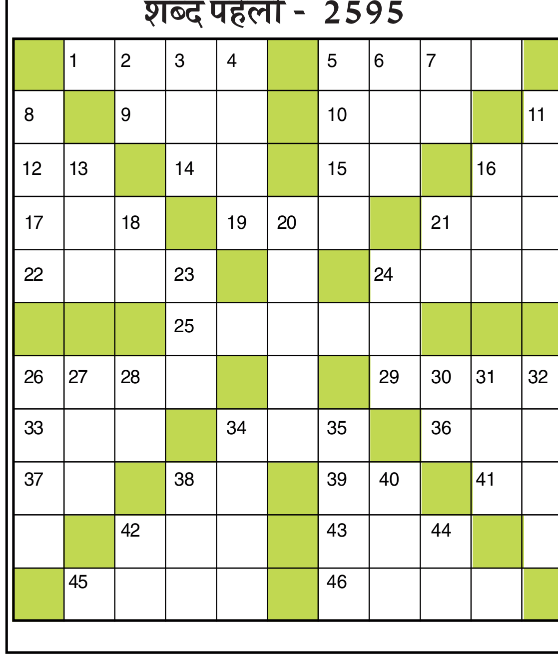

बाएँ से दाएँ

1.सरदार,अगुआ-4
5.जनमत,एक राय-4
9.पुराना जुकाम-3
10.चिंता,परवाह-3
12.पैंदा,तल्ला-2
14.ताल,सुर,आलाप-2
15.महोदय (अंग्रेजी-2)
16.लाडला,दुलारा-2
17.निवास करना-3
19.डोली उठाने वाले-3
21.नसीरुद्दीन शाह की फिल्म-3
22.तड़फाना-4
24.जल में रहनेवाला-4
25.दरियादिल,करुण-5
26.इराक की राजधानी-4
29.भेंट,पुरस्कार-4
33.पासों से भविष्य देखना-3
34.अश्ववाहक,घुड़सवार-3
36.चौकसी,रखवाली-3
37.हलक,कंठ-2
38.सदैव-2
39.लार -2
42.निश्चित-2
42.कालीन-3
43.बंदर,मर्कट-3
45.किसान-4
46.इस्लामी कैलेंडर का एक महीना -4

ऊपर से नीचे

2.क्रिकेट में बनते हैं-2
3.नगमा,गीत (उर्दू-3)
4.जो लायक न हो-4
5.अधिकारी,अफसर-4
6.राशिचक्र की एक राशि -3
7.झगड़ा,बैर-2
8.आदत,व्यवहार-4
11.शमशीर-4
13.तरंग,हिलोर-3
16.तृष्णा,लोभ-3
18.अमेरिका स्थित वेधशाला-2
20.जितेंद्र इस फिल्म में सात सवाल हल करते हैं -5
21.नीर,पानी-2
23.देवर्षि-3
24.ईर्ष्या,डाह-3
26.वटवृक्ष-4
27.जिसमें पौधे लगाते हैं-3
28.दलहन-2
30.मंत्र जाप-2
31.तसल्ली,आराम-3
32.भगवान विष्णु-4
34.धर्मशीलता-4
35.पैजामा-4
38.तमीज-3
40.साजन,प्रेमपात्र-3
42.पहरा,चौकसी-2
44.अवकाश-2

शब्द पहेली -2594 का हल

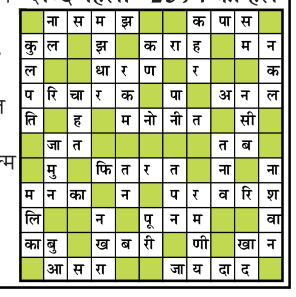

जुबीन गर्ग का अंतिम संस्कार 23 सितंबर को होगा : मुख्यमंत्री डॉ सरमा

एजेंसी

गुवाहाटी। असमिया दिलों पर दशकों से राज करने वाले पार्श्व गायक एवं अभिनेता जुबीन गर्ग का अंतिम संस्कार आगामी 23 सितंबर को राजधानी गुवाहाटी के बाहरी इलाका जोराबाट के दिसांग रिसोर्ट के पास कमारचुकी में 10 बीघा भूमि पर होगा। इसके लिए राज्य सरकार ने पूरी तैयारी कर ली है। इसकी जानकारी आज देर शाम असम लोक सेवा भवन में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ हिमंत बिस्व सरमा ने दी। मुख्यमंत्री ने बताया कि जुबीन गर्ग की चिता भस्म को जोरहाट में भी ले जाया जाएगा। 23 सितंबर की सुबह 08 बजे से जुबीन गर्ग की अंतिम शव यात्रा निकलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि 22 सितंबर यानी सोमवार को भी सरुसजाई स्टेडियम में जुबीन का पार्थिव शरीर प्रशंसकों के दर्शनार्थ मौजूद रहेगा। बीते कल भी लोग अपने प्रिय जुबीन का दर्शन कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर सकेंगे। ज्ञात हो कि राज्यभर से लोग जुबीन को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए गुवाहाटी पहुंच रहे हैं। संवाददाता सम्मेलन में वीआईपी सिस्मट को लेकर मुख्यमंत्री ने अपनी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि स्टेडियम के पिछले गेट को खोलकर मंत्री एवं वरिष्ठ अधिकारी सीधे पहुंच रहे थे। मौके पर वीआई लाउंज भी बनाया गया था। इसको देखने के बाद मुख्यमंत्री नाराज हो गये।

गयाजी पितृपक्ष मेले का समापन, 30 लाख से अधिक पिंडदानियों ने पुरखों की मोक्ष प्राप्ति के लिए किया पिंडदान

गयाजी । 'मोक्षस्थली' के रूप में देश और विदेश में चर्चित बिहार के गयाजी में इस बार पितृपक्ष में 30 लाख से अधिक तीर्थयात्री यहां पहुंचे और अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति और मोक्ष की प्राप्ति की कामना के साथ पिंडदान किया। पितृपक्ष मेले के समापन पर रविवार को गयाजी के जिलाधिकारी शशांक शुभंकर ने बताया कि यह पवित्र आयोजन हमारे पूर्वजों को श्रद्धांजलि अर्पित करने और उनके आशीर्वाद प्राप्त करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। इसने न केवल हमारी आध्यात्मिक प्रतिबद्धता को व्यक्त किया है, बल्कि यह हमारे समुदाय के बीच एकता और श्रद्धा की मिसाल भी बना है। इस वर्ष पितृपक्ष मेला छह सितंबर से शुरू हुआ था। उन्होंने बताया कि इस मेले को सफल बनाने में जिला प्रशासन की ओर से लगभग तीन महीने पहले से ही हर स्तर पर तैयारी की गई थी, जिसका परिणाम रहा कि पितृपक्ष मेला में 30 लाख से अधिक संख्या में आए तीर्थयात्रियों ने सरकार एवं प्रशासन की प्रशंसा की और धन्यवाद दिया है। जिला प्रशासन द्वारा हर जगह पर तीर्थयात्रियों को पूरी मदद, सेवा भाव एवं समर्पण के साथ उनका सहयोग देने का कार्य किया गया है। स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा क्विक रिस्पांस दिया गया।

गुरदासपुर बॉर्डर पर बीएसएफ और पंजाब पुलिस की बड़ी कामयाबी, 10 किलो हेरोइन के साथ 4 तस्कर गिरफ्तार

गुरदासपुर। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और पंजाब पुलिस ने रविवार को एक संचालित और सटीक कार्रवाई में अंतरराष्ट्रीय सीमा पार से होने वाली बड़ी हेरोइन तस्करी की कोशिश को नाकाम कर दिया। इस ऑपरेशन में चार नशा तस्करों को गिरफ्तार कर उनके पास से करीब 10 किलो हेरोइन बरामद की गई। इस संयुक्त कार्रवाई को गुरदासपुर जिले के गांव थेथरके में अंजाम दिया गया। बीएसएफ और पंजाब पुलिस को विश्वसनीय इनपुट मिला था कि कुछ तस्कर सीमा के पास नशे की बड़ी खेप लेकर आने वाले हैं। इसी सूचना के आधार पर सुबह-सुबह संयुक्त टीम ने कार्रवाई शुरू की, जिसमें चार तस्कर पकड़ लिए गए। तलाशी के दौरान तस्करों के पास से 5 पैकेट हेरोइन (कुल वजन लगभग 10 किलोग्राम), 3 मोबाइल फोन और 2 मोटरसाइकिलें बरामद की गई हैं। बरामद हेरोइन की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करोड़ों रुपए बताई जा रही है। गिरफ्तार तस्करों की पहचान गुरदासपुर जिले के गांव मानेपुर और बल्लगन तथा अमृतसर के पाखा तारा सिंह और पल्ला कॉलोनी के निवासियों के रूप में की गई है। इन चारों पर पहले भी नशा तस्करी से जुड़ी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप लगे हैं।

हरभजन सिंह ने कोलकाता में दुर्गा पूजा पंडाल का किया उद्घाटन

कोलकाता। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने पश्चिम बंगाल के खेल मंत्री अरूप विश्वास के साथ मिलकर कोलकाता के अशोक नगर पार्क में सार्वजनिक दुर्गा उत्सव पूजा पंडाल का उद्घाटन किया। इस अवसर पर हरभजन ने मां दुर्गा के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की और कोलकाता के लोगों के प्यार एवं सम्मान की सराहना की। उद्घाटन समारोह के दौरान मीडिया से बातचीत में हरभजन ने कहा, सबसे पहले मैं मां दुर्गा का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं कि मुझे यहां आने का अवसर मिला। खेल मंत्री अरूप विश्वास ने मुझे बहुत सम्मान दिया। मैं खुद को बहुत भाग्यशाली मानता हूं कि मैं यहां आया। कोलकाता में मुझे हमेशा बहुत प्यार मिलता है। मैं यही कामना करता हूं कि मां दुर्गा सब पर अपनी कृपा बनाए रखें और सभी खुश रहें। हरभजन ने दुर्गा पूजा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, दुर्गा पूजा एक ऐसा उत्सव है, जिसका हम सभी को बेसब्री से इंतजार रहता है। मां दुर्गा की पूजा हर जगह होती है, लेकिन कोलकाता में इसे एक भव्य त्योहार के रूप में मनाया जाता है।

शब्द बदलते ही दिव्यांगों के प्रति देश व समाज का नजरिया बदल गया : अमित शाह

एजेंसी

जोधपुर। केंद्रीय गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार ने विकलांगता की जगह दिव्यांगता शब्द मात्र बदल कर समाज व देश के नजरिये को बदल दिया है। अब जरूरत है तो ऐसे दिव्यांगजनों को सशक्त बनाने की। उन्होंने कहा कि समाज, सरकार और स्वयंसेवी संस्थाएं मिलकर दिव्यांगजनों के कल्याण के लिए काम करे तो कुछ भी असंभव नहीं है। ऐसे लोग अच्छे उद्यमी, इंजीनियर और डॉक्टर बनकर समाज की सेवा कर सकते हैं। ऐसे लोगों को आगे बढ़ने का मौका देने के लिए हमें हाथ थामने की जरूरत है। यहां स्व. पारसमल बोहरा नेत्रहीन महाविद्यालय के नए भवन के शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री

मोदी ने कहा था कि ईश्वर जब किसी को कुछ नहीं देता है तो उसे जीवन जीने के लिए कुछ विशेष भी जरूर देता है। उसे जो दिव्य चीज मिलती है, उसे पहचान कर दिव्यांगता के साथ व्यक्ति राष्ट्र निर्माण कर सके, ऐसा दायित्व समाज का है। दिव्यांग शब्द से ही आत्मसम्मान और आत्मनिर्भर बनने का स्वप्न प्रधानमंत्री मोदी ने जागृत किया। राजस्थान के खिलाड़ी देवेन्द्र जाझड़िया, जिसकी मां के गहने बिक जाते हैं, जब वह देश के लिए कीर्तिमान हासिल करता है तो उसे देश का तिरंगा फहराने का फक्र मिलता है। प्रधानमंत्री ने ऐसे दिव्यांगजनों में खेल के कौशल को एक प्लेटफार्म मुहैया करवाया है। परिस्थितियां कितनी बदली है, अंदाजा लगाइये कि पैराओलंपिक खेल 1960 में शुरू हुए और 2012 तक इन खेलों में भारत को मात्र 8 पदक मिले। अब पिछले तीन खेलों में भारत 52 पदक जीत कर खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का मौका दे रहा है। मोदी सरकार ने दिव्यांगजन विभाग के लिए बजट को 338 करोड़ से 1313 करोड़ तक बढ़ा दिया है।

जन विश्वास बनाए रखना ही कारोबार की सबसे बड़ी पूंजी : सीएम योगी

एजेंसी

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश दुनिया का सबसे बड़ा दवा उपभोक्ता बाजार है। प्रदेश में 1.10 पंजीकृत दवा की दुकानों से पांच लाख लोग सीधे तौर पर जुड़े हैं। इससे भी बड़ी संख्या उन लोगों की है जो अप्रत्यक्ष रूप से इस कारोबार से जड़े हैं। दवा कारोबार बड़ी जिम्मेदारी और जवाबदेही का क्षेत्र है। दवा कारोबारी समाज और राष्ट्र के विकास में योगदान देते हुए जिम्मेदारी के साथ लोगों को गुणवत्तापूर्ण दवाएं उपलब्ध कराते हैं। दवा कारोबार से जुड़े लोगों को ईमानदारीपूर्वक याद रखना होगा कि जन विश्वास बनाए रखना ही उनके कारोबार की सबसे बड़ी पूंजी है। सीएम योगी रविवार को केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स फेडरेशन उत्तर प्रदेश की वार्षिक आमसभा को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि नकली दवाओं के खिलाफ सभी को जन जागरण के अभियान से जुड़ना होगा। यह संकल्प लेना होगा कि किस भी प्रकार की मिलावटी दवाओं के कारोबार के खिलाफ ख? होंगे। नारकोटिक्स की उन दवाओं को जिनमे डॉक्टर के विशेष परामर्श की जरूरत होती है, आम दवाओं की तरह नहीं बिकने देंगे। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने आगरा में नकली दवाओं और कुछ अन्य जगहों पर नारकोटिक्स दवाओं से जुड़े अवैध कारोबार पर बड़ी कार्रवाई की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नकली दवाओं का कारोबार ईमानदार दुकानदारों के लिए बड़ी चुनौती है। उन्होंने दवा कारोबारियों को आश्वस्त किया कि मिलावट वाली दवाओं और नारकोटिक्स श्रेणी की दवाओं के गलत इस्तेमाल वाली बिक्री के खिलाफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स फेडरेशन आगे आए।

रूस के काल्मिकिया में भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों का होगा प्रदर्शन, यूपी के उपमुख्यमंत्री के नेतृत्व में जाएगा प्रतिनिधिमंडल

एजेंसी

लखनऊ। केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय की ओर से 24 सितंबर से 1 अक्टूबर तक रूस के काल्मिकिया में भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों का प्रदर्शित किया जाएगा। इसके लिए भारत से भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों को लेकर रूस जाने वाले प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व उत्तर प्रदेश सरकार के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य करेंगे। यह जानकारी प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से दी गई है। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य प्रतिनिधिमंडल के साथ 23 सितंबर को भारतीय वायुसेना के विमान से रूस प्रस्थान करेंगे। जहां पर भगवान बुद्ध के पवित्र पिपरहवा (कपिलवस्तु) अवशेषों का प्रदर्शन किया जाएगा।

इस संबंध में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बताया कि कपिलवस्तु अवशेषों की अंतरराष्ट्रीय यात्रा भारत की साफ्टपावर और सांस्कृतिक कूटनीति का प्रभावी माध्यम बनेगी। उन्होंने बताया कि इससे पूर्व थाईलैंड और वियतनाम में भगवान बुद्ध के अवशेषों की प्रदर्शनी आयोजित की जा चुकी है। थाईलैंड और वियतनाम की सफलता ने वैश्वक स्तर पर भारत की प्रतिष्ठा बढ़ाई है। श्री मौर्य ने बताया कि रूस में होने वाली प्रदर्शनी इस गौरवशाली परम्परा को आगे बढ़ाएगी और भारत की सांस्कृतिक छवि को और निखरेगी। उपमुख्यमंत्री ने पवित्र अवशेषों के प्रदर्शन के महत्व की चर्चा करते हुए कहा कि इससे द्विपक्षीय संबंधों को सुदृढ़ करने के साथ सांस्कृतिक व राजनैतिक रिश्तों में और गहराई आएगी तथा सभ्यतागत विरासत को पुनः स्थापित करना व भारत को बौद्ध धर्म की जन्मभूमि व परम्परा का संरक्षक स्थापित करना है। यही नहीं इससे वैश्विक शांति व सद्भाव का वातावरण मजबूत करना है और भगवान बुद्ध के संदेश करुणा, शांति व अहिंसा को विश्वभर में

प्रसारित करना है। उन्होंने बताया कि भगवान बुद्ध के कपिलवस्तु अवशेष पीपरहवा (उत्तर प्रदेश)से प्राप्त हुए, जिसे प्राचीन कपिलवस्तु नगरी से जोड़ा जाता है। यह अवशेष पुरातात्विक रूप से प्रमाणित हैं और वैश्विक बौद्ध समुदाय के लिए अत्यंत पूज्यनीय धरोहर हैं। यह भगवान बुद्ध के जीवन से प्रत्यक्ष जुड़ाव का प्रतीक हैं। केशव प्रसाद मौर्य ने बताया कि 25 से 28 सितंबर तक एलिस्ता शहर काल्मिकिया में राष्ट्रीय संग्रहालय की ओर से भगवान बुद्ध के जीवन की प्रमुख घटनाओं को दर्शाने वाले मूल कलात्मक शैलियों की कृतियों की प्रतिकृतियां प्रदर्शित की जाएगी। पिपरहवा अवशेषों पर एक लघु वृत्तचित्र भी प्रदर्शित किया जाएगा।

यूपी एटीएस की कार्रवाई, गाजा युद्ध पीड़ितों की मदद के नाम पर ठगी में तीन गिरफ्तार

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की एंटी टेररिस्ट स्क्वाड (एटीएस) ने गाजा युद्ध पीड़ितों की मदद के नाम पर उत्तर प्रदेश समेत कई देशों से धन उगाही करने के आरोप में तीन शातिरों को महाराष्ट्र से गिरफ्तार किया हैं। इन तीनों को महाराष्ट्र कोर्ट के ट्रांजिड रिमांड पर लखनऊ लाकर पूछताछ की गई।

यूपी एटीएस ने एक बयान जारी कर बताया कि गाजा पीड़ितों की मदद के नाम पर ठगी करने वाले महाराष्ट्र के ईदगाह स्लाडर हाउस भिवंडी निवासी मोहम्मद अयान, थाणे के शांती नगर निवासी जैद नोटियार और भिवंडी के गुलजार नगर का रहने वाले अबू सूफियान को गिरफ्तार किया है। महाराष्ट्र कोर्ट से तीनों की ट्रांजिड रिमांड लेकर लखनऊ लाया गया और इनसे पूछताछ की गई।

पता चला कि इन आरोपितों ने गाजा युद्ध पीड़ितों की सहायता के लिए क्राउड़ फंडिग की मुहिम चलाकर सोशल मीडिया में मार्मिक वीडियो पोस्ट किए, जिससे लोग आर्थिक सहायता के लिए भावुक किया जा सके। इस दौरान आरोपितों ने आपदा में अवसर का फायदा उठाकर करोड़ों रुपये जुटाए। पूरा पैसा पीड़ितों का न भेजकर अपनी अवैध गतिविधियों में खर्च किया। इन लोगों ने देश विरोधी कुचक्र में यूपी के कई जिलों से लाखों रुपये भेजे गए हैं। बताया गया कि आरोपितो ने मीडिया कैंम्पेन में अपनी यूपीआईडी और बैंक खातों का उपयोग किया है, जिसमें करोड़ो रुपये का चंदा आया है। इस रकम को इन लोगों ने किस मकसद से खर्चा किया है इसकी विवेचना चल रही है। पूछताछ के लिए कोर्ट से तीनों को फिर रिमांड पर लिया जाएगा।

मोहम्मद अयान | ज़ैद नोटियार | अबू सूफियान

कोयला व शराब घोटाला मामले में ईओडब्ल्यू ने 10 ठिकानों पर मारा छापा

एजेंसी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के कोयला व शराब घोटाला मामले में ईओडब्ल्यू की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए राजधानी रायपुर, बिलासपुर और दुर्ग में कई शराब कारोबारियों के घर दबिश दी गई है। प्रदेशभर में 10 ठिकानों पर ईओडब्ल्यू का छापा पड़ा है। शराब घोटाला मामले में ईओडब्ल्यू ने प्रदेश के 10 ठिकानों पर छापेमार कार्रवाई की है। रायपुर, दुर्ग और बिलासपुर में शराब

कारोबारियों के घर छापा पड़ा है। राजधानी में तीन से चार ठिकानों पर दबिश दी गई है। रायपुरा स्थित शिव विहार कॉलोनी स्थित शराब कारोबारी अवधेश यादव के घर भी ईओडब्ल्यू की टीम पहुंची है, जहां दस्तावेजों की जांच कर रही है। इसी तरह दुर्ग और बिलासपुर में भी टीम ने छापामार की कार्रवाई कर जांच कर रही है। जांजगीर-चांपा जिले के अकलतरा में ईओडब्ल्यू की 12 सदस्यीय टीम ने खनिज अधिकारी के बेटे के ठिकानों पर दबिश दी है। यहां कोयला व्यापारी जयचंद कोसल के अंबेडकर चौक स्थित घर में छापामार की कार्रवाई की गई है। बताया जा रहा है कि जयचंद कोसल के पिता जांजगीर जिला में ही राजस्व विभाग में पदस्थ हैं। ईओडब्ल्यू की इस ताबड़तोड़ छापामार की कार्रवाई से एक बार फिर हड़कंप मचा हुआ है। उल्लेखनीय है कि, छत्तीसगढ़ की पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में हुए शराब और कोयला घोटाले में पहले ही कई अधिकारी और कारोबारी जेल जा चुके है।

यूकेएसएसएससी का पेपरलीक नहीं, परीक्षा प्रणाली को सनसनीखेज बनाने के लिए सोशल मीडिया पर किया गया वायरल

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड के यूकेएसएसएससी की स्नातक स्तरीय परीक्षा एक बार फिर विवादों में आ गई है। पेपर के तीन पेज परीक्षा शुरू होने के 35 मिनट बाद सोशल मीडिया में वायरल होने लगा। पुलिस और यूकेएसएसएससी का कहना है कि पेपरलीक नहीं हुआ है। परीक्षा प्रणाली को सनसनीखेज बनाने अथवा बदनाम करने के उद्देश्य से उक्त स्क्रीनशाट्स को सोशल मीडिया पर वायरल किया गया है। इस संबंध में दो लोग हिरासत में लिए गए हैं। पुलिस प्रश्न पत्र भेजने वाले खालिद मलिक की तलाश में जुटी है। रात्रि एसएसपी कार्यालय में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अजय सिंह और उत्तराखंड अधीनस्थ चयन आयोग के अध्यक्ष (यूकेएसएसएससी) गणेश सिंह मर्तोलिया ने संयुक्त पत्रकार वार्ता में यह जानकारी दी। अजय सिंह ने बताया कि परीक्षा को लेकर सोशल मीडिया पर

जो चर्चाएं थीं उस पर कार्रवाई की गई है। इस संबंध में दो लोग हिरासत में लिए गए हैं। जो अभी तक साक्ष्य आए हैं, उस पर प्रथम दृष्टया संगठित चैन या गैंग नहीं है। परीक्षा केंद्र पर पुलिस चेकिंग की भी जांच की जा रही है। इसमें शामिल कोई भी नहीं छूटेगा। आयोग के अध्यक्ष ने कहा कि एक लाख 54 हजार अभ्यर्थी परीक्षा में बैठे थे। पेपर की शुचिता पर कोई असर नहीं है। हरिद्वार के केंद्र पर कहां चूक हुई है, इसकी जांच की जा रही है। एसएसपी ने बताया कि सोशल मीडिया के माध्यम से लिखित प्रतियोगी परीक्षा के प्रश्न पत्रों के फोटो के स्क्रीनशॉट को कुछ सोशल मीडिया अकाउंट्स पर प्रसारित करने की जानकारी के आधार पर तत्काल एसआईटी गठित की गई, जिस संबंधित में यूके एसएसएससी की ओर से भी एक प्रार्थना पत्र एसएसपी देहरादून को दिया गया। उन्होंने बताया कि एसआईटी की प्रारम्भिक जांच में तथ्य प्रकाश में आया कि प्रातः 11 बजे उक्त परीक्षा के प्रारम्भ होने से पूर्व राज्य के किसी भी जिले से प्रश्न पत्र के लीक अथवा आउट होने की कोई सूचना नहीं आई थी। पेपर समाप्त होने के उपरान्त समय करीबः 01:30 बजे जानकारी मिली कि सोशल मीडिया पर उक्त पेपर के कुछ प्रश्नों के फोटो लेकर उन्हें प्रातः 11:35 बजे आउट करने की स्क्रीनशॉट प्रसारित किए जा रहे हैं।

मप्र के छतरपुर में कर्ज से परेशान परिवार के चार लोगों ने खाया जहर, पिता-बेटे की मौत

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में ओरछा थाना क्षेत्र अंतर्गत देरी गांव में रात कर्ज से परेशान एक परिवार के चार लोगों ने जहर खा लिया। इनमें से दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक पिता-पुत्र हैं। वहीं दो लोगों को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस फिलहाल मामले की जांच में जुटी है। ग्राम देरी निवासी किसान ओमप्रकाश अहिरवार (35) ने खेती के लिए ट्रैक्टर कर्ज पर लिया था। लगातार फसल खराब होने के कारण वे किश्त नहीं चुका पाए। दो दिन पहले ट्रैक्टर कंपनी के कर्मचारी घर पहुंचे और 30-40 हजार रुपये की किश्त जमा करने का दबाव बनाया। किश्त नहीं चुकाने पर ट्रैक्टर ले जाने की धमकी दी गई थी। बताया जा रहा है कि शुक्रवार की रात ओमप्रकाश के परिवार ने भोजन किया, जिसके बाद जिससे उनकी तबीयत बिगड़ गई। वे लोग रात में अस्पताल नहीं जा पाए। शनिवार सुबह के समय घर के दरवाजे देर तक नहीं खुले तो ग्रामीणों ने उनके गेट खुलवाए, तब पता चला कि उन्होंने कुछ जहरीला पदार्थ खा लिया है। ग्रामीण चारों को जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने ओमप्रकाश और

उनके दो वर्षीय छोटे बेटे निहाल को मृत घोषित कर दिया। वहीं, उनकी पत्नीनंदिनी (29) और बड़े बेटे तनिष्क का जिला अस्पताल में इलाज जारी है।

जिला अस्पताल के चिकित्सक डॉ. आशीष शुक्ला ने बताया कि परिवार ने रात में आलू की सब्जी खाई थी। इसके बाद सभी को उल्टियां होने लगीं। महिला की हालत फिलहाल स्थिर है, जबकि बच्चे की स्थिति नाजुक बनी हुई है। वहीं, सीएसपी अरुण कुमार सोनी ने बताया कि पुलिस मामले को लेकर जांच पड़ताल कर रही है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। इधर, ग्रामीणों ने बताया कि एक दिन पहले लोन का बकाया जमा करने के लिए लोन देने वाली कंपनी के लोग आए थे और जमीन की कुर्की कराने की बात कह गए थे। अब घटना के पीछे की हकीकत क्या है, इसकी जानकारी परिवार के दो लोगों के होश में आने के बाद ही चल सकेगा।

पिपरहवा अवशेषों की घर वापसी से उत्तर प्रदेश को मिला वैश्विक गौरव

लखनऊ।उत्तर प्रदेश एक बार फिर वैश्विक बौद्ध धरोहर के केंद्र में आ गया है। 127 वर्ष पहले पवित्र पिपरहवा अवशेष, जो सिद्धार्थनगर जिले के पिपरहवा स्तूप से 1898 में खोजे गए थे, यह भारत वापस लौट आए हैं। अब इनका रूस के काल्मिकिया में लगने वाली एक प्रदर्शनी में रखे जाएंगे। इसके लिए केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय की ओर एक प्रतिनिधिमंडल रूस के काल्मिकिया जाएगा, जिसका नेतृत्व उत्तर प्रदेश सरकार के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य करेंगे।जल्द होगा सार्वजनिक प्रदर्शन औपनिवेशिक काल में विदेश ले जाए गए पिपरहवा अवशेष मई 2025 में हांगकांग की एक अंतरराष्ट्रीय नीलामी में रखे गए थे। इसकी सूचना पर केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय और गॉदरेज इंडस्ट्रीज़ ग्रुप के संयुक्त प्रयास से यह नीलामी रुकवाई गई थी और 30 जुलाई 2025 को इन अवशेषों को भारत वापस लाया गया। पिपरहवा अवशेष की वापसी भारत के साथ उत्तर प्रदेश की भूमि के उस गौरवशाली इतिहास की पुनः स्थापना है, जिसने भगवान बुद्ध की शिक्षाओं से पूरी दुनिया को आलोकित किया।

श्रीकृष्ण से जुड़ी स्मृतियों को तीर्थ के रूप में विकसित कर रही राज्य सरकारः मुख्यमंत्री डॉ यादव

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा किभगवान श्रीकृष्ण ने विशाल दृष्टिकोण और गरीबों के प्रति उदार भाव रखने की शिक्षा दी। मध्य प्रदेश की धरती पर सांदीपनि आश्रम में शिक्षा ग्रहण करने से लेकर सुदामा के साथ मैत्री, रुकमणी से विवाह और भगवान परशुराम से सुदर्शन चक्र प्राप्त करने के प्रसंग घटित हुए। इस नाते मध्य प्रदेश भी गौकुल का आनंद प्रदान करता है। राज्य सरकार भगवान श्रीकृष्ण से जुड़ी स्मृतियों को संजोने और उनसे जुड़े स्थानों को तीर्थ के रूप में विकसित कर रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को वृंदावन में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वे भगवान कृष्ण कन्हैया की पावन धरा पर पहुंचे हैं। यहां पहुंचने पर भगवान श्रीकृष्ण की लीलाएं याद आती हैं जो आज भी समसामयिक हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत के लिये अनुकूल समय है, जब राष्ट्र के हित में सही निर्णय हो रहे हैं। विश्व में भारत की प्रतिष्ठा बढ़ रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने

वृंदावन धाम स्थित केशव नगर पहुंचकर साध्वी सरस्वती दीदी की श्रीमद भागवत कथा का श्रवण किया और उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया। साध्वी सरस्वती दीदी ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा मध्य प्रदेश में गौवंश संरक्षण, कृष्ण पाथेय के विकास के लिए की गई पहल और वैदिक घड़ी की स्थापना, भारतीय संस्कृति से युवा पीढ़ी को अवगत करवाने के प्रयासों की सराहना की। साध्वी सरस्वती दीदी ने सैनिक सहायता कोष के लिए साध्वी सरस्वती फाउंडेशन, वृंदावन की ओर से 11 लाख रुपये की राशि का चेक मुख्यमंत्री डॉ यादव को प्रदान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सैनिक सहायता कोष के लिए मध्य प्रदेश सरकार की ओर से 11 लाख रुपये की राशि शामिल करते हुए कोष में कुल 22 लाख रुपये देने को कहा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आगरा के निकट ग्राम बाकंदा पहुंचकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मध्य क्षेत्र के क्षेत्र सेवा प्रमुख ओमप्रकाश सिसोदिया के पिता जनक सिंह सिसोदिया के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जनक सिंह सिसोदिया की बाकंदा आगरा स्थित समाधि परिसर में पौधरोपण भी किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आगरा एयरपोर्ट पर उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री द्वय केशव प्रसाद मौर्य एवं ब्रजेश पाठक ने आत्मीय स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उप मुख्यमंत्री द्वय का हृदय से आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के साथ नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के वृंदावन पहुंचने पर उत्तर प्रदेश के जनप्रतिनिधियों और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

गुजरात में दो नए राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं से पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा : गडकरी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के भावनगर में 34200 करोड रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। ये परियोजनाएं गुजरात के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के साथ-साथ पर्यटन और आर्थिक विकास को गति देंगी।केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बताया कि प्रधानमंत्री ने जिन परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया, उनमें दो महत्वपूर्ण राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं शामिल हैं, जो स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, सरदार सरोवर बांध, जंबुघोडा वन्यजीव अभयारण्य, रतनमहल स्लॉथ बेयर अभयारण्य, शूलपनेश्वर वन्यजीव अभयारण्य और पूर्णा वन्यजीव अभयारण्य जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों तक बेहतर पहुंच प्रदान करेंगी। नितिन गडकरी ने अपने एक्स पोस्ट में जानकारी दी कि प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय राजमार्ग-56 के दो प्रमुख खंडों की आधारशिला रखी। पहली परियोजना छोटा उदयपुर में राष्ट्रीय राजमार्ग-56 के जाबुगाम-धमासिया खंड का 38.3 किलोमीटर लंबा चार-लेनिंग है, जबकि दूसरी परियाजना भरुच में राष्ट्रीय राजमार्ग-56 के बिटाडा/मोवी-नसरपुर खंड का 29.1 किलोमीटर लंबा चार-लेनिंग है। ये परियोजनाएं छोटा उदयपुर, नर्मदा, भरुच, सूरत और तापी जिलों में सडक संपर्क को बेहतर बनाएंगी। उन्होंने बताया कि ये राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं न केवल परिवहन को सुगम बनाएंगी, बल्कि पर्यटन और आध्यात्मिक स्थलों तक पहुंच को भी आसान करेंगी। उनाई माता मंदिर जैसे तीर्थस्थलों तक यात्रा सरल होगी, जिससे धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। इन सडकों से गुजरात के प्रमुख पर्यावरण-पर्यटन स्थलों तक कनेक्टिविटी में सुधार होगा, जिससे पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होगी। गडकरी ने कहा कि ये परियोजनाएं विशेष रूप से दक्षिण गुजरात के आदिवासी-बहुल क्षेत्रों में रोजगार सृजन को बढ़ावा देंगी और सतत आर्थिक विकास को गति प्रदान करेंगी। नर्मदा जैसे आकांक्षी जिले में कनेक्टिविटी में सुधार से स्थानीय समुदायों को नए अवसर प्राप्त होंगे।

एशिया कप सुपर फोर में आज होगा श्रीलंका और पाकिस्तान का मुकाबला

अबुधाबी (एजेंसी)। श्रीलंका और पाकिस्तान की टीम मंगलवार को सुपर 4 चरण में आमने-सामने होगी। दोनो ही टीमें सुपर फोर के अपने पहले की मैच में हार गयीं थी। ऐसे में दोनो का लक्ष्य इस मैच को जीतकर फाइनल की दौड़ में बने रहना होगा। गत विजेता श्रीलंकाई टीम ग्रुप चरण में एक भी मैच नहीं हारी थी पर सुपर फोर में उसे बांग्लादेश से एक रोमांचक मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। इससे टी20 एशिया कप में उसके आठ मैचों के विजय अभियान को झटका लगा जिससे अब वह उबरना चाहेगी हालांकि इस मैच में वह जीत की प्रबल दावोदार मानी जा रही है क्योंकि पाक टीम का प्रदर्शन अब तक काफी खराब रहा है।

पाक टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। उसे लीग स्तर के बाद सुपर फोर में भी भारतीय टीम ने आसानी से हरा दिया। ये दोनो ही मुकाबले एकतरफा रहे और पाक बल्लेबाज व गेंदबाज कोई भी प्रभाव नहीं छोड़ पाये। इससे वह अंक तालिका में अंतिम स्थान पर है। अभी सुपर फोर में भारत और बांग्लादेश के दो अंक है पर बेहतर रनरेट के आधार पर भारतीय टीम पहले और बांग्लादेश दूसरे, श्रीलंका तीसरे व पाक चौथे नंबर पर है।

अब पाक टीम को टूर्नोमेंट में बने रहने के लिए श्रीलंका के खिलाफ बड़ी जीत हासिल करनी होगी। पाकिस्तानी टीम को अब हर हालत में जीत दर्ज करनी होगी। हालांकि ये उसके लिए आसान नहीं होगा क्योंकि उसके बल्लेबाज और गेंदबाज अब तक असफल रहे हैं। गेंदबाजी की बात करें तो उसके लेग स्पिनर अबरार अहमद केवल ओमान और यूएई जैसी टीमों के खिलाफ ही सफल रहे और भारतीय बल्लेबाजों ने उन्हें जमकर पीटा।

दूसरी ओर श्रीलंका की बात करें तो उसका मध्यक्रम कमजोर है। दासुन शनाका ने बांग्लादेश के खिलाफ पांचवें नंबर पर अच्छी बल्लेबाजी की परन्तु ग्रुप चरण में लगातार दो अर्धशतक लगाने वाले पाथुम निसांका लय हासिल नहीं कर पाये हैं हालांकि कुसल मेंडिस और कामिल मिशारा अच्छे फॉर्म में है और टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचा सकते हैं। गेंदबाजी में उसके तेज गेंदबाज नुवान तुषारा ने अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है और उनका सामना करना पाक बल्लेबाजों के लिए आसान नहीं होगा। इसके अलावा रहस्यमयी स्पिनर वानिंदु हसरंगा भी पाक बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने का प्रयास करेंगे। हसरंगा ने अब तक इस टूर्नोमेंट में छह विकेट लिए हैं।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

पाकिस्तान = सलमान अली आगा (कप्तान), अबरार अहमद, फहीम अशरफ, फखर जमां, हारिस रऊफ, हसन अली, हसन नवाज, हुसैन तलत, खुशदिल शाह, मोहम्मद हारिस, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद वसीम जूनियर, साहिबजादा फरहान, सईम अयूब, सलमान मिर्जा, शाहीन शाह अफरीदी, सुफयान मोकिम।

श्रीलंका = चरित असलंका (कप्तान), पाथुम निसांका, कुसल मेंडिस, कुसल परेरा, नुवानिदु फर्नांडो, कामिंडु मेंडिस, कामिल मिशारा, दासुन शनाका, जेनिथ लियानगे, चमिका करुणारत्ने, डुनिथ वेलालेज, वानिंदु हसरंगा, महीश थीक्षाना, दुष्मंथा चमीरा, बिनुरा फर्नांडो, नुवान तुषारा, मथीशा पथिराना।

23 और 24 सितंबर को वेस्ट इंडीज के खिलाफ सीरीज के लिए भारतीय टीम का चयन करेगी बीसीसीआई : सैकिया

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव देवजीत सैकिया ने कहा है कि वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए भारतीय टीम का चयन 23 या 23 सितंबर को किया जाएगा। इसी के साथ ही भारतीय टीम का घरेलू सत्र शुरु होगा। पहला टेस्ट 2 अक्टूबर से अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा।

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 के तहत ये भारतीय टीम की पहली घरेलू सीरीज होगी। भारतीय टीम ने 2025-27 चक्र की शुरुआत शुभमन गिल की कप्तानी में इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज से की थी जो 2-2 से बराबरी पर रही थी। सैकिया ने कहा कि वेस्टइंडीज सीरीज के लिए ऑनलाइन बैठक में टीम पर फैसला होगा।

सैकिया ने कहा, वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम का चयन 23 या 24 सितंबर को होगा। चयन बैठक ऑनलाइन होगी। भारत और वेस्टइंडीज की टीम के बीच दूसरा टेस्ट मैच 10 अक्टूबर से 14 अक्टूबर के बीच दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जाएगा। वहीं ये सीरीज न चेज की कप्तानी वाली वेस्टइंडीज टीम के लिए भी नए आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र में जून-जुलाई 2025 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू सीरीज के बाद दूसरी सीरीज है। इस सीरीज के लिए वेस्टइडीज ने बाएं हाथ के स्पिनर खैरी पियरे को पहली बार टीम में शामिल किया है। टीम में तेगनारायण चंद्रपॉल और एलिक अथानाजे को भी जगह मिली है।

क्विंटन डि कॉक ने संन्यास से वापसी का फैसला लिया, इस एशियाई टीम के खिलाफ खेलेंगे पहला मैच

केप टाउन (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक ने एकदिवसीय क्रिकेट से संन्यास लेने का अपना फैसले वापस ले लिया है और चयनकर्ताओं उन्हें पाकिस्तान दौरे के लिए एकदिवसीय और टी-20 टीमों में शामिल किया गया है। इसके साथ ही वह नामीबिया के साथ एकमात्र टी20 मैच भी खेलेंगे।

डी कॉक ने 2023 के एकदिवसीय विश्व कप के बाद 50 ओवर के क्रिकेट से संन्यास ले लिया था,और दक्षिण अफ्रीका के लिए उनका आखिरी सीमित ओवरों का मैच बारबाडोस में 2024 का टी-20 विश्व कप फाइनल था। हालांकि उन्होंने आधिकारिक तौर पर टी-20 से संन्यास नहीं लिया। इस बीच वह हाल ही में समाप्त हुई सीपीएल सहित दुनिया भर की टी-20 लीगों में सक्रिय रहे हैं।

वर्तमान मुख्य कोच शुकरी कॉनराड ने डी कॉक के साथ चर्चा की है और कहा है कि उन्होंने फिर से राष्ट्रीय टीम के लिए प्रतिबद्धता जताई है। कॉनराड ने कहा, 'क्विंटन की सफेद गेंद वाली टीम में वापसी हमारे लिए एक बड़ी उपलब्धि है। जब हमने पिछले महीने उनके भविष्य के बारे में बात की थी, तो यह स्पष्ट था कि उनमें अभी भी अपने देश का प्रतिनिधित्व करने की तीव्र महत्वाकांक्षा है। हर कोई जानता है कि वह टीम में क्या गुण लाते हैं और उनकी वापसी से टीम को ही फायदा होगा।' अपने एकदिवसीय संन्यास के समय डी कॉक ने संकेत दिया था कि 2027 में दक्षिण अफ्रीका के घरेलू विश्व कप को देखते हुए, उन्हें वापसी के लिए मना लिया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस समय मुझे ऐसा होता नहीं दिख रहा है। लेकिन आप कभी नहीं जानते। जिदगी में अजीबोगरीब चीजे होती हैं। यह एक संभावना हो सकती है, लेकिन मुझे नहीं लगता।

पाक बल्लेबाज फरहान ने बंदूक की तरह बल्ले को लहराया , भारतीय प्रशंसक भड़के

दुबई (एजेंसी)। एशिया कप के सुपर फोर मैच में भी पाकिस्तान को भारतीय क्रिकेट टीम के हाथों करारी हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच में पाक बल्लेबाज फरहान ने अर्धशतक पूरा करने के बाद उसे बंदूक की तरफ लहराया जिससे विवाद को गया। इसका एक विडियो भी आया है, इससे पता चलता है कि पाक टीम की सोच कैसी है। पाक में बंदूके मिलना आसान है और देश भर में आतंकी खुलेआम घूमते रहते हैं। यही कारण है कि खेल में भी बंदूक के अंदाज में खिलाड़ी जश्न मना रहे हैं। बहरहाल फरहान की इस शर्मनाक हरकत की प्रशंसकों ने कड़ी आलोचना की है। जैसे ही फरहान का जश्न का अंदाज सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। उनकी आलोचना शुरु हो गयी। लोगों के अनुसार फरहान ने इस प्रकार का जश्न मना कर भारतीय टीम और प्रशंसकों को चिढ़ाया है।

फरहान के ऐसे आक्रामक जश्न से साफ है कि पाक में लोगों को लोगों को आतंकवाद ही पाठ पढ़ाया जाता है।

पाक ने खेल के मैदान में भी नफरत और दुश्मनी का माहौल बना दिया है। फरहान का बल्ला जब बंदूक की तरह लहराया, तो सभी ने साफ देख लिया कि पाक खिलाड़ी भी आतंकी मानसिकता से भरे हैं, जो उनके यहां आम बात है। खेल के मैदान में पिटने के बाद भी वह आतंकी चेहरा दिखाने से बाज नहीं आते। यही कारण है कि फरहान ने बल्ले बो बंदूक की तरह लहराया।

ये तब होता है देश मे आतंकवाद का माहौल और संस्कृति हो। इसी कारण आतंकियों को पनाह देने वाले पाक खिलाड़ी भी खेल के मैदान में आतंकी सोच का प्रदर्शन कर रहे हैं। इससे खेल में पाक लगातार पीछे जा रहा है। वहीं इससे पहले भारतीय टीम के कप्?तान सूर्यकुमार यादव ने लीग मैच में मिली जीत सेना और पहलगाम हादसे में जान गंवाने वाले लोगों को समर्पित की थी। भारतीय टीम ने पहले मैच की तरह ही सुपर फोर के मुकाबले में भी पाक खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया और न ही उनसे किसी भी प्रकार का संपर्क किया।

हरभजन ने पश्चिम बंगाल के खेल मंत्री के साथ दुर्गा पूजा पंडाल का उद्घाटन किया

कोलकाता । पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह ने कोलकाता में एक दुर्गा पूजा पंडाल का उद्घाटन किया है। हरभजन ने पश्चिम बंगाल के खेल मंत्री अरूप विश्वास के साथ मिलकर अशोक नगर इलाके के एक दुर्गा उत्सव पूजा पंडाल का उद्घाटन किया। इस अवसर पर हरभजन ने मां दुर्गा के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त करते हुए कोलकाता के लोगों के प्यार एवं सम्मान के लिए आभार जताया। उद्घाटन समारोह हरभजन ने कहा, सबसे पहले मैं मां दुर्गा का प्रणाम करते हुए जिन्होंने मुझे यहां तक पहुंचाया। खेल मंत्री अरूप विश्वास के इस प्रकार सम्मान देने के लिए मैं उनका धन्यवाद देता हूं। मैं खुद को बहुत भाग्यशाली मानता हूं कि मैं यहां आया। कोलकाता में मुझे हमेशा बहुत प्यार मिलता है। मैं यही कामना करता हूं कि मां दुर्गा सब पर अपनी कृपा बनाए रखें और सभी खुश रहें। हरभजन ने दुर्गा पूजा के महत्व को लेकर कहा, दुर्गा पूजा एक ऐसा उत्सव है, जिसका हम सभी को बेसब्री से इंतजार रहता है। मां दुर्गा की पूजा हर जगह होती है पर कोलकाता में इसे एक भव्य त्योहार के रूप में मनाया जाता है। यह मां का आशीर्वाद है कि मैं आज यहां मौजूद हूं। हरभजन सिंह ने दादा के नाम से लोकप्रिय पूर्व कप्तान सौरव गांगुली के बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) के अध्यक्ष पद की दौड़ में शामिल होने पर कहा, गांगुली मेरे लिए बड़े भाई जैसे हैं। जीवन में एक ऐसा व्यक्ति होता है, जो कठिन वक्त में आपका साथ देता है और आपके हाथ को थामता है। मेरे लिए दादा वही व्यक्ति हैं। मैं उनका बहुत सम्मान करता हूं और उनकी जीत की कामना करता हूं।

बांग्लादेश की टीम अब भारत के खिलाफ खेलने के लिए तैयार

दुबई । बांग्लादेश की टीम एशिया कप 2025 के सुपर-4 मुकाबले में श्रीलंका के खिलाफ मिली जीत से उत्साहित है। श्रीलंका के खिलाफ मैच विजेता पारी खेलने वाले युवा सलामी बल्लेबाज सैफ हसन का कहना है कि अब उनका ध्यान भारत के खिलाफ 24 सितंबर को होने वाले मैच पर रहेगा। इसके बाद उसे 25 सितंबर को सितंबर को पाकिस्तान से खेलना है। बांग्लादेश ने श्रीलंका को एक गेंद शेष रहते चार विकेट से हराया जिसके बाद से ही टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है। सैफ के अनुसार उनकी टीम को फाइनल में पहुंचने का भरोसा है। साथ ही कहा कि टीम यूएई यह मानकर ही पहुंची थी। सैफ ने कहा, हां, बिल्कुल, हमें फाइनल में पहुंचने का पूरा भरोसा है, यहां आने से पहले, सभी को भरोसा था कि हम फाइनल खेलेंगे। अब हम एक कदम आगे हैं और अभी हमारे लिए दो मैच और बाकी हैं, और हमारा अगला ध्यान सिर्फ अगले मैच पर है।

शोएब अख्तर ने पाक टीम को जमकर फटकार लगायी, 200 रन बनाते तो भी हारते

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने एशिया कप में भारतीय टीम के हाथों मिली करारी हार पर पाक टीम को जमकर फटकार लगायी है। अख्तर ने कहा कि पाक टीम अगर 200 रन भी बना लेती तो भी हारती। अख्तर ने सुपर 4 में भारतीय टीम के हाथों पाकिस्तान की छह विकेट से करारी पर कहा कि जिस प्रकार से गेंदबाजी करारी गयी उससे तो हारना तय था। इस मैच में पाक टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए साहिबजादा फरहान के अर्धशतक की सहायता से पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट पर 171 रन बनाए थे। इस लक्ष्य को भारतीय टीम ने 19 वें ओवर में ही चार विकेट खोकर हासिल कर लिया। पाक टीम को लगा था कि 171 रन काफी हैं पर भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाजों अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल ने आक्रामक बल्लेबाजी कर मैच उनके हाथ से छीन लिया। इन दोनो की 105 रन की शुरुआती साझेदारी से भारतीय टीम ने 18.5 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। अख्तर ने कहा अगर इस टीम के पास 200 रन होते तो उसको भी उसके गेंदबाज उसका बचाव नहीं कर पाते। डिफेंड नहीं कर पाते. अख्तर ने मैच के बाद एक टीम को आड़े हाथों लिया और कहा, 卐अगर फहीम से ही गेंदबाजी करानी थी तो नई गेंद से कराना चाहिये था। सैम अयूब की जगह उनको बुलाते तो शायद लाभ मिलता। अबरार मुख्य गेंदबाज था पर उससे पहले पार्ट टाइम गेंदबाज अयूब आ रहा है। साथ ही कहा कि आपकी गेंदबाजी लाइन अप बेहद खराब थी।

भारत ने 24 घंटे के अंदर पाकिस्तान को दूसरी बार हराया, दर्ज की शानदार जीत

स्पोर्ट्स डेस्क । भारत और पाकिस्तान की खेलों की दुनिया में प्रतिद्वंदिता किसी से छुपी नहीं है। चाहे क्रिकेट का मैदान हो या फुटबॉल का। एक तरफ दुबई में एशिया कप 2025 के सुपर-4 मुकाबले में भारतीय क्रिकेट टीम ने पाकिस्तान को 6 विकेट से हराया, तो दूसरी तरफ श्रीलंका की राजधानी कोलंबो में साउथ एशियन फुटबॉल फेडरेशन (स्र्स्नस्न) अंडर-17 चैंपियनशिप में भारतीय युवा फुटबॉलरों ने पाकिस्तान पर 3-2 से जीत दर्ज की। इन दोनों जीत ने साबित कर दिया कि भारत हर मैदान पर पाकिस्तान पर भारी पड़ रहा है।

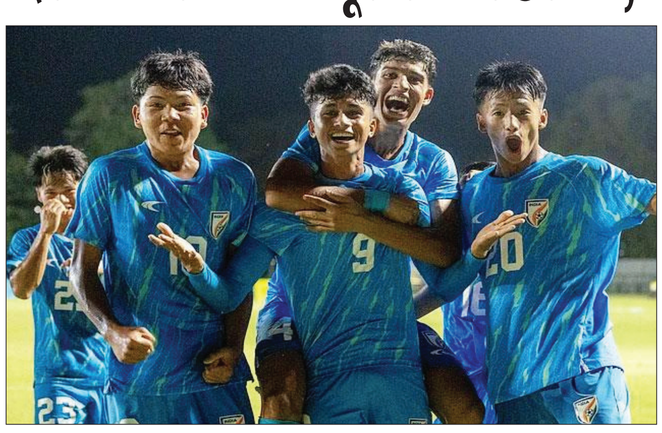

सोमवार 22 सितंबर को कोलंबो में खेले गए SAFF अंडर-17 चैंपियनशिप के ग्रुप बी मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को 3-2 से हराकर अपने ग्रुप में पहला स्थान हासिल किया। मैच की शुरुआत से ही भारतीय टीम ने आक्रामक रवैया दिखाया। 31वें मिनट में डलालमुओं गंगटे ने गोल दागकर टीम इंडिया को 1-0 की बढ़त दिलाई। हालांकि पाकिस्तान ने 43वें मिनट में पेनल्टी पर गोल करके स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया।

दूसरे हाफ में भारत ने एक बार फिर बढ़त बनाई। 63वें मिनट में गुनलीबा वांगखेराकपम ने शानदार गोल किया और स्कोर 2-1 कर दिया। लेकिन पाकिस्तान ने हार मानने के बजाय फिर वापसी की और 70वें मिनट में हमजा यासिर ने गोल करके स्कोर 2-2 कर दिया। पाकिस्तान की यह खुशी ज्यादा देर तक कायम नहीं रही। केवल 3 मिनट बाद ही 73वें मिनट में रेहान अहमद ने भारत के लिए तीसरा गोल दाग दिया और टीम को 3-2 की बढ़त दिला दी। इसके बाद भारतीय खिलाड़ियों ने बेहतरीन डिफेंस खेलते हुए पाकिस्तान को बराबरी का मौका नहीं दिया।

पूरे 90 मिनट के खेल के बाद भारतीय टीम विजेता बनी और तीनों ग्रुप मैच जीतकर शीर्ष पर रही। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली है जहां उसका सामना नेपाल से होगा। वहीं पाकिस्तान की टीम हार के बावजूद सेमीफाइनल में पहुंच गई है और उसका मुकाबला बांग्लादेश से होगा।

भारत की यह जीत खास इसलिए भी है क्योंकि SAFF अंडर-17 चैंपियनशिप में उसका प्रदर्शन ऐतिहासिक रहा है। टीम इंडिया अब तक सबसे ज्यादा 6 बार यह खिताब जीत चुकी है और मौजूदा चैंपियन भी है। पाकिस्तान जहां केवल एक बार ही चैंपियन बना है, वहीं भारत अब 7वीं बार खिताब जीतने की दहलीज पर खड़ा है।

राशिद ने सलमान की कप्तानी पर सवाल उठाये

लाहौर । पाकिस्तान की टीम के पूर्व कप्तान राशिद लतीफ ने सुपर फोर में भारतीय टीम के खिलाफ मिली हार के के बाद कप्तान सलमान अली आगा की जमकर आलोचना करते हुए उनकी कप्तानी पर ही सवाल उठा दिये। पाक टीम को लीग मैच में सात जबकि सुपर फोर में छह विकेट से हार मिली है। एशिया कप 2025 में ये पाकिस्तान की लगातार दूसरी हार है। पाक को पिछले सात मैचों में भारतीय टीम के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा है। लतीफ ने कहा है कि इस मैच में हमारी बल्लेबाजी लचर थी। टीम बीच के ओवरों में 37 गेंदों तक एक भी चौका तक नहीं लगा पायी। लतीफ ने कहा, पाकिस्तान शुरुआत में अच्छी बल्लेबाजी कर रहा था पर अचानक से स्थिति खराब कैसे हो गई? उसने आक्रामक होने के प्रयास किये बिना ही हार मान ली। टीम ने बीच के ओवरों में आक्रमण करने की कोशिश क्यों नहीं की, ये समझ से परे है। सैम अयूब के आउट होने तक मैच पाक के हाथ में था पर चौथे नंबर पर उतरे हुसैन तलत ने साहिबजादा फरहान के साथ 17 गेंदों में केवल 17 रन की बनाये जिससे मैच में टीम पिछड़ गयी।

जोहोर कप : भारतीय जूनियर टीम की कप्तानी करेंगे रोहित

नयी दिल्ली। डिफेंडर रोहित मलेशिया में हो रहे सुल्तान जोहोर कप टूर्नामेंट में भारत की कप्तानी करेंगे और उनका लक्ष्य पिछली बार के कांस्य पदक से बेहतर प्रदर्शन करना होगा। टूर्नामेंट 11 अक्टूबर से शुरू होकर 18 अक्टूबर को खत्म होगा और यह 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में होने वाले जूनियर विश्व कप की तैयारी के लिए अहम होगा। भारत को 11 अक्टूबर को ब्रिटेन से खेलना है जबकि 12 अक्टूबर को सामना न्यूजीलैंड से होगा। भारत और पाकिस्तान का सामना 14 अक्टूबर को होगा जबकि आस्ट्रेलिया से 15 अक्टूबर को मैच है। राउंड रॉबिन चरण में आखिरी मैच 17 अक्टूबर को मलेशिया से खेलना है। राउंड रॉबिन चरण से शीर्ष दो टीमें 18 अक्टूबर को फाइनल खेलेंगी। भारत के कोच पी आर श्रीजेश ने कहा, 'टीम सुल्तान जोहोर कप की अच्छी तैयारी कर रही है। हमारे पास अच्छी टीम है और जूनियर विश्व कप को देखते हुए यह तैयारी का अच्छा मौका होगा जिसमें मजबूत टीमों के खिलाफ खुद को आंक सकेंगे।'

टीम = गोलकीपर : ब्रिकमजीत सिंह, प्रिंसदीप सिंह

डिफेंडर : रोहित (कप्तान), तालेम प्रियब्रत, अनमोल इक्का, आमिर अली, सुनील पीबी, रवनीत सिंह

मिडफील्डर : अंकित पाल, टी इंगेलम्बा लुवांग, अद्रोहित इक्का, अराइजीत सिंह हुंडल, रोशन कुजूर , मनमीत सिंह

फॉरवर्ड : अर्शदीप सिंह, सौरभ आनंद कुशवाहा, अजीत यादव, गुरजोत सिंह

स्टैंडबाय : विवेक लाकड़ा, शारदानंद तिवारी, टी किंगसन सिंह, रोहित कुल्लू, दिलराज सिंह।

'वह क्रिकेट की दुनिया में तहलका मचाने जा रहा है', अश्विन ने पाकिस्तान के खिलाफ मैच के बाद इस खिलाड़ी की तारीफ की

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के खिलाफ अभिषेक शर्मा की शानदार पारी ने पूर्व दिग्गज खिलाड़ी रविचंद्रन अश्विन और केविन पीटरसन को आश्चर्यचकित कर दिया। भारतीय ऑफ स्पिनर ने तो यहां तक कह दिया है कि यह युवा खिलाड़ी 'भारत के लिए सीमित ओवरों के क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक' बन जाएगा। अभिषेक की 39 गेंद पर 74 रन की ताबड़तोड़ पारी से भारत ने रविवार को एशिया कप के सुपर चार चरण के मुकाबले में पाकिस्तान को आसानी से छह विकेट से मात दी। अभिषेक ने इस पारी में धैर्य और आक्रमण का शानदार मिश्रण दिखाते हुए कमाल के शॉट लगाए।

अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'मैं आपको बताना चाहता हूं कि यह अभिषेक शर्मा का आगमन नहीं है। यह तो बस शुरुआत है। उसने अभी-अभी शुरू किया है और उसका भविष्य बहुत लंबा है। वह क्रिकेट की दुनिया में तहलका मचाने जा रहा है।' अश्विन ने 23 साल के अभिषेक की तारीफ करते हुए कहा कि वह अपने गुरु युवराज सिंह की विरासत को आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा, 'यह बात लिख लीजिए। उनमें बहुत क्षमता है। जिस तरह से युवराज सिंह सीमित ओवरों में भारत के लिए सबसे शानदार खिलाड़ियों में से एक रहे हैं अभिषेक के पास भी सीमित ओवरों के प्रारूप में सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज बनने की क्षमता है। वह उस स्तर तक आसानी से पहुंच सकते हैं। मुझे लगता है कि वह युवराज की विरासत को आगे बढ़ाएंगे। वह एक अद्भुत प्रतिभा हैं।'

अभिषेक की पारी में छह चौके और पांच छक्के शामिल थे, लेकिन अश्विन के लिए उनके शॉट लगाने की कलात्मकता सबसे अलग थी। इस खब्बू बल्लेबाज ने पारी के आठवें ओवर में सईम अयूब के खिलाफ महान महेंद्र सिंह धोनी के अंदाज में 'हेलीकॉप्टर शॉट' जैसे स्ट्रोक के साथ चौका जड़ा। अश्विन ने कहा, 'अभिषेक शर्मा ने धोनी की तरह हेलीकॉप्टर कवर ड्राइव मारा। हर कोई उनके पांच छक्कों की बात करेगा, लेकिन मैं इस कवर ड्राइव के बारे में बात करना चाहता हूं, क्योंकि यह काफी दिलकश शॉट था।'

अभिषेक ने अपने बचपन के दोस्त शुभमन गिल के साथ 105 रन की साझेदारी कर भारत की जीत की नींव रखी। वह टूर्नामेंट के मौजूदा सत्र में सबसे ज्यादा (173) रन बनाने वाले बल्लेबाज है। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन ने भी अभिषेक के कसीदे गढ़े। पीटरसन ने 'एक्स' पर लिखा, 'अभिषेक शर्मा अलग स्तर का खिलाड़ी है। वह ऐसा खिलाड़ी है जो कभी-कभी असफल होगा और ऐसे शॉट पर आउट होगा जिसकी काफी आलोचना होगी। वह अपने करियर में लाखों लोगों के चेहरों पर मुस्कान और खुशी लाएंगा क्योंकि वह दुनिया भर के गेंदबाजों के खिलाफ तेजी से रन बटोरेगा। उनकी आंखें में रनों की भूख दिखती है। दोस्त, इस तेवर को बनाए रखो।'

मैकमिलन के मार्गदर्शन में बेहतर प्रदर्शन के लिए अभ्यास कर रही न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम

चेन्नई । न्यूजीलैंड की महिला क्रिकेट टीम 30 सितंबर से भारत और श्रीलंका में शुरु हो रहे विश्वकप में कोच क्रेग मैकमिलन के मार्गदर्शन में उतरेगी। न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम विश्वकप में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए पूरी तरह से अभ्यास में लगी है। भारतीय हालातों के अनुकूल ढ़लने के लिए टीम पहले ही यहां पहुंच गयी थी। मैकमिलन को बल्लेबाजी और क्षेत्ररक्षण बनाये जाने से भी टीम में उत्साह है। नई भूमिका के तहत मैकमिलन का काम महिला टीम को बेहतर बनाना रहेगा। इस बीच वह कमेंट्री और अन्य प्रतिबद्धताओं से दूर रहेंगे। क्रेग इससे पहले पार्ट-टाइम करार पर कोच थे पर अब उन्हें पूरे समय के लिए कोच बनाया गया है। मैकमिलन साल 2024 में यूएई में हुए आईसीसी टी20 विश्व कप की खिताबी जीत के समय भी टीम के साथ थे। मैकमिलन ने कहा, इस भूमिका में होना मेरे लिए बेहद खास है। महिला क्रिकेट लगातार मजबूत हो रहा है। उन्होंने कहा, पिछला साल बहुत जल्दी बीत गया। मुझे उस टीम का हिस्सा होने का हर पल बहुत अच्छा लगा, जो लगातार बेहतर होती जा रही है, टीम एक-दूसरे को चुनौती देती है और विश्व मंच पर खास प्रदर्शन करती है। मैकमिलन ने बताया कि विश्व कप को लेकर न्यूजीलैंड की तैयारियां जोरों पर हैं। चेन्नई में ट्रेनिंग कैंप में भी टीम के खिलाड़ियों का प्रदर्शन भी अच्छा रहा है।

प्रभास की फौजी में अभिषेक बच्चन की एंट्री!

तेलुगू सिनेमा के पैन इंडिया सुपरस्टार प्रभास की फिल्म फौजी को एक नई जानकारी आई है। चर्चा है कि डायरेक्टर हनु राघवपुडी की यह एक्शन-ड्रामा फिल्म अब और भी रोमांचक होने वाली है, क्योंकि इसमें अभिषेक बच्चन की एंट्री हुई है। प्रभास इन दिनों फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं। खबर है कि जल्द ही अभिषेक भी उनके साथ शामिल होंगे। हालांकि, फिल्म से अभिषेक के जुड़ने को लेकर अभी तक कोई अधिकारिक ऐलान नहीं किया गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, अभिषेक बच्चन और प्रभास फौजी में स्क्रीन शेयर करते नजर आने वाले हैं। हनु राघवपुडी ने अभिषेक बच्चन से एक अहम भूमिका निभाने के लिए संपर्क किया है। इस पर अभी बातचीत चल रही है और सब कुछ ठीक रहा, तो अभिषेक जल्द ही प्रभास को शूट के लिए जॉइन करेंगे। यह तेलुगू सिनेमा में अभिषेक बच्चन का डेब्यू होगा।

फौजी का 400 करोड़ का बजट और प्लॉट

फौजी, प्रभास के सबसे दिलचस्प प्रोजेक्ट्स में से है। चर्चा है कि यह फिल्म द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान की एक रोमांटिक ड्रामा है। यह एक सैनिक की यात्रा है, जो महाकाव्य की तरह भव्यता लिए हुए होगी और कहानी में भावनाओं का भी पुट होगा। इस ऐतिहासिक एक्शन फिल्म में प्रभास एक सैनिक की भूमिका में नजर आएंगे। विशाल चंद्रशेखर इसके लिए संगीत दे रहे हैं। फिल्म का बजट भी 400 करोड़ रुपये बताया जा रहा है।

सेट से लीक हुई फोटो तो मेकर्स ने दे दी चेतावनी

फौजी को लेकर बीते दिनों तब चर्चा और फैंस की उत्सुकता और बढ़ गई थी, जब अगस्त में शूटिंग लोकेशन एक तस्वीर लीक हुई थी। हालांकि, इसके बाद फिल्म के निर्माता माइथ्री मूवी मेकर्स ने चेतावनी भी जारी की। प्रोडक्शन हाउस ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा, हमने देखा है कि आप में से बहुत से लोग सेट से तस्वीरें शेयर कर रहे हैं। हम आपको बेहतरीन अनुभव देने की कोशिश कर रहे हैं, पर इस तरह के लीक टीम का मनोबल गिराते हैं। ऐसी तस्वीरें शेयर करने वाले किसी भी अकाउंट को न सिर्फ रिपोर्ट कर उसे बंद करवाया जाएगा, बल्कि उसे साइबर अपराध मानकर उचित कार्रवाई भी की जाएगी।

अनीत पड्डा ने काटा कियारा का पत्ता!

सैयारा की सफलता के बाद अनीत पड्डा लोगों की नजरों में हैं। सब उनके दीवाने हुए जा रहे हैं। इस बीच खबरें आ रही हैं कि अनीत ने कियारा आडवाणी को रिप्लेस कर दिया है।

अपनी फिल्म सैयारा की सफलता से एक्साइटेड अनीत पड्डा रातोंरात मशहूर हो गईं और उनके अगले प्रोजेक्ट को लेकर लोगों की भी खुशी बढ़ गई। हाल ही में, ऐसी खबरें आईं कि वह दिनेश विजन की मैडॉक हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स की आगामी फिल्म शक्ति शालिनी में लीड रोल प्ले करेंगी। हालांकि, अब मेकर्स ने एक आधिकारिक बयान दिया है। शुक्रवार को, मैडॉक फिल्म्स ने इंस्टाग्राम पर इन अफवाहों को खारिज करते हुए एक बयान शेयर किया, जिसमें लिखा था, हालांकि हम अपने हॉरर-कॉमेडी जगत के उत्साह को सचमुच महत्व देते हैं, हम यह बिल्कुल स्पष्ट करना चाहते हैं कि शक्ति शालिनी और महा मुंज्या सहित आगामी चैप्टर्स की कास्टिंग से जुड़ी कोई भी रिपोर्ट पूरी तरह से अटकलें हैं। हम मीडिया से गलत सूचनाओं से बचने और हमारी आधिकारिक घोषणाओं का इंतजार करने का आग्रह करते हैं। कैप्शन में आगे लिखा था, लगातार समर्थन और समझ के लिए धन्यवाद।

अनीत पड्डा ने कियारा को किया रिप्लेस!

स्पष्टीकरण के बावजूद, फैंस अनीत पड्डा के पक्ष में खड़े रहे। एक यूजर ने कमेंट किया- वैसे, अनीत एक बेहतरीन ऑप्शन होतीं। एक ने लिखा- अगर आपने अभी तक अनीत को कास्ट नहीं किया है तो प्लीज उन्हें कास्ट कर लीजिए। एक तीसरे ने लिखा- अनीत सबसे अच्छी पसंद हैं क्योंकि वह एक टैलेंटेड एक्ट्रेस हैं। वहीं, कुछ फैंस ने उनकी जगह कियारा आडवाणी को रोल में देखने की इच्छा जताई।

शक्ति शालिनी में कियारा!

एक सूत्र ने बताया, अनीत पड्डा पिछले दो महीनों से शक्ति शालिनी के लिए बातचीत कर रही थीं, क्योंकि दिनेश विजन अपनी दुनिया में नई ऊर्जा भरना चाहते थे। उन्हें सैयारा में अनीत का काम बहुत पसंद आया और उन्होंने हॉरर-कॉमेडी की दुनिया का अगला अध्याय उन पर बनाने का फैसला किया। इससे पहले, मुंबई स्थित मैडॉक फिल्म्स के ऑफिस में देखा गया था, जिसके बाद कियारा आडवाणी का नाम इस प्रोजेक्ट से जुड़ा था। हालांकि, अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

इसी बैनर की फिल्मों ने मचाया धमाल

मैडॉक हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स की शुरुआत अमर कौशिक की स्त्री (2018) से हुई थी। बड़ी सफलता के बाद, वरुण धवन और कृति सेनन की भेड़िया (2022) आई, जिसने फ्रैंचाइजी को और आगे बढ़ाया। 2024 में, स्त्री 2 ने बॉक्स-ऑफिस के रिकॉर्ड तोड़ दिए, दुनिया भर में 857.15 करोड़ की कमाई की और भारतीय सिनेमा में एक बड़ी फ्रैंचाइजी बनकर उभरी। और भी कई फिल्में पहले से ही लाइन में हैं।

हर्षवर्धन राणे ने किया आमिर का समर्थन

बॉलीवुड में इन दिनों कलाकारों और उनकी टीम के खर्च को लेकर एक बड़ी बहस चल रही है। अब अभिनेता हर्षवर्धन राणे ने भी इस बहस पर अपनी बात रखी है। यह एक ऐसी चिंता है जिसे हाल के महीनों में कई फिल्म निर्माताओं और सितारों ने उठाया है। हाल ही में आमिर खान ने भी इस मुद्दे पर अपनी राय रखी थी। अब हर्षवर्धन राणे ने आमिर का समर्थन करते हुए इस मामले पर अपनी राय दी है। अभिनेता ने कहा कि वह निर्माताओं पर खर्च का बोझ डालने के बजाय खुद अपने कर्मचारियों के लिए भुगतान करेंगे।

हर्षवर्धन ने आमिर खान की उस टिप्पणी का समर्थन किया, जिसमें अभिनेता ने खुद्दारी का जिक्र करते हुए इस मुद्दे को उठाया था। हाल ही में आमिर ने सवाल करते हुए कहा था, 'इतनी खुद्दारी नहीं है? मुझे यह बेहद अजीब लगता है।' अब हर्षवर्धन राणे इसी मामले पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। हर्षवर्धन ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में लिखा, 'खुद्दारी है सर। मैं अपने निर्माता को अपनी टीम के लिए भुगतान नहीं करने देने की प्रतिज्ञा करता हूं। हिंदी और दक्षिण इंडस्ट्री के दिग्गजों से प्रेरित होकर, जो टीम की ऊंची लागतों की ओर इशारा करते रहे हैं, मैं निर्माताओं के साथ खड़ा रहूंगा।'

वरुण ने भी उठाया था मुद्दा

इस समय इंडस्ट्री में यह मुद्दा गर्माया हुआ है। आमिर के अलावा हाल ही में अभिनेता वरुण धवन ने भी इस पर अपनी राय रखी थी। वरुण ने कहा था कि इसका दोष पूरी तरह से अभिनेताओं पर नहीं मढ़ा जा सकता। अगर मैं सभी प्रोडक्शन हाउस को अपना समझने लगूं, तो सभी निर्माताओं को भी परिवार के सदस्यों की तरह व्यवहार करना होगा। ऐसा नहीं होता। हम अभिनेताओं को दोष देते रह सकते हैं। कहानियां और ब्लाइंड आइटम सामने आते हैं और हमें ट्रोल किया जाता है। सारा कीचड़ अभिनेताओं पर ही फेंका जाता है। हमें अच्छे निर्माता भी चाहिए। उन्हें सेट पर एक सहयोग करने वाला पारिवारिक माहौल बनाना चाहिए। अगर कोई अभिनेता अभी भी घमंडी है, तो उसके साथ काम न करें।

लुक को लेकर हुई ट्रोलिंग पर अनन्या का ट्रोलर्स को दिया जवाब

हाल ही में मालदीव से छुट्टियां मनाकर लौटीं अनन्या पांडे आर्यन खान की डेब्यू सीरीज 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' के प्रीमियर पर पहुंचीं। इस दौरान अनन्या की टैन बॉडी नजर आई। सफेद रंग के आउटफिट में अनन्या का फेस तो ग्लो कर रहा था, लेकिन उनकी बॉडी टैन नजर आ रही थी। इसी को लेकर सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस को ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा। कई यूजर्स ने अनन्या के बॉडी टैन की आलोचना की और इसे नकली तक कह डाला। अब अनन्या ने बड़े ही सलीके से इन ट्रोलिंग पर जवाब दिया है।

'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' के प्रीमियर पर जब अनन्या सफेद रंग के स्टाइलिश आउटफिट में पैपराजी के सामने पोज देने पहुंचीं, तो कई लोगों ने उन्हें ट्रोल किया। उनकी टैन बॉडी को लेकर सोशल मीडिया पर यूजर्स ने तरह-तरह के कमेंट किए। कुछ ने इसे नकली टैन बताया, तो कुछ ने कहा कि जुहू बीच पर घूमने के एक दिन बाद यह हाल होता है। अब अनन्या ने इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए इन ट्रोलिंग पर जवाब दिया है। अनन्या ने इसी इवेंट की एक क्लिप अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर की। इसके साथ ही अनन्या ने कैप्शन में लिखा, 'मैं टैन की प्रशंसक हूं। अनन्या ने इसके अलावा भी उस इवेंट के कुछ एक वीडियोज अपनी स्टोरी पर शेयर किए हैं। अनन्या के इस जवाब की कई प्रशंसक सराहना भी कर रहे हैं।

'तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी' में नजर आएंगी अनन्या

वर्कफ्रंट की बात करें तो अनन्या पांडे को आखिरी बार इसी साल रिलीज हुई फिल्म 'केसरी चैप्टर 2' में देखा गया था। इस फिल्म में उन्होंने वकील की भूमिका निभाई थी। अनन्या के आने वाले प्रोजेक्ट्स में फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी' शामिल है। इस फिल्म में उनके साथ कार्तिक आर्यन प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। यह फिल्म इस साल के आखिरी में 31 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होनी है।

मुझे लगता था मैं इंडस्ट्री के लिए फिट नहीं हूं

करियर के शुरुआती दौर में ही दोस्ताना 2 और बेधड़क जैसी जोरशोर से लॉन्च हुईं अपनी फिल्मों के डिब्बाबंद होने का गम झेलने वाले एक्टर लक्ष्य ने आखिरकार फिल्म किल से बड़े पर्दे पर धमाकेदार एंट्री मारी। वहीं, अब वह साल की सबसे चर्चित वेब सीरीज बैड्स ऑफ बॉलीवुड में नजर आ रहे हैं। शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान की इस डेब्यू डायरेक्टोरियल सीरीज में वह असल जिंदगी की ही तरह एक आउटसाइडर से स्टार बनने वाले युवा एक्टर की भूमिका में हैं। आउटसाइडर होने का एक खामियाजा और एक ताकत पूछने पर लक्ष्य बताते हैं, खामियाजा यही था कि मुझे लगता था कि शायद यह दुनिया मेरे से काफी परे है। शायद मैं इसे समझ नहीं पाऊंगा। ये भाषा नहीं बोल पाऊंगा, तो खुद को इस दुनिया के हिसाब से बदलने की कोशिश कर रहा था, ताकि इसका हिस्सा बन सकूं। वो भाषा बोलकर, वो कपड़े पहनकर या उन जगहों पर जाकर, जो यहां का कल्चर है, मैं उसमें फिट होने की कोशिश कर रहा था। लक्ष्य ने कहा, मुझे बाद में अहसास हुआ कि नहीं यार, यही तो मेरी ताकत है कि मैं दिल्ली से हूं। 12वीं पास हूं। मेरे पापा एक प्राइवेट कंपनी में काम करते हैं, मम्मी बुटीक चलाती हैं। यही तो मेरी पहचान है, मैं उसे क्यों खो रहा हूं? तो जब मैंने उसे अपनाया तो वही मेरी ताकत बन गया। अब मैं अब सेट हूं और अपने साथ खुश हूं।

जिद थी कि टिके रहना है

अपनी शुरुआती दो बड़ी फिल्मों दोस्ताना 2 और बेधड़क के बंद हो जाने की निराशा को कैसे हैंडल किया? इस पर लक्ष्य ने कहा, एक जिद थी कि करना तो कुछ बड़ा ही था। पीछे जाने का कोई रास्ता ही नहीं था तो सोच यही थी कि टिके रहो, जो मेहनत कर रहे हो वो करते रहो, आज नहीं तो कल, कल नहीं तो परसों, एक दिन तुम्हारा वक्त आएगा ही, वो इंतजार की बात होती है। फिर, जितना समय लगता है ना चीजें होने में, वो आपको उतना ही लंबा चलने के लिए तैयार करती हैं। उसका फल उतना ही मीठा होता है।

एक जिद है कि अपने को साबित करना है

जैसे, बैड्स ऑफ बॉलीवुड के लिए हम सबने तीन साल इंतजार किया है। आर्यन (आर्यन खान) ने तो उससे भी ज्यादा इंतजार किया है। वह तो उससे पहले से लिख रहा है, तो यह शो हम सबकी सालों की मेहनत, जिद और गुस्से का नतीजा है। एक जिद है कि अपने को साबित करना है। हम सब वो गुस्सा और जिद पाल रहे थे। मेरा डायरेक्टर (आर्यन) अपना गुस्सा और जिद पाल रहा है। मैं कह सकता हूं कि पुराना जो सारा दुख और गुस्सा था, वो इस शो ने सब भर दिया।

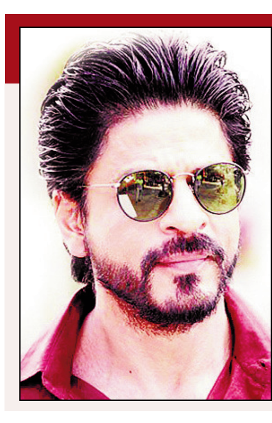

एनर्जी से भर देती हैं शाहरुख सर की बातें

एक इवेंट पर शाहरुख खान लक्ष्य को हीरो वाली एंट्री करना सिखाते दिखे। लक्ष्य की जिंदगी पर शाहरुख खान का क्या असर रहा है? इस पर लक्ष्य ने बताया, जब मेरी फिल्म किल का शूट चल रहा था, तो हर दिन ऐक्शन, मारकाट करते-करते 40-50 दिन के बाद मेरा शरीर टूट गया था। हिम्मत नहीं होती थी। मन करता था कि आज बोल दूं कि बीमार हूं, उस वक्त मैं शाहरुख सर के भाषण और उनके टेड टॉक सुनता था। वो सुनकर एक अलग ही एनर्जी आ जाती है। एक आग सी जल जाती है तो जिस दिन ऐसा लगता है कि मन अटपटा है, कुछ अच्छा नहीं लग रहा है तो उनकी स्पीच सुन लेता हूं। शो में अपने किरदार की तैयारी के लिए भी शाहरुख सर के बहुत सारे इंटरव्यू देखे थे, ताकि उनमें जो चार्म और मचिस्मो है वो लेकर आ पाऊं।

बॉलीवुड में क्या होना चाहिए बदलाव?

बॉलीवुड में ऐसा क्या बदलाव किया जाए ताकि वह बैड्स के बजाय बेस्ट बन जाए? यह पूछने पर लक्ष्य का जवाब था, इंस्टाग्राम बंद कर दो, तो अपने आप अच्छी फिल्में बनने लगेंगी। अभी होता क्या है कि लोग दिख क्या रहा है, चल क्या रहा है, यह ज्यादा सोचते हैं। जबकि, इस दिख क्या रहा है की जगह अगर इस चीज पर फोकस किया जाए कि हम बना क्या रहे हैं, बनाना क्या चाहते हैं तो चीजें बहुत बदल जाएंगी।

यहां के राजा हैं महाकाल

उज्जैन का प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर

उज्जैन भारत के मध्य प्रदेश राज्य का एक प्रमुख शहर है जो क्षिप्रा नदी के किनारे बसा है। यह एक अत्यन्त प्राचीन शहर है। यह विक्रमादित्य के राज्य की राजधानी थी। इसे कालिदास की नगरी के नाम से भी जाना जाता है। यहाँ हर 12 वर्ष पर सिंहस्थ कुंभ मेला लगता है। भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में एक महाकाल इस नगरी में स्थित है ।उज्जैन मध्य प्रदेश के सबसे बड़े शहर इन्दौर से 55 किमी पर है. उज्जैन के प्राचिन नाम अवन्तिका, उज्जयनी, कनकश्रन्गा आदि है। उज्जैन मन्दिरों की नगरी है। यहां कई तीर्थ स्थल हैं। इसकी जनसंख्या लगभग 4 लाख है।

देवाधिदेव महादेव

उज्जैन के महाकालेश्वर की मान्यता भारत के प्रमुख बारह ज्योतिर्लिंगों में है। महाकालेश्वर मंदिर का महात्म्य विभिन्न पुराणों में विस्तृत रूप से वर्णित है। महाकवि तुलसीदास से लेकर संस्कृत साहित्य के अनेक प्रसिध्द कवियों ने इस मंदिर का वर्णन किया है। लोक मानस में महाकाल की परम्परा अनादि है। उज्जैन भारत की कालगणना का केंद्र बिन्दु था और महाकाल उज्जैन के अधिपति आदिदेव माने जाते हैं। इतिहास के प्रत्येक युग में-शुंग,कुशाण, सात वाहन, गुप्त, परिहार तथा अपेक्षाकृत आधुनिक मराठा काल में इस मंदिर का निरंतर जीर्णोध्दार होता रहा है। वर्तमान मंदिर का पुनर्निर्माण राणोजी सिंधिया के काल में मालवा के सूबेदार रामचंद्र बाबा शेणवी द्वारा कराया गया था। वर्तमान में भी जीर्णोध्दार एवं सुविधा विस्तार का कार्य होता रहा है। महाकालेश्वर की प्रतिमा दक्षिण मुखी है। तांत्रिक परम्परा में प्रसिध्द दक्षिण मुखी पूजा का महत्व बारह ज्योतिर्लिंगों में केवल महाकालेश्वर कोही प्राप्त है। ओंकारेश्वर में मंदिर की ऊपरी पीठ पर महाकाल मूर्ति कीतरह इस तरह मंदिर में भी ओंकारेश्वर शिव की प्रतिष्ठा है।तीसरे खण्ड में नागचंद्रेश्वर की प्रतिमा के दर्शन केवल नागपंचमी को होते है। विक्रमादित्य और भोज की महाकाल पूजा के लिए शासकीय सनदें महाकाल मंदिर को प्राप्त होती रही है। वर्तमान में यह मंदिर महाकाल मंदिर समिति के तत्वावधान में संरक्षित है।

क्षिप्रा घाट

उज्जैन नगर के धार्मिक स्वरूप में क्षिप्रा नदी के घाटों का प्रमुख स्थान है। नदी के दाहिने किनारे, जहां नगर स्थित है, पर बने ये घाट स्थानार्थियों के लिये सीढ़ीबध्द हैं। घाटों पर विभिन्न देवी-देवताओं के नये-पुराने मंदिर भी है। क्षिप्रा के इन घाटों का गौरव सिंहस्थ के दौरान देखते ही बनता है, जब लाखों-करोड़ों श्रध्दालु यहां स्नान करते हैं।

गोपाल मंदिर

गोपाल मंदिर उज्जैन नगर का दूसरा सबसे बड़ा मंदिर है। यह मंदिर नगर के मध्य व्यस्ततम क्षेत्र में स्थित है। मंदिर का निर्माण महाराजा दौलतराव सिंधिया की महारानी बायजा बाई ने सन् 1833 के आसपास कराया था। मंदिर में कृष्ण (गोपाल) प्रतिमा है। मंदिर के चांदी के द्वार यहां का एक अन्य आकर्षण हैं।

हरसिध्दि

उज्जैन नगर के प्राचीन और महत्वपूर्ण धार्मिक स्थलों में हरसिध्दि देवी का मंदिर प्रमुख है। चिन्तामण गणेश मंदिर से थोड़ी दूर और रूद्रसागर तालाब के किनारे स्थित इस मंदिर में सम्राट विक्रमादित्य द्वारा हरसिध्दि देवी की पूजा की जाती थी। हरसिध्दि देवी वैष्णव संप्रदाय की आराध्य रही। शिवपुराण के अनुसार दक्ष यज्ञ के बाद सती की कोहनी यहां गिरी थी।

पुराणों में वर्णित अष्ट भैरव में काल भैरव का स्थ सिंहस्थ कुम्भ

सिंहस्थ उज्जैन का महान स्नान पर्व है। बारह वर्षो के अंतराल से यह पर्व तब मनाया जाता है जब बृहस्पति सिंह राशि पर स्थित रहता है। पवित्र क्षिप्रा नदी में पुण्य स्नान की विधियां चैत्र मास की पूर्णिमा से प्रारंभ होती हैं और पूरे मास में वैशाख पूर्णिमा के अंतिम स्नान तक भिन्न-भिन्न तिथियों में सम्पन्न होती है। उज्जैन के महापर्व के लिए पारम्परिक रूप से दस योग महत्वपूर्ण माने गए हैं। देश भर में चार स्थानों पर कुम्भ का आयोजन किया जाता है। प्रयास, नासिक, हरिध्दार और उज्जैन में लगने वाले कुम्भ मेलों के उज्जैन में आयोजित आस्था के इस पर्व को सिंहस्थ के नाम से पुकारा जाता है। उज्जैन में मेष राशि में सूर्य और सिंह राशि में गुरू के आने पर यहाँ महाकुंभ मेले का आयोजन किया जाता है, जिसे सिहस्थ के नाम से देशभर में पुकारा जाता है। सिंहस्थ आयोजन की एक प्राचीन परम्परा है। इसके आयोजन के संबंध में अनेक कथाएँ प्रचलित है। अमृत बूंदे छलकने के समय जिन राशियों में सूर्य,चन्द्र, गुरू की स्थिति के विशिष्ट योग के अवसर रहते हैं, वहां कुंभ पर्व का इन राशियों में गृहों के संयोग पर आयोजन होता है। इस अमृत कलश की रक्षा में सूर्य,गुरू और चन्द्रमा के विशेष प्रयत्न रहे। इसी कारण इन्हीं गृहों की उन विशिष्ट स्थितियों में कुंभ पर्व मनाने की परम्परा है।

काल भैरव

काल भैरव मंदिर आज के उज्जैन नगर में स्थित प्राचीन अवंतिका

नगरी के क्षेत्र में स्थित है। यह स्थल शिव के उपासकों के कापालिक सम्प्रदाय से संबंधित है। मंदिर के अंदर काल भैरव की विशाल प्रतिमा है। कहा जाता है कि इस मंदिर का निर्माण प्राचीन काल में राजा भद्रसेन ने कराया था।

गढ़कालिका देवी

गढ़कालिका देवी का यह मंदिर आज के उज्जैन नगर में प्राचीन अवंतिका नगरी क्षेत्र में है। कालयजी कवि कालिदास गढ़कालिका देवी के उपासक थे। इस प्राचीन मंदिर का सम्राट हर्षवर्धन द्वारा जीर्णोध्दार कराने का उल्लेख मिलता है। गढ़ कालिका के मंदिर में माँ कालिका के दर्शन के लिए रोज हजारों भक्तों की भीड़ जुटती है। तांत्रिकों की देवी कालिका के इस चमत्कारिक मंदिर की प्राचीनता के विषय में कोई नहीं जानता, फिर भी माना जाता है कि इसकी स्थापना महाभारतकाल में हुई थी, लेकिन मूर्ति सतयुग के काल की है। बाद में इस प्राचीन मंदिर का जीर्णोद्धार सम्राट हर्षवर्धन द्वारा किए जाने का उल्लेख मिलता है। स्टेटकाल में ग्वालियर के महाराजा ने इसका पुनर्निर्माण कराया।

भर्तृहरि गुफा

भर्तृहरि की गुफा ग्यारहवीं सदी के एक मंदिर का अवशेष है, जिसका उत्तरवर्ती दोर में जीर्णोध्दार होता रहा ।

श्री बड़े गणेश मंदिर

श्री महाकालेश्वर मंदिर के निकट हरसिध्दि मार्ग पर बड़े गणेश की भव्य और कलापूर्ण मूर्ति प्रतिष्ठित है। इस मूर्ति का निर्माण पद्मविभूषण पं. सूर्यनारायण व्यास के पिता विख्यात विद्वान स्व. पं. नारायण जी व्यास ने किया था। मंदिर परिसर में सप्तधातु की पंचमुखी हनुमान प्रतिमा के साथ-साथ नवग्रह मंदिर तथा कृष्ण यशोदा आदि की प्रतिमाएं भी विराजित हैं।

मंगलनाथ मंदिर

पुराणों के अनुसार उज्जैन नगरी को मंगल की जननी कहा जाता है। ऐसे व्यक्ति जिनकी कुंडली में मंगल भारी रहता है, वे अपने अनिष्ट ग्रहों की शांति के लिए यहाँ पूजा-पाठ करवाने आते हैं। यूँ तो देश में मंगल भगवान के कई मंदिर हैं, लेकिन उज्जैन इनका जन्मस्थान होने के कारण यहाँ की पूजा को खास महत्व दिया जाता है।कहा जाता है कि यह मंदिर सदियों पुराना है। सिंधिया राजघराने में इसका पुनर्निर्माण करवाया गया था। उज्जैन शहर को भगवान महाकाल की नगरी कहा जाता है, इसलिए यहाँ मंगलनाथ भगवान की शिवरूपी प्रतिमा का पूजन किया जाता है। हर मंगलवार के दिन इस मंदिर में श्रद्धालुओं का ताँता लगा रहता है।

उज्जैन के कई नाम

आज जो नगर उज्जैन नाम से जाना जाता है वह अतीत में अवंतिका, उज्जयिनी, विशाला, प्रतिकल्पा, कुमुदवती, स्वर्णश्रृंगा,अमरावती आदि अनेक नामों से अभिहित रहा। मानव सभ्यता के प्रारंभ से यह भारत के एक महान तीर्थ-स्थल के रूप में विकसित हुआ। पुण्य सलिला क्षिप्रा के दाहिने तट पर बसे इस नगर को भारत की मोक्षदायक सप्तपुरियों में एक माना गया है।

आज का उज्जैन

वर्तमान उज्जैन नगर विंध्यपर्वतमाला के समीप और पवित्र तथा ऐतिहासिक क्षिप्रा नदी के किनारे समुद्र तल से 1678 फीट की ऊंचाई पर 23 डिग्री.50% उत्तर देशांश और 75 डिग्री .50% पूर्वी अक्षांश पर स्थित है। नगर का तापमान और वातावरण समशीतोष्ण है। यहां की भूमि उपजाऊ है। कालजयी कवि कालिदास और महान रचनाकार बाणभट्ट ने नगर की खूबसूरती को जादुई निरूपति किया है। कालिदास ने लिखा है कि दुनिया के सारे रत्न उज्जैन में हैं और समुद्रों के पास सिर्फ उनका जल बचा है। उज्जैन नगर और अंचल की प्रमुख बोली मीठी मालवी बोली है। हिंदी भी प्रयोग में है। उज्जैन इतिहास के अनेक परिवर्तनों का साक्षी है। क्षिप्रा के अंतर में इस पारम्परिक नगर के उत्थान-पतन की निराली और सुस्पष्ट अनुभूतियां अंकित है। क्षिप्रा के घाटों पर जहां प्राकृतिक सौन्दर्य की छटा बिखरी पडी है, असंख्य लोग आए और गए। रंगों भरा कार्तिक मेला हो या जन-संकुल सिंहस्थ या दिन के नहान, सब कुछ नगर को तीन और से घेरे क्षिप्रा का आकर्षण है। उज्जैन के दक्षिण-पूर्वी सिरे से नगर में प्रवेश कर क्षिप्रा ने यहां के हर स्थान से अपना अंतरंग संबंध स्थापित किया है। यहां त्रिवेणी पर नवगृह मंदिर है और कुछ ही गणना में व्यस्त है। पास की सडक आपको चिन्तामणि गणेश पहुंचा देगी। धारा मुड़कर गई तो क्या हुआ? ये जाने पहचाने क्षिप्रा के घाट है, जो सुबह-सुबह महाकाल और हरसिध्दि मंदिरों की छाया का स्वागत करते है। क्षिप्रा जब पूर आती है तो गोपाल मंदिर की देहली छू लेती है। दुर्गादास की छत्री के थोडे ही आगे नदी की धारा नगर के प्राचीन परिसर के आस-पास घूम जाती है। भर्तृहरि गुफा, पीर मछिन्दर और गढकालिका का क्षेत्र पार कर नदी मंगलनाथ पहुंचती है। मंगलनाथ का यह मंदिर सान्दीपनि आश्रम और निकट ही राम-जनार्दन मंदिर के सुंदर दृश्यों को निहारता रहता है। सिध्दवट और काल भैरव की ओर मुत्रडकर क्षिप्रा कालियादेह महल को घेरते हुई चुपचाप उज्जैन से आगे अपनी यात्रा पर बढ जाती है। कवि हों या संत, भक्त हों या साधु, पर्यटक हों या कलाकार,पग-पग पर मंदिरों से भरपूर क्षिप्रा के मनोरम तट सभी के लिए समान भाव से प्रेरणाम के आधार है।